फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 237 प्रभात जयपुर, बुधवार 1 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Reliving Kargil And The Boys We Lost

"If death strikes before I prove my blood, I promise (swear), I will kill death."
- Lt Manoj Kumar Pandey

The Hymn to Nikkal

3,000-Year-Old Syrian Hymn Matches Rig Veda Melodies Across Continents

बार-बार पश्चिम एशिया में अपने सैन्य ठिकानों पर ''पिन-पाइन्ट'' बमबारी से अमेरिका खीजा

अपने यूरोपीय ''मित्रों'' पर ट्रंप ने खीज निकाली और उन्हें चेतावनी दी या तो वे लोग इस युद्ध में सीधे (डॉयरेक्ट) जुड़े वरना. . . . .

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- ट्रंप ने कहा, यूरोपीय देश अपना ''ऑयल'' स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के रास्ते लाने की व्यवस्था खुद करें, अमेरिका इस मामले में उनकी मदद के लिए आयेगा, जबकि यूरोपीय देशों ने भी खाड़ी युद्ध में अमेरिका की मदद नहीं की है या ये लोग अमेरिका से ''ऑयल'' खरीद सकते हैं। अमेरिका के पास बहुत ''ऑयल'' है।
- ट्रंप की यूरोपीय देशों से खीज के कई कारण है। उदाहरण के लिए इटली ने खाड़ी युद्ध में बमबारी कर लौट रहे अमेरिकी लड़ाकू विमानों को इटली की भूमि पर ''लैण्ड'' करने की इजाज़त नहीं दी, हालांकि युद्ध से पहले से ही इटली व अमेरिका के बीच इस बारे में पुराना अनुबंध व समझौता है।
- ट्रंप इस बात से भी परेशान हैं कि कोई न कोई ईरान की मदद कर रहा है, अमेरिकी सेना के ठिकानों व अन्य सैन्य गतिविधियों की जानकारी ईरान तक पहुँच रही है, जिससे इतनी ''पिन-पाइन्ट'' बमबारी हो रही है।
- अमेरिका के युद्ध संबंधी मामलों के मंत्री पीट हेगसेथ ने पेंटागन की प्रैस बीफिंग में गुस्से भरे शब्दों में कहा, अमेरिका को पूरी जानकारी है, रूस व चीन की इस युद्ध में क्या भूमिका है।

नई दिल्ली, 31 मार्च। पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बढ़ते ईरानी हमलों के सामने खुद को लगातार असहाय महसूस करते हुए, राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यूरोपीय देशों से ईरान के खिलाफ अभियानों में सीधे शामिल होने का आग्रह किया।

ट्रंप ने यूनाइटेड किंगडम और अन्य देशों से कहा कि वे होर्मुज़ से अपना तेल खुद जाकर लें। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका उन्हें पहले की तरह मदद नहीं करेगा। इसके विकल्प के तौर पर, उन्होंने सुझाव दिया कि वे अपनी तेल ज़रूरतें अमेरिका से पूरी करें, जहाँ पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

इटली ने ईरान में लड़ाकू अभियानों के लिए जा रहे अमेरिकी विमानों को अपने सैगोनेला एयरबेस पर उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। यह अनुमति देने से उस समय इनकार किया गया, जब कुछ अमेरिकी विमान अपने घरेलू अड्डों से उड़ान भरकर ईरान क्षेत्र की ओर जा रहे थे। इटली ने यह कहते हुए अनुमति देने से इनकार किया कि संसद से परामर्श के लिए पर्याप्त समय नहीं था।

यह एक बड़ा घटनाक्रम है, क्योंकि पहले से मौजूद समझौते के तहत, अमेरिकी विमानों को परिचालन क्षेत्रों की ओर जाते समय इटली में उतरने की अनुमति थी। लेकिन इस बार इनकार के लिए कुछ विशेष कारण बताए गए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया गांधी स्वस्थ, गंगाराम अस्पताल से छुट्टी मिली

नई दिल्ली, 31 मार्च। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को मंगलवार को सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें 24 मार्च को बुखार होने के बाद सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोनिया गांधी अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। डॉक्टरों के अनुसार वे एक सिस्टमिक इन्फेक्शन के लिए एंटीबायोटिक्स दी गई।

सर गंगा राम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार

- गत 24 मार्च की रात को बुखार के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सोनिया गांधी को 24 मार्च की रात 10:22 बजे बुखार के चलते सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉ. डीएस राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु की देखरेख में उन्हें एक सिस्टमिक इन्फेक्शन के लिए एंटीबायोटिक्स से इलाज दिया गया और उन्होंने इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दी। अब वे ठीक हो चुकी हैं और आज सुबह उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, ताकि घर पर उनका आगे का इलाज और फॉलो-अप हो सके।

'अमेरिका व्यर्थ ही ऐसे युद्ध में लिप्त हुआ है, जो वो कभी जीत ही नहीं सकता'

अमेरिका के टॉप इकोनॉमिस्ट जैफरी सैक्स के खाड़ी युद्ध के विचार बड़े चौंकाने वाले, पर सटीक हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- जैफरी सैक्स यह भी कहते हैं कि सबसे बड़ी विवाद की बात है, जिस तरह से ''टैक बिलिनियर'' (टैक्नोलॉजी उद्योगों के अरबपति) मालिक, सरकार के प्रशासन पर भावी हो रहे है।
- जैफरी सैक्स ने हाल ही में प्र.मंत्री मोदी व राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हो रही टेलीफोनिक बातचीत में एलन मस्क के भागीदार होने की भी आलोचना की।
- उन्होंने कहा, इस अपवित्र दोस्ती में, ''जवाबदेही'' (एकाउन्टेबिलीटी) और प्रजातंत्रीय वैधानिकता की बलि चढ़ती है।

नई दिल्ली, 31 मार्च। शीर्ष अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफ्री सैक्स का पश्चिम एशिया संघर्ष पर हस्तक्षेप अपनी भाषा के कारण नहीं, बल्कि अपने आरोपों की व्यापकता के कारण अधिक उल्लेखनीय है। यह भू-राजनीति, अमेरिकी शक्ति और स्वयं राज्य सत्ता के बदलते स्वरूप तक को कठघरे में खड़ा करता है।

वर्तमान संकट को ''दुनिया भर के ''लूज़र्स'' (पराजितों) का युद्ध'' बताते हुए, सैक्स मूलतः यह तर्क दे रहे हैं कि इस उभरते टकराव में कोई रणनीतिक विजेता नहीं है, सिर्फ दीर्घकालिक नुकसान के अलग-अलग स्तर हैं। उनका यह दृष्टिकोण क्षेत्रीय संघर्षों को शून्य-योग (ज़ीरो-सम) प्रतिस्पर्धा के रूप में देखने की पारंपरिक सोच को चुनौती देता है। इसके बजाय, वे इसके कई परिणाम देखते हैं, जैसे आर्थिक अव्यवस्था, ऊर्जा असुरक्षा, राजनीतिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का लगातार क्षरण आदि। उनके अनुसार, जो देश सीधे तौर पर इसमें शामिल नहीं हैं, जैसे भारत, वे भी तेल की ऊँची कीमतों, बाधित व्यापार मार्गों और बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण नुकसान उठाएँगे।

सऊदी अरब और यूएई जैसे खाड़ी देशों के लिए उनकी चेतावनी इसी व्यापक आकलन पर आधारित है। इन देशों ने पिछले दशक में खुद को स्थिरता, निवेश और तेल के बाद के आर्थिक परिवर्तन के केन्द्र के रूप में स्थापित करने की कोशिश की है, और ऐसे में एक पूर्ण क्षेत्रीय युद्ध में प्रवेश करना उनके लिए अत्यंत आत्म-विनाशकारी होगा। सैक्स द्वारा इस्तेमाल किया गया ''तेज़ विनाश'' शब्द तत्काल सैन्य हार की भविष्यवाणी से अधिक एक प्रणालीगत विघटन की चेतावनी है, जहाँ वित्तीय बाजार खत्म हो सकते हैं, बुनियादी ढाँचा निशाना बन सकता है और वर्षों में बनाए गए वैश्विक साझेदारी संबंध रातों-रात कमज़ोर पड़ सकते हैं।

लेकिन सैक्स यहीं नहीं रुकते, उन्होंने सबसे तीखी आलोचना का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाँच साल के अंतराल के बाद पहला बिज़नैस डैलिगेशन चीन दौरे पर

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का एक प्रतिनिधिमंडल 29 मार्च से 4 अप्रैल तक चीन के दौरे पर है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- भारत और चीन के संबंध पूर्वी लद्दाख में हुए सैन्य टकराव के बाद काफी बिगड़ गए थे। वर्ष 2024 में ब्रिक्स समिट व 2025 में एससीओ समिट के दौरान प्र.मंत्री मोदी व चीन के प्रधानमंत्री शी जिनपिंग की वार्ता के बाद हालात सामान्य होने शुरु हुए थे।
- शंघाई के भारतीय महावाणिज्य दूतावास के काउन्सलेट जनरल प्रतीक माथुर ने प्रतिनिधिमंडल की चीन की प्रमुख कंपनियों और वित्तीय संस्थानों के साथ मीटिंग करवाई।

नई दिल्ली, 31 मार्च। देश के उत्तरी हिमालयी पड़ोसी चीन के साथ संबंधों को सहज बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम उठाते हुए, भारतीय वाणिज्य मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल इन दिनों चीन की यात्रा पर है, जहाँ वह चीन के अपने समकक्ष प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत कर रहा है। पिछले पाँच वर्षों के विराम के बाद यह इस तरह की पहली यात्रा है।

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) का एक प्रतिनिधिमंडल 29 मार्च से 4 अप्रैल तक शंघाई और चीन के जियांग्सू प्रांत के दौरे पर है, जो देश के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में शामिल हैं।

2020 में पूर्वी लद्दाख में हुए सैन्य गतिरोध के बाद पाँच वर्षों से अधिक समय तक चले ठहराव के उपरांत, पिछले वर्ष दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध सामान्य होने के बाद, यह चीन जाने वाला पहला भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 31 मार्च। भारत के पूर्व टेनिस स्टार लिएंडर पेस मंगलवार को भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांता मजूमदार, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू,

- केन्द्रीय मंत्री, भाजपा नेता सुकांता मजूमदार ने बताया कि पेस 19 वीं सदी के बांग्ला कवि व लेखक माइकल मधुसूदन दत्त के वंशज हैं।

सांसद अनिल बलूनी की मौजूदगी में लिएंडर पेस ने भाजपा की सदस्यता ली। पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले भाजपा ने लिएंडर पेस को पार्टी में शामिल कराकर तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका दे दिया है।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लिएंडर पेस का स्वागत करते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीजू का अपमान ''उडिया गौरव'' का मुद्दा बन रहा है ओडिशा में

बीजू पटनायक पर भाजपा नेता निशिकांत दुबे की अपमानजनक टिप्पणी ने भाजपा को अटपटी स्थिति में डाला

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- निशिकांत दुबे ने 27 मार्च को लोकसभा के बाहर कहा था कि 1962 के युद्ध में बीजू पटनायक ने तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू तथा अमेरिका व सीआईए के बीच कड़ी का काम किया था। दुबे के इस बयान पर भारी बवाल खड़ा हो गया।
- बीजू पटनायक को ओडिशा में राजनैतिक महानायक व उडिया गौरव का प्रतीक माना जाता है। बीजू जनता दल ने इस बयान पर भारी नाराज़गी व्यक्त की तथा आमतौर पर शांत रहने वाले नवीन पटनायक ने इस पर भारी गुस्सा जताया, यही नहीं ओडिशा की भाजपा सरकार ने भी दुबे के बयान को उनका निजी विचार बताया और उनके बयान की कड़ी आलोचना की।
- राजनैतिक विश्लेषकों का कहना है कि दुबे की टिप्पणी ओडिशा में ''अंजैया इफैक्ट'' ला सकती है। ज्ञातव्य है कि जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, तब उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री टी. अंजैया का अपमान कर दिया था और उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में एनटी रामाराव ने इस अपमान को ''तेलगु प्राइड'' का मुद्दा बनाकर भारी जीत प्राप्त की थी।

नई दिल्ली, 31 मार्च। तटीय राज्य ओडिशा में उड़िया गौरव को बहाल करने के मुद्दे पर सत्ता में आई पार्टी के लिए, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने दिवंगत बीजू पटनायक के खिलाफ अपनी अपमानजनक टिप्पणियों के जरिए, पार्टी की राज्य इकाई को असहज स्थिति में डाल दिया है। बीजू पटनायक एक राजनीतिक महानायक और उड़िया गौरव के प्रतीक माने जाते हैं।

दुबे ने हाल ही में आरोप लगाया कि 1962 के चीन-भारत युद्ध के दौरान, बीजू पटनायक ने अमेरिकी सरकार, सीआईए और तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बीच एक कड़ी के रूप में काम किया था। यह बयान राज्यभर में व्यापक आक्रोश का कारण बना हुआ है, और उनकी पार्टी के भीतर और बाहर, दोनों जगह दुबे की कड़ी आलोचना हो रही है। गत 27 मार्च को लोकसभा के बाहर दुबे ने कहा था कि नेहरू ने 1962 का युद्ध अमेरिका के पैसे और सीआईए के सहयोग से लड़ा था। उन्होंने कहा, ओडिशा के तत्कालीन मुख्यमंत्री बीजू पटनायक अमेरिका सरकार, सीआईए और नेहरू के बीच की कड़ी थे।

मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने दुबे की टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान 1 अप्रेल से अमेरिकी कंपनियों पर निशाना लगायेगा

तेहरान,31 मार्च। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका को लेकर खुली चेतावनी दी है। ईरान की सैन्य इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि अगर ईरानी नेताओं पर हमले जारी रहे, तो वह पश्चिम

- गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एपल, इंटेल, आईबीएम, टेस्ला, बोइंग, डेल, एचपी, ओरेकल का नाम भी सूची में।

एशिया में अमेरिकी कंपनियों को निशाना बनाएगा। इस बयान से क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है और वैश्विक स्तर पर चिंता गहरा गई है।

ईरान ने साफ कहा है कि 1 अप्रैल से तेहरान समय के अनुसार रात 8 बजे के बाद अमेरिकी कंपनियों के ठिकानों पर हमले शुरू किए जा सकते हैं। भारत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वकीलों को हटाना जेडीए अफसरों की मनमानी थी या राजनैतिक द्वेष?

जेडीए से हटाए गए सहायक अधिवक्ताओं को पुनर्स्थापित किया हाईकोर्ट ने

-यादवेन्द्र शर्मा-

- 19 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा ''एक वकील को नौकर की भांति नहीं समझा जा सकता, उन्हें पद से हटाने अथवा लगाने के लिए ठोस वजह व कारण होना चाहिए।''
- वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा ने अदालत को बताया कि ''वर्ष 2014 में जेडीए ने आदेश निकाला था कि अधिवक्ता को तब ही हटाया जा सकता है, जब जोनल कमिश्नर उनके काम से नाखुश हो, पर उनके मुवक्किल प्रताप सिंह के काम से जोनल कमिश्नर खुश थे, फिर भी उन्हें हटाया गया।''
- वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन.माथुर ने भी कहा कि, उनके मुवक्किल राम सिंह के पास वर्ष 2012 में जेडीए द्वारा जारी संतोषप्रद कार्य का अनुभव पत्र है, परंतु पिछली कांग्रेस सरकार में राम सिंह को तत्कालीन यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के आदेश पर हटाया गया था।''

जयपुर, 31 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट में जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा सहायक अधिवक्ता के पद पर नियुक्त कई वकीलों को बिना किसी कारण मनमाने तरीके से हटाये जाने के खिलाफ दायर 19 याचिकाओं पर सुनवाई हुई। अदालत ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला देते हुए उन्हें पूर्ववत पदों पर वापस लगाने तथा जेडीए को अधिवक्ताओं की नियुक्ति व हटाने के लिए गाइडलाइन बनाने के आदेश दिए हैं। इस गाइडलाइन में यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सहायक अधिवक्ता और पैनल एडवोकेट की नियुक्ति में महिला, एससी-एएसटी वर्ग की भागीदारी भी हो।

हाईकोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट अपने कई आदेशों में दोहरा चुका है कि अधिवक्ता न्यायिक प्रणाली में बहुत अहम भूमिका निभाते हैं, उनके कारण ही न्याय प्रणाली पर भरोसा बना रहता है। हाईकोर्ट ने इसी टिप्पणी को दोहराते हुए कहा कि एक वकील को नौकर की भांति नहीं समझा जा सकता, उन्हें पद से हटाने अथवा लगाने के लिए कोई ठोस वजह व कारण होना चाहिए।

राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश गणेशराम मीणा की एकलपीठ ने अपने आदेश में जेडीए को निर्देश दिए हैं कि अधिवक्ताओं की नियुक्ति व हटाने के लिए विस्तृत पॉलिसी व गाइडलाइन बनाएं।

इन 19 याचिकाओं में से अधिकतर वर्ष 2025 में दायर की गई हैं, जिनमें से याचिकाकर्ताओं को वर्ष 2009 से 2014 के बीच नियुक्त किया गया था। इन याचिकाओं में कुछ याचिकाएं वर्ष 2021 में भी दायर की गई थीं, जिससे स्पष्ट होता है कि भाजपा और कांग्रेस सरकार, दोनों ने जेडीए में नियुक्त सहायक अधिवक्ताओं को मनमाने ढंग से हटाया। यह सर्वविदित है कि जेडीए में लगे कई पैनल अधिवक्ताओं को भी कांग्रेस व भाजपा सरकार ने अपनी सरकार बदलने के साथ ही हटाया है। अधिवक्ताओं की नियुक्ति और हटाने के तरीके से स्पष्ट होता है कि राजनैतिक रसूख और सत्ताधारी पार्टी के नज़दीकी वकीलों को ही नियुक्तियां मिलती रही हैं।

अदालत ने सुनवाई के दौरान मुख्य तौर पर 2 याचिकाओं को आधार बनाते हुए फैसला सुनाया। इनमें पहली याचिका प्रताप सिंह द्वारा दायर की गई थी, जिन्हें वर्ष 2009 में सहायक अधिवक्ता के तौर पर नियुक्ति दी गई थी। इनका कार्यक्षेत्र परिभाषित किया गया था कि उन्हें पैनल एडवोकेट्स और जेडीए के अधिकारियों के बीच सेतु का काम करना था। उनकी तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा और उनके सहायक अधिवक्ता योगेश कल्ला पैरवी के लिए पेश हुए थे। उन्होंने अदालत को बताया कि सहायक अधिवक्ताओं को पद से हटाने की कोई तिथि तय नहीं की गई थी, लेकिन यह जरूर कहा गया था कि अगर उनके कार्य से जेडीए असंतुष्ट रहता है तो उन्हें बिना नोटिस हटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जेडीए ने एक आदेश निकाला था कि अगर जोनल कमिश्नर (उपायुक्त) आपके कार्य से खुश नहीं है तो उन्हें हटाया जा सकता है। इसके बावजूद 14

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नालंदा : शीतला मंदिर में भगदड़, 9 की मौत

पटना, 31 मार्च। बिहार में नालंदा जिले के शीतला माता मंदिर में भगदड़ में 9 लोगों की अबतक मौत हो गई है, जबकि 7 लोग घायल हुए हैं। नालंदा के

- नालंदा के पुलिस अधीक्षक ने बताया गर्मी और भीड़ के कारण हादसा हुआ। इसमें 9 की मौत हुई है तथा सात अन्य घायल हुए हैं। प्रमंत्री मोदी ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए व घायलों को 50,000 रु. की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने बताया कि गर्मी और भीड़ की वजह से घटना हुई है। हादसे की जांच के लिए गठित एसआईटी ने छानबीन शुरू कर दी है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

पराधीनता समाज के समस्त मौलिक नियमों के विरुद्ध है। –मान्तेस्क्यु

जनसुनवाई बन रही लोकतंत्र में उलटबांसी जैसी व्यवस्था

भारतीय लोकतंत्र का मूल आधार उसका संविधान है जिसके अनुसार सत्ता का वास्तविक स्त्रोत यहां के नागरिक होते हैं। संविधान के अनुसार जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनती है ताकि वे उनकी इच्छाओं, समस्याओं और आकांक्षाओं को शासन-व्यवस्था के जरिये उनके समाधान का प्रयास करें। किंतु वर्तमान समय में जिस प्रकार जन-सुनवाइयों की परंपरा विकसित हो गई है, वह कई बार लोकतंत्र की मूल भावना से उलट प्रतीत होती है। ऐसा लगता है जैसे लोकतंत्र में जनता मालिक न रहकर याचक बन गई है और जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी सामंतों की भूमिका में आ गए हैं। यह स्थिति संविधान सम्मत लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक प्रकार का शीर्षासन है। परंपरागत सामंती व्यवस्था में राजा सर्वोच्च सत्ता होता था। तत्कालीन समाज में जनता के पास शासन में भागीदारी का कोई अधिकार नहीं था और न कोई स्वतंत्र न्याय व्यवस्था। राजा के बोल ही कानून होते थे। राजा ही न्याय करता था और वही उसकी पालना करवाता था। इसलिए प्रजा के लिए न्याय पाने का एकमात्र रास्ता राजा का रहम-ओ-करम होता था जिसके सामने उसे अपनी फ़रियाद पहुंचाना भी मुश्किल था। ऐसे राजाओं की दंतकथाएं भी बनी जिसमें फ़रियादी सीधे बादशाह के सामने दरबार में जा सकता था या उसे कभी भी पुकार सकता था। लेकिन आधुनिक लोकतंत्र का सिद्धांत इससे बिल्कुल भिन्न है। हमारे यहां एक ऐसा संविधान है जिसमें बराबरी के साथ जनता सर्वोच्च होती है। शासन उसके प्रतिनिधियों द्वारा संचालित होता है और एक स्वतंत्र न्यायपालिका होती है। शासन किसी की मर्जी से नहीं बल्कि संवैधानिक तथा जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा बनाए गए कानूनों के प्रावधानों के अनुसार चलता है। इसीलिए लोकतान्त्रिक व्यवस्था में जनता को केवल शिकायत करने वाला नहीं बल्कि निर्णय प्रक्रिया का भागीदार माना जाता है। संविधान नागरिकों को अनेक अधिकार देता है और राज्य की संस्थाओं को यह जिम्मेदारी देता है कि वे इन अधिकारों की रक्षा करें। इसलिए लोकतंत्र में जनता को अपने अधिकारों के लिए किसी दरबार में जाने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। मगर क्योंकि भारतीय जन-मानस अब भी सामंती सोच व परंपराओं से अपना पिंड नहीं छुड़ा पाया है इसलिए संविधान की प्रतिष्ठा किताबों में रह गई है। लोकतान्त्रिक विधि से चुने गए प्रतिनिधियों को सेवा का नहीं राजसी ताकत का अनुभव होता है। हम भारत के लोग जिन्होंने अपना संविधान अंगीकार किया उसके अनुरूप संवैधानिक सदनों में बैठने वाले विधि-निर्माता होते हैं मगर उन्होंने अपने को आम-जन का नियंता मान लिया है।

वास्तविकता यह है कि आज कई स्थानों पर जन सुनवाई कार्यक्रमों का स्वरूप किसी दरबार जैसा दिखाई देने लगा है। नेता मंच पर बैठे होते हैं, अधिकारी उनके साथ उपस्थित रहते हैं और जनता नीचे खड़ी होकर अपनी समस्याएं सुनाती है। यह दृश्य अनायास ही सामंती व्यवस्था की याद दिलाता है। लोकतंत्र में जहां प्रतिनिधि को जनता का सेवक होना चाहिए, वहां वह मालिक की तरह व्यवहार करता दिखाई देता है। दुर्भाग्य से यह आदत केवल जनप्रतिनिधियों तक सीमित नहीं रही है। प्रशासनिक अधिकारी भी अब नियमित रूप से जन सुनवाई आयोजित करने लगे हैं। जिलाधीश, कलेक्टर, उपखंड अधिकारी या अन्य प्रशासनिक अधिकारी सप्ताह में एक दिन जनता की समस्याएं सुनते हैं। सतही तौर पर यह व्यवस्था सकारात्मक लग सकती है क्योंकि इससे लोगों को अपनी शिकायतें सीधे अधिकारियों तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। लेकिन इसके पीछे छिपा संदेश चिंताजनक है। यह मान लिया गया है कि सरकारी तंत्र इतना जटिल और दूरस्थ हो गया है कि आम नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए किसी विशेष सुनवाई के दिन की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। प्रशासनिक व्यवस्था का मूल उद्देश्य ही यह है कि नागरिकों की समस्याएं नियमित प्रक्रिया के माध्यम से हल हों। यदि लोगों को अपनी शिकायतों के लिए विशेष जन सुनवाई का सहारा लेना पड़ रहा है, तो इसका अर्थ है कि सामान्य प्रशासनिक तंत्र ठीक से काम नहीं कर रहा। ऐसे में जन सुनवाई समस्या का समाधान नहीं बल्कि उसकी स्वीकारोक्ति बन जाती है।स्थिति तब और अधिक विचित्र हो जाती है जब पुलिस अधिकारी भी जन सुनवाई करने लगते हैं। पुलिस का काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना और अपराधों की जांच करना होता है। वह न्यायप्रणाली का हिस्सा होती है। यदि किसी व्यक्ति के साथ अपराध होता है तो उसे सीधे थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने का अधिकार है। लेकिन जब लोगों को न्याय पाने के लिए पुलिस अधीक्षक या अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की जन सुनवाई का इंतजार करना पड़े, तो यह न्याय प्रणाली की कमजोरी को दर्शाता है। यह संकेत देता है कि सामान्य स्तर पर शिकायतों को किस तरह निपटा जा रहा है। ऐसा सिर्फ लापरवाही, या अक्षमता के कारण नहीं होता। अन्याय बड़े कारण होते हैं, जिसे सब जानते हैं। संविधान ने जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों को अधिकार इसलिए दिए हैं ताकि वे जनता के हित में निर्बाध काम कर सकें। लेकिन जब यह संबंध उलट जाता है, तब सेवक मालिक बन जाता है और मालिक याचक की भूमिका में आ जाता है। इस समस्या का एक कारण राजनीतिक संस्कृति में आया परिवर्तन है। आज राजनीति में जनसेवा की भावना के स्थान पर शक्ति और प्रतिष्ठा की आकांक्षा अधिक दिखाई देती है। कई नेता जन-सुनवाई को जनता से संवाद का माध्यम नहीं बल्कि अपनी लोकप्रियता दिखाने के मंच के रूप में इस्तेमाल करते हैं। मीडिया कवरेज, फोटो और वीडियो के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि नेता जनता की समस्याएं सुन रहे हैं और तुरंत समाधान कर रहे हैं। लेकिन यह प्रक्रिया केवल प्रतीकात्मक होती है। इसके साथ ही प्रशासनिक तंत्र भी इस संस्कृति को बढ़ावा देने लगा है। अधिकारी जन-सुनवाई के माध्यम से यह दिखाना चाहते हैं कि वे जनता के प्रति संवेदनशील हैं। लेकिन यदि प्रशासनिक व्यवस्था वास्तव में प्रभावी हो, तो अधिकांश समस्याएं कार्यालयों में ही रोजाना हल हो जानी चाहिए। लोकतंत्र की स्वस्थ व्यवस्था में जनता और शासन के बीच संबंध अधिक समानता पर आधारित होना चाहिए। जनप्रतिनिधियों का काम केवल शिकायतें सुनना नहीं बल्कि ऐसी नीतियां बनाना है जिससे समस्याएं उत्पन्न ही न हों। यदि सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा या स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए लोगों को बार-बार जन सुनवाई में जाना पड़े तो यह नीति-निर्माण की विफलता को ही दर्शाता है। इसी प्रकार प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना होती है कि सरकारी योजनाएँ सही ढंग से लागू हों और नागरिकों को समय पर सेवाएं मिलें। अब तो डिजिटल-तकनीक और ई-गवर्नेंस के माध्यम से शिकायतों का समाधान अधिक पारदर्शी और प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। ऑनलाइन शिकायत पोर्टल, हेल्पलाइन और समयबद्ध सेवा कानून जैसे उपाय जनता को बार-बार अधिकारियों के सामने उपस्थित होने की आवश्यकता को कम कर सकते हैं। पुलिस व्यवस्था में बड़े सुधार की आवश्यकता है। यदि प्रत्येक थाने में शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और निष्पक्ष जांच हो, तो लोगों को उच्च अधिकारियों की जन सुनवाई में जाने की आवश्यकता क्यों पड़े? पुलिस और जनता के बीच विश्वास का संबंध बनाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक है।

यह कहना उचित होगा कि जन सुनवाई का विचार पूरी तरह गलत नहीं है। यदि इसे जनता के साथ संवाद और समस्याओं के त्वरित समाधान के माध्यम के रूप में उपयोग किया जाए, तो यह उपयोगी हो सकता है। लेकिन जब यह व्यवस्था सामंती दरबार की तरह दिखाई देने लगे और जनता को याचक की भूमिका में धकेल दिया जाय, तब यह लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत हो जाती है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि नागरिक स्वयं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों। लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं है। नागरिकों को यह समझना होगा कि वे केवल वोट देने वाले नहीं बल्कि शासन के वास्तविक मालिक हैं। यदि प्रतिनिधि या अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का सही ढंग से पालन नहीं करते, तो जनता को लोकतांत्रिक माध्यमों से उन्हें जवाबदेह बनाना चाहिए। मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका भी यहां महत्वपूर्ण हो जाती है। मीडिया को केवल जन सुनवाई के कार्यक्रमों की तस्वीरें दिखाने के बजाय यह सवाल उठाने चाहिए कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न होती है कि जनता को बार-बार अपनी समस्याएं लेकर नेताओं और अधिकारियों के सामने जाना पड़ रहा है। इसी प्रकार सामाजिक संगठनों को भी प्रशासनिक सुधार और पारदर्शिता की मांग उठानी चाहिए। यह कहना उचित होगा कि जन सुनवाई का विचार पूरी तरह गलत नहीं है। यदि इसे जनता के साथ संवाद और समस्याओं के त्वरित समाधान के माध्यम के रूप में उपयोग किया जाए, तो यह उपयोगी हो सकता है। लेकिन जब यह व्यवस्था सामंती दरबार की तरह दिखाई देने लगे और जनता को याचक की भूमिका में धकेल दिया जाय, तब यह लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत हो जाती है। लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि सत्ता का व्यवहार कैसा है! यदि सत्ता स्वयं को जनता का सेवक मानती है, और नागरिकों को सम्मान के साथ अधिकार प्रदान करती है, तो लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन यदि सत्ता स्वयं को मालिक समझने लगे और जनता को अपनी समस्याएं लेकर उसके सामने उपस्थित होना पड़े, तो यह लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम लोकतंत्र की मूल भावना को पुनः याद करें। जनप्रतिनिधि और अधिकारी दोनों को यह समझना होगा कि वे जनता के मालिक नहीं बल्कि सेवक हैं। प्रशासनिक व्यवस्था को इतना प्रभावी और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए कि नागरिकों को न्याय और सेवाएं प्राप्त करने के लिए किसी दरबार की आवश्यकता न पड़े। जब तक यह परिवर्तन नहीं होगा, तब तक जन सुनवाई जैसे कार्यक्रम लोकतंत्र की मजबूती के बजाय उसकी विडंबना को ही उजागर करते रहेंगे। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ तभी साकार होगा जब जनता केवल सुनी ही नहीं जाएगी बल्कि शासन की दिशा तय करने में उसकी वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित होगी। तभी लोकतंत्र का यह शीर्षासन सीधा खड़ा हो सकेगा और जनता वास्तव में अपने अधिकारों की स्वामी बन सकेगी।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

ईरान-अमेरिका टकराव : शक्ति, विचार और जनता के बीच निर्णायक संघर्ष

दोनों देशों के बीच बढ़ता तनाव आज की वैश्विक राजनीति का एक ऐसा केंद्र बन चुका है, जहां सैन्य शक्ति ही नहीं, बल्कि विचारधाराएं, पहचान और शासन की वैधता भी आमने-सामने खड़ी हैं

डॉ. नीरज रावत

ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव आज की वैश्विक राजनीति का एक ऐसा केंद्र बन चुका है, जहां केवल सैन्य शक्ति ही नहीं, बल्कि विचारधाराएं, पहचान और शासन की वैधता भी आमने सामने खड़ी हैं। यह संघर्ष सीमाओं तक सीमित नहीं है। यह उस बड़े प्रश्न का हिस्सा है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया किस दिशा में आगे बढ़ेगी। क्या दुनिया नियंत्रण और भय के ढांचे को स्वीकार करेगी, या स्वतंत्रता और लोकतंत्र की ओर निर्णायक कदम बढ़ाएगी।

इस पूरे परिदृश्य में दुनिया की प्रतिक्रियाएं एक जैसी नहीं हैं। एक बड़ा वर्ग इसे इस्लामी एकजुटता के चश्मे से देखता है। उसके लिए ईरान का पश्चिम से टकराव एक प्रकार का सभ्यतागत प्रतिरोध है। शिया और सुन्नी मतभेदों के बावजूद यह भावना कई समाजों में दिखती है कि ईरान पश्चिमी प्रभाव के सामने झुकने से इनकार कर रहा है। यह दृष्टिकोण भावनात्मक रूप से प्रभावशाली जरूर है, लेकिन यह ईरान के भीतर की वास्तविकताओं को पूरी तरह सामने नहीं लाता।

ईरान की असली कहानी उसकी सीमाओं के भीतर लिखी जा रही है। वहां सत्ता का केंद्र केवल निर्वाचित सरकार नहीं है, बल्कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी है, जिसने दशकों में एक समानांतर शक्ति संरचना खड़ी कर ली है। यह संगठन केवल सुरक्षा तंत्र नहीं रहा, बल्कि अर्थव्यवस्था, विदेश नीति और आंतरिक नियंत्रण तक इसका प्रभाव गहराई से फैला हुआ है। यही कारण है कि ईरान के भीतर असंतोष केवल आर्थिक कठिनाइयों का परिणाम नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी व्यवस्था के खिलाफ प्रतिक्रिया है जो नागरिकों की स्वतंत्रता को सीमित करती है।

ईरान की युवा पीढ़ी इस असंतोष का सबसे मुखर चेहरा बनकर उभरी है। शिक्षा, इंटरनेट और वैश्विक संपर्क ने उनके भीतर तुलना की क्षमता पैदा की है। वे जानते हैं कि दुनिया के अन्य हिस्सों में नागरिकों को किस प्रकार के अधिकार प्राप्त हैं, और इसी तुलना ने उनके भीतर बेचैनी को जन्म दिया है। महसा अमिनी की मृत्यु के बाद जो आंदोलन खड़ा हुआ, वह केवल एक घटना की प्रतिक्रिया नहीं था। वह वर्षों से जमा हो रहे गुस्से का विस्फोट था।

इन प्रदर्शनों की विशेषता यह थी कि उन्होंने भय की संस्कृति को खुली चुनौती दी। महिलाओं ने सार्वजनिक रूप से हिजाब कानूनों का विरोध किया। छात्रों ने विश्वविद्यालयों से सड़कों तक अपनी आवाज बुलंद की। कई शहरों में लगातार विरोध देखने को मिला। यह संकेत है कि ईरान के भीतर एक बड़ा वर्ग अब केवल सुधार नहीं, बल्कि संरचनात्मक परिवर्तन चाहता है। यह असंतोष किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है। इसमें महिलाएं, युवा, पेशेवर वर्ग और यहां तक कि पारंपरिक समाज के कुछ हिस्से भी शामिल हो रहे हैं।

ईरानी प्रवासी समुदाय ने इस असंतोष को वैश्विक स्तर पर एक संगठित आवाज दी है। कनाडा, जर्मनी और संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने वाले ईरानियों ने लगातार प्रदर्शन कर यह सुनिश्चित किया है कि दुनिया इस मुद्दे को केवल एक भू-राजनीतिक संघर्ष के रूप में न देखे, बल्कि इसे मानवाधिकार और स्वतंत्रता के प्रश्न के रूप में भी समझे। यह दबाव धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय नीति निर्माण को भी प्रभावित कर सकता है।

दूसरी ओर, क्षेत्रीय समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। इज़राइल के लिए ईरान एक प्रत्यक्ष सुरक्षा चुनौती बना हुआ है। इस संदर्भ में अब्राहम समझौते जैसे घटनाक्रम यह दिखाते हैं कि मध्य पूर्व की राजनीति अब पुराने ढांचों से बाहर निकल रही है। कई अरब देशों ने अपने रणनीतिक हितों को प्राथमिकता देते हुए नए गठजोड़ बनाए हैं। यह बदलाव संकेत देता है कि भावनात्मक मुद्दों की जगह व्यावहारिक सोच ने ले ली है।

अमेरिका के भीतर भी इस मुद्दे को लेकर स्पष्ट एकरूपता नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में जो आक्रामक नीति सामने आई, उसने यह दिखाया कि अमेरिका अपनी शक्ति का खुला प्रदर्शन करने से नहीं हिचकिचाता। कासिम सुलेमानी की हत्या इसी रणनीति का हिस्सा थी। लेकिन इसके साथ ही अमेरिका में एक मजबूत धारणा यह भी है कि लंबे युद्ध देश के हित में नहीं हैं। यही कारण है कि उसकी नीति में आक्रामकता और संयम दोनों साथ साथ दिखाई देते हैं। वैश्विक स्तर पर चीन और रूस इस संघर्ष को एक अवसर के रूप में देख रहे हैं। उनके लिए ईरान एक ऐसा साझेदार है जो अमेरिकी प्रभाव को संतुलित कर सकता है। ईरान-सऊदी अरब समझौता 2023 में चीन की भूमिका इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में कूटनीति के केंद्र बदल सकते हैं। दुनिया धीरे-धीरे एक बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है, जहां शक्ति का वितरण अधिक जटिल और प्रतिस्पर्धी होगा।

लेकिन इन सभी रणनीतिक और वैचारिक विमर्शों के बीच एक सच्चाई बार बार सामने आती है कि, किसी भी युद्ध का सबसे बड़ा बोझ आम नागरिक उठाते हैं। इतिहास इस बात का गवाह है। इराक युद्ध और सीरियाई गृह युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक निर्णयों की कीमत समाज की सामान्य जनता को चुकानी पड़ती है। घर उजड़ते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और पीढ़ियां अस्थिरता में जीने को मजबूर होती हैं।

संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं शांति की अपील करती हैं, लेकिन जब महाशक्तियां अपने हितों के अनुसार निर्णय लेती हैं, तो उनकी सीमाएं स्पष्ट हो जाती हैं। ऐसे में यह सवाल और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या वैश्विक व्यवस्था केवल शक्ति संतुलन पर आधारित रहेगी, या उसमें मानव मूल्यों के लिए भी जगह होगी।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे निर्णायक तत्व ईरान के भीतर का असंतोष है। यदि यह असंतोष संगठित और व्यापक रूप लेता है, तो यह केवल शासन परिवर्तन तक सीमित नहीं रहेगा। यह पूरे क्षेत्र की राजनीति को बदल सकता है। लेकिन इसके विपरीत यह भी संभव है कि बाहरी दबाव के कारण राष्ट्रवाद का उभार हो और वही सत्ता को और अधिक मजबूत कर दे। यही इस संघर्ष की जटिलता है। बाहरी हस्तक्षेप और आंतरिक असंतोष का यह समीकरण भविष्य की दिशा तय करेगा।

भारत जैसे देशों के लिए यह समय केवल संतुलन बनाने का नहीं, बल्कि स्पष्टता दिखाने का भी है। राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हैं, लेकिन उन्हें मानवाधिकार और स्वतंत्रता के मूल्यों से अलग नहीं किया जा सकता। ईरान के आम नागरिकों की आकांक्षाएं इस बात का संकेत हैं कि दुनिया के किसी भी हिस्से में लोग सम्मान और स्वतंत्रता के साथ जीना चाहते हैं। यह आकांक्षा सार्वभौमिक है। अंततः यह संघर्ष हमें एक बुनियादी प्रश्न के सामने खड़ा करता है। क्या हम ऐसी दुनिया को स्वीकार करेंगे जहां सत्ता का स्त्रोत भय और नियंत्रण हो, या हम ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ेंगे जहां नागरिकों की आवाज और अधिकार सर्वोपरि हों। किसी भी रूप में थिओक्रेसी (धर्म तंत्र) अंततः व्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करती है। यह समाज को स्थिरता के नाम पर ठहराव और नियंत्रण की ओर ले जाती है।

आज आवश्यकता केवल युद्ध को रोकने की नहीं है। आवश्यकता एक स्पष्ट वैश्विक दृष्टिकोण की है, जिसमें मानव कल्याण सर्वोच्च हो। लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अधिकार केवल आदर्श नहीं हैं, बल्कि स्थायी शांति और प्रगति की आधारशिला हैं। जहां नागरिकों को बोलने का अधिकार होता है, वहां व्यवस्था स्वयं को सुधारने की क्षमता भी रखती है।

ईरान अमेरिका टकराव केवल दो देशों का विवाद नहीं है। यह उस दिशा का संकेत है जिसमें पूरी दुनिया आगे बढ़ रही है। इस मोड़ पर लिया गया हर निर्णय आने वाले समय की संरचना तय करेगा। यदि दुनिया ने केवल शक्ति और रणनीति को प्राथमिकता दी, तो परिणाम अस्थिरता और संघर्ष ही होगा। लेकिन यदि मानवता, स्वतंत्रता और लोकतंत्र को केंद्र में रखा गया, तो यह संकट एक नए संतुलन और बेहतर व्यवस्था की शुरुआत भी बन सकता है।

अंत में, यह याद रखना होगा कि किसी भी संघर्ष की वास्तविक कसौटी उसकी सैन्य जीत नहीं होती, बल्कि यह होती है कि उसने मानव जीवन की गरिमा को कितना सुरक्षित रखा। यदि इस पूरे विमर्श में आम लोगों की पीड़ा, उनकी स्वतंत्रता और उनके अधिकारों को केंद्र में नहीं रखा गया, तो कोई भी जीत अधूरी ही रहेगी। यही इस समय की सबसे बड़ी सच्चाई है और यही भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती भी।

–डॉ. नीरज रावत,
(अंतरराष्ट्रीय विषयों के जानकार)

नक्सलवाद का "लाल आतंक" खत्म : "मोदी 3.0" की सबसे बड़ी उपलब्धि

यह भारत के लोकतंत्र की सफलता, सुरक्षा बलों की वीरता आदि की संयुक्त विजय है

डॉ. योगेश शर्मा

राजनीतिक शक्ति बंदूक की नली से निकलती है। जरा सोचिए, कितना भीषण रहा होगा चीन के माओवाद का यह दर्शन, जो हिंसक सशस्त्र क्रांति को प्रस्तुत करता है और लोकतांत्रिक संस्कृति के ऊपर बंदूक संस्कृति की श्रेष्ठता स्थापित करना चाहता है। दूसरी तरफ भारत की स्वाभाविक लोकतांत्रिक, शांतिपूर्ण और आदर्शवादी संस्कृति है, जो कानून तथा संविधान और वोट के माध्यम से होने वाली शांतिपूर्ण क्रांति की पक्षधर है। परंतु दुर्भाग्यवश, माओवाद का यह खूनी दर्शन 1960 के दशक के अंतिम वर्षों में भारत-विरोधी कुछ निहित स्वार्थी तत्वों के प्रभाव में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी क्षेत्र से प्रारंभ हुआ और इसे 'नक्सलवाद' नाम मिला। नक्सलवाद को उस समय चीन की कम्युनिस्ट क्रांति से वैचारिक प्रेरणा मिली, और चीनी मीडिया ने इसे स्प्रिंग थंडर ओवर इंडिया (भारत में बसंत का तूफान) तक कहा था। नक्सलवाद का हिंसक मार्ग न केवल राज्य की संप्रभुता के लिए चुनौती बना, बल्कि समाज में अस्थिरता और भय का कारण भी बना।

1967 में प्रारंभ हुआ नक्सलवाद छह दशकों तक एक खूनी संघर्ष के रूप में भारत के लगभग 12 राज्यों में फैल गया। चारु मजूमदार, कानू सान्याल जैसे नेतृत्व से गुजरते हुए यह आंदोलन भारत में माओवादी, वामपंथी और चरमपंथी हिंसा का भयानक उदाहरण बन गया। पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा और महाराष्ट्र तक इसका प्रभाव रेड कॉरिडोर के रूप में दिखाई देने लगा। रेड कॉरिडोर की अवधारणा के तहत इसने भारत के सशस्त्र बलों और आम नागरिकों दोनों को भारी नुकसान पहुँचाया।

1970 और 1980 के दशक में नक्सलवाद कई संगठनों में विभाजित हो गया, जिनमें पीपुल्स वार ग्रुप (पीडब्ल्यूजी) और माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर (एमसीसी) प्रमुख थे। वर्ष 2004 में इन दोनों संगठनों के विलय से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) का गठन हुआ, जिसने नक्सल आंदोलन को एक संगठित और अधिक घातक रूप प्रदान किया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की 16,000 से अधिक घटनाएँ दर्ज हुईं। इस दौरान लगभग 2,000 सुरक्षाकर्मी और 5,000 आम नागरिक मारे गए। छत्तीसगढ़ का बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा और महाराष्ट्र का गडचिरोली जैसे क्षेत्र नक्सली हमलों के केंद्र बन गए। नक्सलवाद का प्रभाव इतना बढ़ गया कि पुलिस, केंद्रीय बल, अर्धसैनिक बल और राजनेताओं तक की हत्या की जाने लगी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी नक्सलवाद को देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बताया था।

नक्सलवाद को भूमिहीन, आदिवासियों और वंचित वर्ग का मसीहा बताने का एक ढोंग प्रस्तुत किया गया। जल, जमीन और जंगल की लड़ाई के नाम पर इसे वैध ठहराने का प्रयास किया गया। इसने स्वयं को भगवान बिरसा मुंडा और भगत सिंह जैसे महान क्रांतिकारियों से जोड़ने का वैचारिक दुस्साहस भी किया। नक्सलवाद ने जिस प्रकार से छह दशकों का खूनी सफर तय किया, वह इस तथ्य को प्रमाणित करता है कि यह आंदोलन कहीं से भी कृषक, भूमिहीन या सामाजिक न्याय के आंदोलन की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता।

गुरिल्ला युद्ध की रणनीति, घात लगाकर किए गए हमले, मारे गए लोगों के मृत शरीरों के साथ अमानवीय व्यवहार और सशस्त्र क्रांति को वैध ठहराने का प्रयास-नक्सलवाद एक संगठित सशस्त्र हिंसक विचारधारा का प्रतीक बन गया। आश्चर्यजनक रूप से एक गंभीर विडंबना यह है कि कुछ बुद्धिजीवी, लेखक व सिनेमा जगत से जुड़े लोग समय-समय पर नक्सलियों के प्रति सहानुभूति प्रकट करते नजर आए।

2014 के बाद मोदी सरकार ने नक्सलवाद के विरुद्ध एक बहुआयामी रणनीति अपनाई -खुफिया ऑपरेशनों में तेजी, सुरक्षा बलों का आधुनिकीकरण, नोटबंदी के माध्यम से माओवादी फंडिंग पर प्रहार, नक्सली नेटवर्क को ध्वस्त करना, नक्सलियों का आत्मसमर्पण कराना एनआइए और इडी द्वारा संयुक्त कार्रवाई, ड्रोन, सैटेलाइट इमेजिंग, डिजिटल मैपिंग का उपयोग, स्पेशल फोर्स को आधुनिक हथियार उपलब्ध कराना। केंद्र सरकार ने 2017 में समाधान डॉक्ट्रिन (SAMADHAN -स्मार्ट लीडरशिप, एग्रेसिव स्ट्रैटेजी, मोटिवेशन एंड ट्रेनिंग, एक्शनएबल इंटेलिजेंस, डैशबोर्ड-बेस्ड केपीआईज़, हार्नेसिंग टेक्नोलॉजी, एक्शन प्लान फॉर ईच थिएटर, नो एक्सेस टू फाइनेंसिंग) को लागू किया, जिसने नक्सलवाद विरोधी रणनीति को अधिक व्यवस्थित और परिणामोन्मुख बनाया। इसके साथ ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे का विकास, आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति का प्रभावी क्रियान्वयन। रेड कॉरिडोर में 10,000 किमी से अधिक सड़क निर्माण 8,000 से अधिक मोबाइल टावर स्थापित, शिक्षा, रोजगार, आवास योजनाएँ, आधार, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, 250ह एकलव्य विद्यालय,रेलवे और कौशल विकास। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन ने स्थानीय जनसंख्या का विश्वास अर्जित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरकार ने सामाजिक न्याय को केंद्र में रखते हुए कल्याणकारी योजनाओं, और सामाजिक सुरक्षा नीतियों के माध्यम से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन लाने का प्रयास किया।

इन पहलों ने वंचित वर्गों और आदिवासियों का विश्वास अर्जित किया, जिसके परिणामस्वरूप माओवादी कैडरों की ताकत कमजोर पड़ी और उनके द्वारा फैलाए गए वैचारिक भ्रम तथा झूठ का पर्दाफाश हुआ। इन सबने नक्सलवाद की सामाजिक-आर्थिक जड़ों को कमजोर किया। 2024 में जहाँ 126 जिले नक्सल प्रभावित थे, वहीं 2026 तक यह संख्या घटकर 10 से भी कम रह गई। पिछले वर्षों में कई बड़े नक्सली नेताओं का सफाया हुआ-बसवराज, माधवी हिड़मा, सहदेव सोरेन आदि।

2024 में गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा की थी कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का पूर्णतः सफाया कर दिया जाएगा। संसद के बजट सत्र में 30 मार्च 2026 को लोकसभा में नियम 193 के तहत नक्सलवाद पर चर्चा हुई, जिसमें अमित शाह ने स्पष्ट रूप से कहा कि नक्सलवाद की मूल वजह विकास की मांग नहीं, बल्कि एक विकृत विचारधारा है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि देश लाल आतंक से मुक्त हो चुका है और जो हथियार उठाएगा उसे हिसाब चुकाना होगा। 31 मार्च 2026 की डेडलाइन के साथ भारत ने नक्सलवाद से मुक्त होने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया-यह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल (3.0) की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

निस्संदेह, यह भारत के लोकतंत्र की सफलता, सुरक्षा बलों की वीरता, सरकार और आम नागरिकों के विश्वास की संयुक्त विजय है। इस ऐतिहासिक सफलता के लिए भारत की केंद्र सरकार, हमारे सुरक्षा बल और देश के जागरूक नागरिक-सभी स्थायी बधाई के पात्र हैं। केंद्र सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति, सुरक्षा बलों के प्रयास और विकास आधारित नीति ने भारत को नक्सलवाद के आतंक से मुक्त कर दिया है।-यह लोकतंत्र, विकास, न्याय और समावेशन की प्रक्रिया की निर्णायक विजय और नए भारत की एक मजबूत तस्वीर है।

–डॉ. योगेश शर्मा,
(लेखक संवैधानिक अध्येता और अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हैं)।

राशिफल

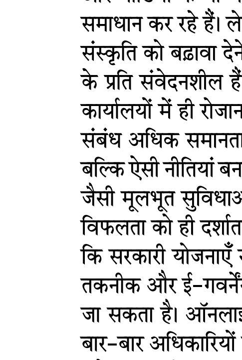

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 1 अप्रैल, 2026

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र सायं 4:18 तक, वृद्धि योग दिन 2:51 तक, वणिज करण प्रातः 7:07 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग सायं 4:18 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सायं 4:18 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रातः 7:07 से सायं 7:25 तक रहेगी। आज चान्द्र पूर्णिमा व्रत, मन्वादि है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:26 तक, शुभ 10:58 से 12:31 तक, चर 3:35 से 5:07 तक, लाभ 5:07 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:22, सूर्यास्त 6:40

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मिथुन
परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत प्रयासों से महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। मानसिक तनाव हो सकता है। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी। उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन से "लोकल टू ग्लोबल" हो रहे स्थानीय उत्पाद

"एक जिला एक उत्पादन नीति" से राजस्थान के उत्पाद विश्व पटल पर बना रहे अपनी विशिष्ट पहचान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार "एक जिला एक उत्पाद नीति-2024" के माध्यम से राजस्थान के प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को वैश्विक स्तर पर लाने का प्रयास कर रही है। इस नीति के तहत राज्य के प्रत्येक जिले में उत्पाद का चयन किया गया है, जिससे स्थानीय संसाधनों और कौशल का बेहतर उपयोग हो सके। साथ ही, प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को संरक्षित रखते हुए प्रमुख उत्पादों को प्रोत्साहित किया जाएं। इस नीति के माध्यम से गांवों में उद्यिमता को बढ़ावा मिल रहा है तथा उद्यिमयों को तकनीकी सहयोग, वित्तीय सहायता

और बाजार तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। नीति के अंतर्गत उद्योगों को मार्जिन मनी अनुदान, एडवांस टेक्नोलोजी और सॉफ्टवेयर खरीदने, क्वालिटी सर्टिफिकेशन व आईपीआर, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेने

■ **उद्यिमता को मिल रहा बढ़ावा, गांवों में रोजगार के नए अवसर : भजनलाल शर्मा**

पर पुनर्भरण सहायता प्राप्त होगी।

राज्य सरकार द्वारा उद्यिमयों को सशक्त बनाने के लिए व्यापक वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में इस नीति के तहत नए लघु एवं सूक्ष्म ओडीओपी उद्यम स्थापित करने के लिए परियोजना लागत का अधिकतम 25 प्रतिशत (अधिकतम 25 लाख रुपये) तक मार्जिन मनी सब्सिडी देय है। साथ ही, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के तकनीकी उन्नयन के लिए नवीनतम तकनीक एवं सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर 50 प्रतिशत तक (अधिकतम 5 लाख रुपये) की वित्तीय सहायता का प्रावधान है।

एक जिला-एक उत्पाद नीति में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणपत्रों और बौद्धिक संपदा अधिकारों पर किए गए खर्चों के लिए 3 लाख रुपये तक 75 प्रतिशत पुनर्भरण का प्रावधान है। साथ ही, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर शामिल होने के लिए दो साल तक प्रति वर्ष 1 लाख रुपये तक 75 प्रतिशत पुनर्भरण भी देय है। टेक्नोलॉजिकल अपग्रेडेशन को बढ़ावा देने के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय संस्थानों से एडवांस्ड टेक्नोलॉजी या सॉफ्टवेयर खरीद पर 5 लाख रुपये तक 50 प्रतिशत सब्सिडी मुहैया कराई जाती है।

इस नीति के तहत उद्यिमयों को कैटलॉगिंग सेवाओं और ई-कॉमर्स वेबसाइटों के डवलपमेंट के लिए 60 प्रतिशत और अधिकतम 75 हजार तक सहायता देकर डिजिटल मार्केट के विस्तार में सहयोग दिया जा रहा है। जिससे उत्पादों की ब्रांडिंग हो सके, साथ ही, बाजार तक बहुत सुनिश्चित हो। वित्तीय प्रोत्साहन, टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट और मार्केट विस्तार जैसे पहलों के माध्यम से यह नीति जिला स्तर के उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है।

देवनानी ने केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह और ज्योतिरादित्य सिंधिया से भेंट की

तारागढ़ किला और वरुण सागर को आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए केंद्रीय सहायता दिलाने का आग्रह

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मुलाकात की।

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अपने नई दिल्ली प्रवास में मंगलवार को केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और केन्द्रीय संचार मन्त्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भेंट की और अजमेर के पर्यटन विकास कार्यों और कतिपय अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ भेंट में विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने अजमेर के ऐतिहासिक तारागढ़ किला और वरुण सागर को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के सम्बन्ध में चर्चा की और इसके लिए यथोचित केन्द्रीय सहयोग प्रदान कराने का आग्रह किया ।

देवनानी ने बताया कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान से जुड़े ऐतिहासिक तारागढ़ किला के विकास के लिए राजस्थान सरकार ने भी अपने बजट में वित्तीय प्रावधान की घोषणा की है। ऐतिहासिक तारागढ किला को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की इस महत्वाकांक्षी योजना को पूरा करने के लिए केन्द्रीय सहायता की महती आवश्यकता है। इसी प्रकार अजमेर के वरुणसागर जिसका पूर्व में नाम फाय सागर था, को भी पर्यटन की दृष्टि से आकर्षण बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है तथा यहाँ शीघ्र वरुण देवता की अष्ट धातु की एक मूर्ति भी स्थापित की जायेगी। देवनानी ने बताया कि अजमेर में अंग्रेज़ी और औपनिवेशिक काल की गुलामी के प्रतीक कई नामों को बदला गया है। इसी क्रम में फाय सागर का नाम भी परिवर्तित कर जल के देवता वरुण सागर के नाम पर रखा गया है । उन्होंने बताया कि वरुण सागर को एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाने के प्रयास किए जा रहें है ।

■ **अजमेर में डाकघर और बीएसएनएल से सटी सड़क सम्बन्धी विषय पर कार्यवाही कराने का अनुरोध**

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विधानसभाध्यक्ष देवनानी का आश्वस्त किया कि ऐतिहासिक तारागढ क़िला और वरुण सागर सहित अजमेर के अन्य पर्यटन स्थलों के विकास का विस्तृत प्रोजेक्ट बनवा कर केन्द्र सरकार से समुचित केन्द्रीय सहायता दिलाने का पूरा प्रयास किया जाएगा ।विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने केन्द्रीय संचार मन्त्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से अजमेर में बीएसएनएल और डॉक घर कार्यालय के पास की सड़क को चौडी करने सम्बन्धी विषय पर चर्चा की तथा बताया कि अजमेर में जाम की समस्या को दूर करने तथा सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए इन कार्यालय के पास की सड़क को चौडी करना आवश्यक है । जनहित में इन कार्यालयों की भूमि की आवश्यकता है। क्योंकि नए एलिवेटेड रोड और आगरा फोर्ट गेट के पास प्राय: दुर्घटनाए होती है । उन्होंने सिन्धिया से इस लम्बित विषय का शीघ्र निराकरण करने के लिए सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया। केन्द्रीय संचार मन्त्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विधानसभाध्यक्ष देवनानी को आश्वस्त किया कि वे इस सम्बन्ध में शीघ्र ही अपेक्षित कार्यवाही सुनिश्चित करायेंगे। इस अवसर पर विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने दोनों केन्द्रीय मन्त्रियों को विधानसभा सचिवालय द्वारा प्रकाशित संसदीय संस्कृति का उत्कर्ष-नवाचारों के 2 वर्ष और विधान सभा की दैनंदिनी के साथ ही अपनी स्वलिखित पुस्तक सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि पुस्तक भेंट की।

डीओआईटी के विशेष सचिव और राजस्थान हैल्थ इंश्योरेंस के सीईओ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

जयपुर । जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने आदेश की पालना नहीं करने पर डीओआईटी के विशेष सचिव व आयुक्त हिमांशु गुप्ता व राजस्थान हेल्थ इंश्योरेंस के सीईओ हरजीराम अटल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर 16 अप्रैल को तलब किया है।

आयोग ने पुलिस कमिश्नरेट को कहा है कि वे वारंट की तामील कराए। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीणा ने यह आदेश सोनिका राघव के अवमानना प्रार्थना पत्र पर दिया।

परिवादी की ओर से अधिवक्ता ओमेन्द्र सिंह ने बताया कि उपभोक्ता आयोग ने 28 अगस्त 2024 को आदेश जारी कर परिवादी के चिरंजीवी योजना के लिए ऑनलाइन 850 रुपए कटने के बावजूद उसका रजिस्ट्रेशन नहीं होने के सेवादोष मामले में विपक्षीगण पर 36 हजार रुपए का हर्जाना लगाया था। इसके बावजूद विपक्षी अफसरों ने उपभोक्ता आयोग के आदेश का पालन नहीं किया। जिसे परिवादिया ने अवमानना प्रार्थना पत्र के जरिए चुनौती देते हुए आदेश की पालना का आग्रह किया। जिस पर आयोग ने अफसरों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

गौरतलब है कि परिवादी ने साल 2021 में चिरंजीवी योजना के लिए ऑनलाइन 850 रुपए ट्रांसफर किए थे, लेकिन योजना में उसका रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ। उसने दोबारा ट्रांजेक्शन किया तो रजिस्ट्रेशन हो गया, लेकिन उसे पहली बार में काटे गए 850 रुपए 7 दिन की अवधि में ट्रांसफर नहीं किए गए। इसे उपभोक्ता आयोग में चुनौती देने के दौरान मार्च 2022 में 850 रुपए उसे लौटा दिए गए। उपभोक्ता आयोग ने विपक्षीगण के रकम लौटाने में देरी होने को सेवादोष करार देते हुए 36 हजार रुपए का हर्जाना लगाया, लेकिन इस आदेश की पालना नहीं की गई।

दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। श्यामनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर दुपहिया वाहन चोर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित नशा करने का आदि है और नशा पूर्ति के लिए दुपहिया वाहन चुराता है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

विदेश जाने पर रोक, बेटी के नाम 10 लाख रुपए की एफडीआर बनाने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवाद से जुडे मामले में महिला के सास-ससुर और देवर को अग्रिम जमानत का लाभ देते हुए कहा है कि वे बिना अनुमति विदेश नहीं जाएंगे।

इसके साथ ही अदालत ने बेटी के नाम दस लाख रुपए की एफडीआर बनाने का आदेश देते हुए पक्षकारों को समझौते के लिए मध्यस्थ के समक्ष जाने को कहा है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश सास-ससुर व देवर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।सुनवाई के दौरान ससुराल पक्ष ने अदालत को आश्वस्त किया कि वे पीडिता और उसकी बेटी के भरण पोषण के लिए हर माह 30 हजार रुपए अदा करेंगे।

इस पर अदालत ने कहा कि हर माह की 2 तारीख को पीडिता के बैंक खाते में यह राशि जमा कराई जाए। गौरतलब है कि पीडिता ने खैरथल-तिजारा के महिला थाने में शिकायत दी थी। जिसमें कहा की उसकी शादी जनवरी, 2022 को हुई थी और उसके दो साल की बेटी है। शादी के कुछ साल बाद ही उसका पति उसे छोडकर अमेरिका चला गया। पीडिता ने आरोप लगाया कि वहां उसने दूसरी शादी कर ली और वापस भारत लौटने से इनकार कर दिया। पीडिता ने आरोप लगाया की ससुराल पक्ष अब अपनी संपत्ति बेचकर विदेश भागने की साजिश रच रहे हैं। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने तीनों को अग्रिम जमानत का सशर्त लाभ देते हुए बेटी के पक्ष में एफडीआर बनाने के आदेश दिए हैं।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर 11 हजार रुपए हर्जाना लगाया

जयपुर (कासं)। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-3 ने पीएम आवास योजना के तहत लिए होम लोन की सब्सिडी के लिए दस्तावेज देरी से भेजने के चलते लाभ से वंचित रहने को सेवा दोष माना है। इसके साथ ही आयोग ने विपक्षी सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर 11 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। वहीं सब्सिडी राशि 2.67 लाख रुपए परिवाद पेश करने की तिथि से 9 फीसदी ब्याज सहित अदा करने को कहा है। आयोग अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर और सदस्य पवन कुमार ने यह आदेश बिंदु चौधरी व अन्य की ओर से दायर परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।परिवाद में

■ **पीएम आवास योजना की सब्सिडी के लिए दस्तावेज देरी से भेजने पर जिला उपभोक्ता आयोग ने कार्रवाई की**

अधिवक्ता जितेन्द्र कुमार शर्मा ने आयोग को बताया कि परिवादी ने विपक्षी बैंक से करीब पांच साल पहले होम लोन लिया था और पीएम आवास योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी के लिए आवेदन किया था। विपक्षी ने परिवादी को आश्वस्त किया था कि उनकी ओर से सब्सिडी राशि 2.67 लाख रुपए दिलाने के लिए समस्त जरूरी कार्रवाई की जाएगी। परिवाद में कहा गया कि सब्सिडी के लिए बैंक के पोर्टल पर फाइल अप्रूव कर अपलोड की गई थी, लेकिन बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय ने करीब पांच माह बाद 30 मार्च, 2022 को इसे फाइनल अप्रूव किया। इसके अगले दिन ही 31 मार्च को सब्सिडी स्कीम बंद हो गई। जिसके चलते परिवादी को सब्सिडी का लाभ नहीं मिला। परिवाद में कहा गया कि विपक्षी की देरी के कारण उसे सब्सिडी से वंचित होना पडा। ऐसे में उसे मुआवजा और सब्सिडी दिलाई जाए।

नसीराबाद क्षेत्र में मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि से फसलें तबाह

तूफानी हवाओं से कई स्थानों पर पेड़ धराशायी हो गए, कई जगह विद्युत खंभे भी गिर गये

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद क्षेत्र में मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे मौसम ने अचानक रौद्र रूप धारण कर लिया। तेज आंधी, मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि ने पूरे इलाके में जमकर कहर बरपाया। तूफानी हवाओं के चलते कई स्थानों पर पेड़ धराशायी हो गए, वहीं जगह-जगह विद्युत खंभे उखड़कर गिर पड़े, जिससे क्षेत्र में जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया।

नसीराबाद क्षेत्र में आई तेज आंधी से कई जगह विद्युत पोल गिर गये।

- आंधी-बारिश और ओलों से कई ग्रामीण इलाकों में खेतों में खड़ी फसलें और कटकर पड़ी फसलें पूरी तरह भीग गई और ओलों से खराब हो गई
- कोटा चौराहे पर तेज हवा के झोंकों से एक केबिन की लोहे की चद्दर वाली छत उड़ गई और एक युवक पर जा गिरी

जानकारी के अनुसार तूफान का सबसे बड़ा असर कोटा चौराहे पर देखने को मिला, जहां तेज हवा के झोंकों से एक दुकान/केबिन की लोहे की चद्दर वाली छत उड़ गई और पास में खड़े एक युवक पर जा गिरी। युवक छत के नीचे दब गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य करते हुए युवक को बाहर निकाला और नसीराबाद राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार युवक का उपचार जारी है, फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है और जान का खतरा टल गया है। इस हादसे में दुकान को भी भारी नुकसान हुआ है।

उधर आंधी-बारिश और ओलों ने किसानों की मेहनत पर भी पानी फेर दिया। देरांठू, बामणिया बालाजी क्षेत्र, भटियाणी सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में खेतों में खड़ी फसलें और कटकर पड़ी फसलें पूरी तरह भीग गई और ओलों से खराब हो गई। किसानों का कहना है कि इस प्राकृतिक आपदा से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। इसी दौरान भटियाणी-भींडर मार्ग पर बामणिया बालाजी धाम के पास एक विद्युत खंभा टूटकर नीचे गिर गया, जिससे कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। अचानक आए इस तूफान ने पूरे क्षेत्र में भय और चिंता का माहौल बना दिया। प्रशासन की ओर से लोगों को सतर्क रहने, खुले स्थानों पर नहीं जाने और खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई है।

अनूपगढ़ में तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि, किसान चिंतित

अनूपगढ़, (निसं)। यहां मौसम ने अचानक करवट बदली। दिनभर की उमस और गर्मी के बाद दोपहर करीब 12:30 बजे आसमान में काले बादल छा गए और कुछ ही देर में तेज बरसात शुरू हो गई। इस बदलाव से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं किसानों की चिंताएं बढ़ गई है। चने के आकार के ओले गिरे। गांव 20 एलएम क्षेत्र में बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई। यहां चने के आकार के ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान की आशंका जताई जा रही है। इस समय गेहूं, सरसों और चने की फसलें कटाई के करीब है, ऐसे में ओले गिरने से फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों प्रभावित हो सकते हैं।

- तेज बारिश और हवाओं के कारण कई जगहों पर फसलें खेतों में गिर गई और जलभराव की स्थिति भी बन गई
- किसानों का कहना है कि अगर मौसम इसी तरह खराब बना रहा तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है

जानकारी के अनुसार गांव 20 एलएम क्षेत्र में बारिश के साथ चने के आकार के ओले गिरे, जिससे फसलों को नुकसान होने की संभावना है। तेज बारिश और हवाओं के कारण कई जगहों पर फसलें खेतों में गिर गई और जलभराव की स्थिति भी बन गई। किसानों का कहना है कि अगर मौसम इसी तरह खराब बना रहा तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से यह बदलाव आया है और अगले कुछ समय तक मौसम ऐसा ही बना रह सकता है। प्रशासन ने किसानों को सतर्क रहने और फसलों की सुरक्षा के उपाय अपनाने की सलाह दी है।

हनुमानगढ़ में पश्चिमी विक्षोभ से मौसम बदला

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव आया है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बादल छाए हुए हैं और कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। इससे तापमान में गिरावट आई है, लेकिन किसानों की चिंता बढ़ गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ का असर बुधवार तक बना रहेगा। पूर्वानुमान रिपोर्ट में बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। इसके अलावा 3 अप्रैल को गरज-चमक के साथ फिर से बारिश के आसार हैं, जबकि अन्य दिनों में आंशिक बादल छाए रहने की उम्मीद है। वहीं अधिकतम तापमान लगभग 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19-20 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। दिनभर बादल छाए रहने के कारण धूप कम रही और तेज हवाओं के चलते ठंडक महसूस की गई। रबी फसलों की कटाई के बीच मौसम के इस बदलाव ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जिले में गेहूं की फसल कटाई के लिए तैयार खड़ी है, वहीं सरसों की कटाई पहले से ही जारी है। कई किसानों ने सरसों की फसल काटकर खेतों में ढेर लगा रखे हैं। किसानों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहता है तो फसलों को भारी नुकसान हो सकता है। कटकर खेतों में पड़ी सरसों भीगने से खराब होने का खतरा है, जबकि तेज हवाओं के कारण खड़ी गेहूं की फसल गिरने की आशंका है।

उदयपुर में तलवार से हमला कर युवक की हत्या, आरोपी फरार

उदयपुर, (निसं)। जिले के पाटिया थाना क्षेत्र खेड़ा घाटी फला गमेती फला गांव रोड़ पर आपसी रंजिश के चलते हमलावर तलवार से हमला कर युवक की हत्या कर फरार हो गए। आक्रोषित ग्रामीणों ने मुआवजा दिलाने एवं आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े हुए हैं। मृतक का शव खेरवाड़ा चिकित्सालय मोर्चरी में पड़ा है।

- घटना के दूसरे दिन भी मृतक का पोस्टमार्टम नहीं हुआ
- परिजन मुआवजे एवं आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े

प्रकरण के अनुसार पाटिया थाना क्षैत्र खेड़ा घाटी फला गमेती फला निवासी निलेश उर्फ पप्पू (35) पुत्र लालजी गरासिया की गांव के ही अनिल, विपिन, जयदीपक, बद्री, हितेश व साथी तलवार से हमला कर हत्या कर फरार हो गए। निलेश अहमदाबाद में बिल्डिंग बनाने वाली कंस्ट्रक्शन कंपनी में मजदूरी करता था, जो चचेरे भाई की शादी में गांव आया था। सोमवार सांय वह गांव में ही शादी समारोह में शामिल होने गया था, जहां आरोपी भी मौजूद थे। रात में वापस घर लौट रहा था। इस दौरान बीच रास्ते मिले आरोपी तलवार से हमला कर फरार हो गए। हमले में घायल निलेश की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पाटिया थानाधिकारी देवेन्द्रसिंह राव मय टीम ने मौके पर पहुंच कर मृतक के शव को खेरवाड़ा चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। इधर घटना से आक्रोषित ग्रामीण मुआवजा देने एवं आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़ गए। जिससे क्षेत्र में तनाव हो गया। इस पर खेरवाड़ा, पहाड़ा पुलिस थाने से जाब्ता मंगवाकर तैनात किया है। घटना के दूसरे दिन दोनों पक्षों की हुई पंचायत में निर्णय नहीं होने से मौके पर जाब्ता तैनात है। बुधवार को वार्ता होने के बाद पोस्टमार्टम हो पाएगा। प्रारंभिक अनुसंधान में पता चला है कि पांच वर्ष पूर्व निलेश व आरोपियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। उसकी रंजिश के चलते हत्या करने की जानकारी सामने आई है।

दो बाइकों की टक्कर में एक युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के सदर थाना क्षेत्र में नवाघरा रोड पर सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक ने दूसरी बाइक को टक्कर मार दी थी। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है।

सदर थाने के हैड कॉन्स्टेबल के अनुसार गरदूना निवासी कमलाशंकर ननोमा ने इस संबंध में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई मुकेश ननोमा शिशोद से अपने घर लौट रहा था। नवाघरा स्कूल के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने मुकेश की बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में मुकेश गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत शिशोद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद मुकेश को डूंगरपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस और परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

- पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवा परिजनों को सौंपा

फतेहपुर में युवक की टॉवर से गिरने से मौत

फतेहपुर, (निसं)। इलाके के सदर थाना क्षेत्र के शेखीवास गांव में एक युवक की टॉवर से गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

सदर थाना प्रभारी सुरेन्द्र देगड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक युवक पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। उसका मनोरोग संबंधी उपचार भी जारी था और परिजन के अनुसार वह बीते कई दिनों से दवाइयां ले रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक किसी कारणवश टॉवर पर चढ़ गया। वहां से गिरने के कारण उसे मौके पर ही गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही उसे तत्काल फतेहपुर के धानुका उप जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने इस संबंध में मर्ग दर्ज कर लिया है और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कारणों का पता लगाया जा रहा है।

- युवक कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था

14 साल से फरार इनामी आरोपी को पकड़ा

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना पुलिस ने 14 साल से फरार एक इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी विनोदसिंह राठौड़ को उदयपुर में पकड़ा गया,जहां वह अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था।

धंबोला थानाधिकारी ने बताया कि विनोदसिंह राठौड़ जो धरियावाद, प्रतापगढ़ का निवासी है, उदयपुर के पंचवटी क्षेत्र में एक सहकारी उपभोक्ता भंडार में काम कर रहा था। पुलिस ने ग्राहक बनकर उसे गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार यह मामला वर्ष-2014 का है। पीड़िता ने अपने पति और ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज मांगने और मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था। शिकायत में बताया कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा दहेज की मांग को लेकर पीड़िता को लगातार परेशान किया जाता था। उसे कई बार घर से भी निकाल दिया गया था।

आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के तीन लोग झुलसे

घायलों को घडसाना के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बीकानेर रेफर किया

अनूपगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर में अनूपगढ़ के गांव 20 एलएम में मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के तीन लोग झुलस गए। इनमें डेढ वर्षीय सन्नी, ढाई वर्षीय इशांत और उनकी 15 वर्षीय मौसी लक्ष्मी शामिल हैं। तीनों घायलों को घडसाना के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बीकानेर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।विद्युत पोल पर गिरी थी बिजली

- आकाशीय बिजली का करंट विद्युत तारों से होते हुए लगभग 500 मीटर की दूरी पर बनी सात ढाणियों में फैल गया था

जानकारी के अनुसार गांव 20 एलएम के पास खेत में खड़े एक विद्युत पोल पर आकाशीय बिजली गिरी। इसके बाद आकाशीय बिजली का करंट विद्युत तारों से होते हुए लगभग 500 मीटर की दूरी पर बनी सात ढाणियों में फैल गया। जिस ढाणी में यह हादसा हुआ, वहां बच्चे अपनी मौसी के साथ आंगन में कमरे के दरवाजे के पास खेल रहे थे। लोहे के दरवाजे में करंट आने से तीनों झुलस गए। घायल बच्चों के चाचा मक्खन राम ने बताया कि उनके बड़े भाई सुरेंद्र ईंट-भट्ठे पर मजदूरी करते हैं। घटना के समय सुरेंद्र काम पर गए हुए थे। घर पर उनके दो बेटे सन्नी और इशांत, चार वर्षीय बेटी संध्या, उनकी मौसी लक्ष्मी और सुरेंद्र की पत्नी मौजूद थी, जो हादसे का शिकार हो गई।

गंगापुर सिटी में हल्की बूंदाबांदी हुई

गंगापुर सिटी, (निसं)। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में अचानक बदलाव आया है। सोमवार शाम को हल्की बूंदाबांदी हुई, जिसके बाद मंगलवार सुबह भी आसमान में बादल छाए रहे। इस बदलाव से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार सोमवार शाम करीब 5.30 बजे से बादल छाने शुरू हुए और लगभग 6.30 बजे हल्की बूंदाबांदी हुई। मंगलवार सुबह कुछ देर बाद मौसम साफ हो गया, लेकिन हवा में ठंडक बनी रही। इस बारिश से आमजन को गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। क्षेत्र में गेहूं की फसल पक चुकी है और कई स्थानों पर कटाई जारी है। वहीं, सरसों और चने की कटी हुई फसलें खेतों में पड़ी है। सोमवार शाम की बूंदाबांदी से ये कटी फसलें भीग गई, जिससे उनके खराब होने की आशंका बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में और बारिश या तेज आंधी आती है, तो फसलों को भारी नुकसान हो सकता है। खेतों में खड़ी सौंफ की फसल के लिए भी यह मौसम अनुकूल नहीं माना जा रहा है, क्योंकि नमी बढ़ने से उसकी गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, यदि मौसम पूरी तरह साफ नहीं होता और बारिश के साथ तेज हवाएं चलती है, तो किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। भीगने से गेहूं सहित अन्य फसलों के दानों की चमक फीकी पड़ सकती है, जिससे मंडियों में उचित दाम मिलने में परेशानी आ सकती है। फिलहाल किसान मौसम पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और जल्द साफ मौसम की उम्मीद कर रहे हैं।

- चूरू जिले में ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलों को काफी नुकसान हुआ है, जिससे किसानों को निराशा हाथ लगा

चूरू में गिरे बेर के आकार के ओले

चूरू, (निसं)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती कस्बे रतननगर व ग्राम ढ़ाणी लाल सिंह पुरा सहित आसपास के कई गांवों में मंगलवार दोपहर बाद लगभग पांच मिनट तक ओले गिरे। तेज बारिश के बाद आए अंधड़ के साथ बेर के आकार के ओले गिरे। ओले गिरने से एक बारगी वाहनों के पहिए थम गए। ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलों को काफी नुकसान हुआ है, जिससे किसानों को निराशा हाथ लगी।

गांजा तस्करी मामले में एक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। अवैध गांजा तस्करी मामले में एक वर्ष से फरार आरोपी को सायरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपालस्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक गोपाल चंदेल के सुपरविजन में सायरा थानाधिकारी कानाराम के नतृत्व में गठित दल ने गोगुन्दा थोन के प्रकरण में अवैध गांजा तस्करी मामले में फरार आरोपी गोपाल पुत्र अमरा निवासी नाईयों का गुडा गोगुन्दा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि डेढ वर्ष पूर्व जोगीवड़ कोटडा से अवैध गांजा लेकर गोगुन्दा जा रहा था। पुलिस के आने की सूचना मिलने पर एनएच 27 डोली होटल से आगे एक निर्माणाधीन इमारत के पास झाड़ियों में 7.656 किलोग्राम गांजा छिपा दिया था। इस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया था।

दोहरे हत्याकांड के दो आरोपी गिरफ्तार, बाइक जब्त

उदयपुर, (निसं)। बाघपुरा थाना पुलिस ने दोहरे हत्याकांड मामले में फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बाइक जब्त की है। वहीं पुलिस ने पूर्व में कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था।

- मामले में पूर्व में सात आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं तथा विधी से संघर्षरत तीन बाल अपचारी को डिटेन किया गया था

प्रकरण के अनुसार 14 मार्च को पीड़ित आशीष पुत्र माधु निवासी चौखड़ी बाघपुरा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 13 मार्च को मुझे मेरी पत्नी अनीता के घर सैलाणा जाना था। मैं व मेरे भुआ के लड़के भैरूलाल व दोस्त सुखलाल उर्फ सुरेश तीनों बाइक पर सेलाणा के लिए निकले। रात में सेलाणा घाटी फला स्कूल के समीत सामने से आए 6-7 बाइक पर 10-12 व्यक्ति जिनमें हरीश, हिमांशु, लक्ष्मण, पंकु उर्फ प्रकाश, मनीष, करण, जितु उर्फ जितेन्द्र, प्रभूलाल व अन्य व्यक्ति शराब के नशे में थे, जिन्होंने रोक कर साइड में चलने की बात को लेकर एजरात किया, जिससे विवाद होने पर मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान प्रभु ने अपने हाथ में रखी बीयर की बोतल फोड़कर भैरूलाल के पेट में मार दी तथा मुझ व सुखलाल उर्फ सुरेश पर तलवार से हमला कर फरार हो गए। बचाव में आए सुमित पर भी आरोपी हमला कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर आई पुलिस की गाड़ी ने सभी को चिकित्सालय पहुंचाया। जहां भैरूलाल की मौत हो गई। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर बाघपुरा थानाधिकारी वेलाराम के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए दिनेश पुत्र धन्ना निवासी पालिया खेड़ा बाघपुरा, पुष्कर उर्फ टक्कर पुत्र मांगीलाल निवासी सेलाण निचलाफला बाघपुरा को गिरफ्तार किया। इस मामले में पूर्व में सात आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं तथा विधी से संघर्षरत तीन बाल अपचारी डिटेन हो चुके हैं।

पिस्टल सहित युवक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर की लूणी पुलिस ने फींच गांव में एक संदिग्ध युवक को पकड़ उसके पास से देशी पिस्टल मय मैंगजीन को बरामद किया। आरोपी के खिलाफ ऑर्म्स एक्ट में केस बनाया गया। उससे अब हथियार के संबंध में पूछताछ जारी है। लूणी थाने हैड कांस्टेबल गणपतलाल सायंकालीन गश्त पर थे। तब फींच में संदिग्ध युवक नजर आने पर उसकी तलाशी ली गई। युवक के पास में देशी पिस्टल और मैंगजीन मिली। इस पर युवक आथुणी की ढाणी जोलियाली झंवर निवासी राकेश पुत्र थानाराम को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं भगत की कोठी पुलिस थाने के एसआई गिरधारीलाल ने पीली टंकी भगत की कोठी क्षेत्र में एक स्थान पर रेड देकर अवैध रूप से चल रहे हुक्काबार को पकड़ा। संचालक खेतसागर जेग्रनिया निवासी कैलाश के खिलाफ केस दर्ज किया गया।

- आरोपी से पुलिस हथियार के संबंध में पूछताछ कर रही है

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक (विज्ञान, वाणिज्य ,कला वर्ग व वरिष्ठ उपाध्याय) परीक्षा 2026 की उत्तर-पुस्तिकाओं की संवीक्षा एवं उत्तर-पुस्तिकाओं की स्कैन फोटो प्रति ऑनलाईन प्राप्त करने हेतु परीक्षार्थियों के सूचनार्थ

उच्च माध्यमिक (विज्ञान, वाणिज्य ,कला वर्ग व वरिष्ठ उपाध्याय) परीक्षा 2026 का परिणाम दिनांक 31.03.2026 को घोषित किया गया है। संवीक्षा एवं उत्तर–पुस्तिका की स्कैन फोटो प्रति प्राप्त करने हेतु बिना विलम्ब शुल्क दिनांक 07.04.2026 एवं विलम्ब शुल्क सहित दिनांक 10.04.2026 तक ई–मित्र पर अथवा स्वंय के स्तर पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। विस्तृत जानकारी, नियम, निर्देश, शर्ते व आवेदन पत्र प्रारुप/प्रकिया आदि बोर्ड वेबसाईट www.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर एवं दिनांक 31.03.2026 को अपलोड की गई विज्ञप्ति में देखे।

सचिव

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा-2026 की उत्तर-पुस्तिकाओं की संवीक्षा एवं उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन प्रति ऑनलाईन प्राप्त करने हेतु व परीक्षार्थियों के सूचनार्थ

उच्च माध्यमिक परीक्षा–2026 में प्रविष्ठ हुए सभी परीक्षार्थी, परीक्षा परिणाम घोषणा तिथि से 07 दिवस में एवं उसके पश्चात् आगामी 03 दिवस में विलम्ब शुल्क से उत्तर पुस्तिका की संवीक्षा कराने एवं संवीक्षा उपरान्त स्कैन प्रति प्राप्त करने हेतु बोर्ड वेबसाईट www.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर SCRUTINY-2026 लिंक पर नियत तिथि तक (स्वप्रमाणित आई.डी. अपलोड कर) ई– मित्र अथवा अभ्यर्थी स्वंय के स्तर से बोर्ड वेबसाईट पर सीधे ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। सीधे आवेदन करने पर शुल्क नेट बैंकिंग/डेबिट/क्रेडिट कार्ड से तथा ई–मित्र से आवेदन करने पर शुल्क (सेवा शुल्क सहित) ई–मित्र पर जमा कराना होगा। विस्तृत जानकारी बोर्ड वेबसाईट से ली जा सकती है। **राजस्थान माध्यमिक शिक्षा अधिनियम 1957 के तहत बने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा विनियम 1957 के अध्याय 16 नियम (13) (5) के प्रावधान अनुसार संवीक्षा में उत्तर–पुस्तिकाओं के पुनःजांच (Re-Examination) करना समाविष्ट नहीं है।** संवीक्षा के अंतर्गत उत्तर पुस्तिका में प्रदत्त अंकों के योग में भिन्नता, अन्दर–बाहर (केंजिग) में भिन्नता, योग में त्रुटि, किसी प्रश्न में अंक नहीं दिये गये हों, उत्तर पुस्तिका/अंकतालिका में प्रदत्त अंकों में भिन्नता आदि त्रुटियों का निवारण करने की दृष्टि से की जाती है। अन्तिम तिथि तक प्राप्त सभी आवेदनों को कमबद्ध/पंजीकरण कर SMS द्वारा परीक्षार्थी के प्रार्थना–पत्र में अंकित मोबाईल नं. पर पंजीकरण संख्या एवं आवेदित विषयों की सूचना अन्तिम दिनांक के पश्चात् दी जावेगी। संवीक्षा की नियत प्रकिया पूर्ण कर प्रतिदिन निस्तारित प्रकरणों का परिणाम/आवेदित विषय की उत्तर–पुस्तिका वेबसाईट पर दिये लिंक पर अपलोड कर आवेदित मोबाईल नं. पर SMS द्वारा 'Password' उपलब्ध करवाया जावेगा। **परीक्षार्थी अपनी उत्तर–पुस्तिका ऑनलाईन देखकर डाउनलोड/प्रिन्ट कर सकेगें। ऑनलाईन आवेदन पत्र में परीक्षार्थी अपना स्वयं का सही मोबाईल नम्बर व ई–मेल अंकित करें। मोबाईल नं. व ई–मेल गलत अंकित करने पर परीक्षार्थी स्वयं जिम्मेदार रहेगा। एक मोबाईल नम्बर व ई–मेल को एक बार ही प्रयुक्त किया जा सकेगा। ई–मित्र कियोस्क धारक का मोबाईल नम्बर/ ई–मेल दर्ज करना अनुचित एवं नियम विरूद्ध माना जावेगा।** सभी विषयों में संवीक्षा परिणाम का संदेश प्राप्त होने की तिथि से निर्धारित 05 दिवस की अवधि में उ0पु0 का अवलोकन कर यदि कोई आपत्ति हो तो निकटतम ई–मित्र द्वारा अथवा सीधे आवेदन–पत्र भरकर/प्रमाण संलग्न कर निर्धारित शुल्क रू. 100/– प्रति विषय के साथ में ऑनलाईन आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। ऑफलाईन आवेदन स्वीकार्य नहीं होगें।

नोटः 1. विस्तृत जानकारी, नियम, निर्देश, शर्तें आवेदन पत्र प्रारूप/प्रक्रिया आदि बोर्ड वेबसाईट पर उपलब्ध है। 2. समस्त परीक्षाओं के परिणाम घोषणा दिवस से उक्त निर्धारित समयावधि में आवेदन किया जा सकता है। 3. निर्धारित तिथि के बाद व डाक से प्राप्त आवेदन–पत्र व आपत्ति स्वीकार्य नहीं होंगी। 4. किसी भी प्रकार की जानकारी/आवेदक अपने संवीक्षा की वर्तमान STATUS की जानकारी बोर्ड वेबसाईट पर 'SCRUTINY-2026' लिंक पर प्राप्त की जा सकती है। 5. एक परीक्षार्थी को आवेदन हेतु एक ही अवसर देय होगा। अतः एक बार ही आवेदन में वांछित सभी विषय (सैद्धान्तिक/प्रायोगिक) अंकित करें। 6. संवीक्षा/आपत्ति में अंकों में कमी अथवा वृद्धि के उपरान्त परिणाम/अंकों में संशोधन होगा तदनुसार परिणाम/संशोधित अंक प्रभावी होगे एवं उसी अनुरुप संशोधित अंकतालिका जारी की जायेगी। 7. संवीक्षा उपरान्त आवेदित विषय/विषयों में अंक परिवर्तन होने अथवा नहीं होने की किसी भी स्थिति में संवीक्षा प्रक्रिया शुल्क लौटाया नहीं जायेगा।

सचिव

अंतिम संस्कार के दौरान मधुमक्खियों का हमला, 50 से अधिक लोग घायल

तीन लोगों की स्थिति गंभीर होने से प्राथमिक उपचार के बाद बानसूर रेफर किया

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के बानसूर उपखंड स्थित रामपुर गांव में मंगलवार को एक बुजुर्ग के अंतिम संस्कार के दौरान अचानक हजारों मधुमक्खियों ने लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में करीब 50 से अधिक लोग घायल हो गए, जिससे शमशान घाट पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।

- कई ग्रामीणों ने पास के खेतों में छिपकर तो कुछ ने दौड़कर नजदीकी घरों में शरण लेकर खुद को बचाया

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रामपुर गांव में ग्रामीण रीति-रिवाजों के साथ अंतिम संस्कार की प्रक्रिया चल रही थी। बड़ी संख्या में ग्रामीण और रिश्तेदार दिवंगत को अंतिम विदाई देने के लिए शमशान घाट पर एकत्र हुए थे। इसी दौरान, पास के एक पेड़ पर लगे मधुमक्खियों के बड़े छत्ते में अज्ञात कारणों से हलचल हुई और देखते ही देखते हजारों मधुमक्खियों का झुंड लोगों पर टूट पड़ा। जैसे ही मधुमक्खियों ने हमला किया, वहां मौजूद बुजुर्ग, युवा और बच्चे अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। इस दौरान लोग धुएं और कपड़ों का सहारा लेने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन मधुमक्खियों के झुंड ने उन्हें संभलने का मौका नहीं दिया। कई ग्रामीणों ने पास के खेतों में छिपकर तो कुछ ने दौड़कर नजदीकी घरों में शरण लेकर खुद को बचाया।

घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए निजी वाहनों और एंबुलेंस की मदद से घायलों को तुरंत रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सीएचसी में तैनात चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ ने घायलों का उपचार शुरू किया। अधिकांश लोगों के चेहरे, हाथ और सिर पर मधुमक्खियों के डंक के निशान थे। घायलों में से 3 लोगों की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत बानसूर उप जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में सभी घायलों की स्थिति स्थिर है और डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है।

हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अस्पताल में घायलों के परिजनों की भारी भीड़ जमा हो गई। अंतिम संस्कार जैसी शांत और शोकमय घड़ी में इस तरह की घटना ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है। फिलहाल सभी घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराया जा रहा है। इस घटना के बाद से रामपुर और आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सार्वजनिक स्थानों और शमशान घाटों के आसपास लगे खतरनाक छत्तों को सुरक्षित रूप से हटवाया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

डॉक्टर के घर से 50 लाख रु. चुराने वाले शातिर नौकर-नौकरानी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 33 लाख रुपए नकद बरामद किए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सांगानेर सदर पुलिस ने रिंग रोड परियोजना क्षेत्र स्थित एक डॉक्टर के घर हुई 50 लाख रुपए की चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए घर के ही नौकर और नौकरानी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 33 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि 26 मार्च 2026 को परिवादी डॉ. प्रभाकर सेठी (78) निवासी खेड़ी गोपालपुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 22 फरवरी को उन्होंने अपनी पोती की ट्यूशन फीस के लिए 50 लाख रुपए नकद घर के किचन में सुरक्षित स्थान पर छिपाकर रखे थे।

इसके बाद 24 फरवरी को घर में चोरी का प्रयास हुआ। जबकि 25 फरवरी को सीसीटीवी कैमरों की सर्विसिंग हुई। इसी दौरान घर के कर्मचारी सुमित खेतान और सीमा सैनी को कैमरों की पूरी जानकारी हो गई। गत 19 मार्च की रात संदिग्ध परिस्थितियों में घर के पालतू कुत्ते की मौत हो गई। इसके बाद जब किचन में रखी रकम की जांच की गई तो पूरी नकदी गायब मिली।

सांगानेर सदर पुलिस ने रिंग रोड परियोजना क्षेत्र स्थित एक डॉक्टर के घर हुई 50 लाख रुपए की चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए घर के ही नौकर और नौकरानी को गिरफ्तार किया।

- डॉ. प्रभाकर सेठी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उन्होंने पोती की ट्यूशन फीस के लिए 50 लाख रुपए नकद किचन में सुरक्षित स्थान पर छिपाकर थे, जिसे चुराया गया

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और संदिग्ध नौकर सुमित खेतान एवं नौकरानी सीमा सैनी से पूछताछ की। पूछताछ में वारदात स्वीकार करने के बाद सुमित खेतान (38) और सीमा सैनी (34) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों से 33 लाख रुपए नकद बरामद कर लिए हैं। शेष राशि की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

जांच में सामने आया कि जब परिवादी रकम छिपा रहे थे। तब सुमित ने चोरी-छिपे यह देख लिया था। बाद में उसने सीसीटीवी फुटेज देखकर पूरी जानकारी जुटाई और किचन के कैमरे का वायर हटा दिया।

इसके बाद महिला कर्मचारी सीमा सैनी को भी योजना में शामिल कर दोनों ने मिलकर नकदी चुरा ली और सामान्य तरीके से घर में काम करते रहे ताकि किसी को शक न हो। पुलिस टीम का गठन अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त के निर्देशन में किया गया था। जिसमें सांगानेर सदर थाना पुलिस की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

15वें वित्त आयोग से बीते चार माह में राजस्थान को 2700 करोड़ रुपये मिले

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के तहत प्रदेश को अधिक से अधिक राशि जारी किए जाने के लिए विशेष प्रयास किए। जिसके परिणाम स्वरूप केंद्र सरकार ने 15वें वित्त आयोग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं पीएम अभीम (प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन) के तहत रिकॉर्ड राशि राज्य को जारी की गई है।

15वें वित्त आयोग के तहत राजस्थान को विगत 5 वर्ष में करीब 4300 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है, जिसमें से लगभग 2700 करोड़ की राशि विगत 4 माह में मुख्यमंत्री के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप जारी हुई है। इसी प्रकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत वर्ष 2025-26 में लगभग 2383 करोड़ के मुकाबले केंद्र सरकार ने करीब 2398 करोड़ की राशि राजस्थान को जारी की है, जो स्वीकृत राशि का 100.61 प्रतिशत है। वहीं, पीएम अभीम के तहत भी सर्वाधिक राशि 243 करोड़ रुपये राजस्थान को मिली है। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी विजन में राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के विस्तार, डायग्नोस्टिक सुविधाओं के विकास की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

करतारपुरा में रेलवे की अवैध लॉन्ड्री के खिलाफ स्थानीय लोगों का आक्रोश फूटा

लॉन्ड्री के प्रदूषण से परेशान लोग आर-पार की लडाई के मूड में उतरे

जयपुर (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे ने जयपुर नगर निगम के करतारपुरा क्षेत्र, वार्ड सं. 144 में रेलवे लाइन के किनारे व सरकारी स्कूल के सामने रिहायशी कॉलोनी में अवैध बूट लॉन्ड्री की फैक्ट्रियां लगा रखी हैं, जिनसे स्थानीय जनता विशेषकर वृद्धों, महिलाओं एवं बच्चों को स्वास्थ्य एवं श्वास संबंधी काफी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

- बीते कई वर्षों से केंद्र-राज्य सरकार को शिकायत कर रहे लोग, परंतु नहीं हुआ समाधान
- स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को लॉन्ड्री के धुएं से हो रही अत्यधिक परेशानी, फिर भी जिम्मेदार मौन साधे बैठे

रिहायशी इलाके में रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बगैर भू-रूपान्तरण कराये बूट लॉन्ड्री की फैक्ट्रियां लगा रखी हैं। ये लॉन्ड्री रिहायशी इलाके में होने पर भी नियमविरुद्ध प्रतिदिन निरन्तर 24 घंटे चलती हैं। इसकी चिमनी से आसपास की कॉलोनियों में रोजाना काफी जहरीला धुआं, मशीनों से रसायनयुक्त पानी और वायु व ध्वनि प्रदूषण फैलता है। इससे स्थानीय निवासी अत्यधिक परेशान है। इस बूट लॉन्ड्री के बिल्कुल सामने महज 15 मीटर की दूरी पर ही राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय करतारपुरा स्थित है, जिसमें पढ़ने वाले बच्चे रोजाना प्रदूषित वायु एवं फैक्ट्री के शोर से काफी परेशान हैं एवं बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बताया जा रहा है कि लॉन्ड्री में अवैध रूप से बॉयलर भी लगा रखा है जो कि नियमानुसार आवासीय क्षेत्र में नहीं लग सकता है। अब नई 2 यूनिटों में भी अवैध रूप से 2 बॉयलर स्थापित किये गये हैं।

लॉन्ड्री की फैक्ट्रियों में नियमानुसार वाटर ट्रीटमेन्ट प्लांट का प्रावधान आवश्यक है, लेकिन इस लॉन्ड्री में शुरुआत से ही केवल ढांचा बना हुआ है इसको संचालित नहीं किया जा रहा है। ट्रीटमेंट प्लांट सुचारू नहीं होने से रसायनयुक्त गन्दा पानी करतारपुरा नाले (द्रव्यवती नदी की सहायक) में डालकर जल प्रदूषण भी किया जा रहा है। लॉन्ड्री की नई 2 यूनिटों में तो वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का ढांचा भी नहीं बनाया गया है, इसके बावजूद फैक्ट्री एवं बॉयलर विभाग इनको बॉयलर लगाने के लिए अनापत्ति दे रहा है।

जयपुर के मास्टर प्लान में अभी भी इस लॉन्ड्री की भूमि को रिहायशी ही दिखाया जा रहा है। लेकिन फिर भी जयपुर विद्युत वितरण निगम द्वारा फैक्ट्रियों के लिए अवैध रूप से नियमों के परे जाकर मिलीभगत से अवैध लॉन्ड्री को व्यवसायिक विद्युत कनेक्शन दिए गए है। राजस्थान राज्य प्रदूषण मंडल को कई वर्षों से लॉन्ड्री की फैक्ट्रियों के प्रदूषण से परेशान स्थानीय निवासी शिकायत कर रहे हैं लेकिन उनके द्वारा भी महज कागजी खानापूर्ति करके कोई उचित कार्यवाही नहीं की जा रही है। उस फैक्ट्री के कारण दुर्गापुरा से बाईस गोदाम जाने वाली मुख्य सड़क पर आए दिन जाम लगते रहते हैं। फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर रात के समय झगड़ा फसाद करके शोर, अराजकता का माहौल बनाए रखते हैं जिससे स्थानीय निवासियों में तनाव बना रहता है। इस अवैध लॉन्ड्री से परेशान स्थानीय निवासी कई वर्षों से केन्द्र सरकार, रेलवे, प्रदूषण बोर्ड, मुख्यमंत्री कार्यालय और राज्य सरकार को शिकायत कर रहे हैं, परन्तु अभी तक किसी के द्वारा भी कार्यवाही नहीं की गई। इन तमाम समस्याओं से परेशान होकर न्याय की आस में लगभग 200 स्थानीय निवासियों ने करतारपुरा विकास समिति के अध्यक्ष कमल किशोर सैनी, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा, सचिव एडवोकेट सत्यनारायण जांगिड़, सलाहकार एडवोकेट दिनेश शर्मा, महामंत्री राजेश शर्मा, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, संगठन मंत्री प्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया एवं लॉन्ड्री के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या की

- सुसाइड नोट व वीडियो के आधार पर पत्नी व ससुराल पक्ष पर मामला दर्ज

जयपुर । रामनगरिया थाना क्षेत्र में एक युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि पत्नी के लगातार दूरी बनाने से परेशान होकर युवक ने अपनी शादी की सालगिरह के अगले दिन यह कदम उठाया। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट और मोबाइल में सुसाइड वीडियो भी मिला है।

पुलिस के अनुसार दौसा के बसवा निवासी शाहबाज खान (27) ने 28 फरवरी को जगतपुरा स्थित सीबीआई फाटक के पास ट्रेन के आगे छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। वह रेवाड़ी-मानसेर में एक निजी कंपनी में कार्यरत था। 27 फरवरी 2023 को उसकी शादी दौसा निवासी कशिश (25) से हुई थी। दंपती की दो वर्षीय बेटी भी है।

परिजनों के अनुसार, शादी के बाद से ही पत्नी कशिश अक्सर विवाद कर पीहर चली जाती थी और वापस आने से इनकार करती थी। आरोप है कि वह अपनी मर्जी से घूमने-फिरने जाती और पैसों की मांग करती थी, जिसे शाहबाज पूरा करता रहा। मृतक के भाई शाहिद खान ने रिपोर्ट में बताया कि दिसंबर 2025 में साले की शादी में शाहबाज से करीब डेढ़ लाख रुपए खर्च करवाए गए। इसके बाद भी ससुराल पक्ष द्वारा उसके साथ मारपीट की गई। पत्नी के कहने पर शाहबाज ने रेवाड़ी की नौकरी छोड़ दी और फरवरी 2026 में जयपुर के भांकरोटा क्षेत्र के जयसिंहपुरा में किराए का मकान लेकर नई नौकरी शुरू की, लेकिन इसके बावजूद पत्नी साथ नहीं आई। 27 फरवरी 2026 को शादी की तीसरी सालगिरह पर भी पत्नी ने कॉल और मैसेज का जवाब नहीं दिया। परेशान होकर शाहबाज ने उसे लगातार मैसेज कर बात करने की गुहार लगाई। अगले दिन 28 फरवरी की सुबह वह बाइक लेकर घर से निकला और जगतपुरा रेलवे स्टेशन की पार्किंग में बाइक खड़ी कर सीबीआई फाटक के पास ट्रेन के आगे कूद गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कमरे की तलाशी में सुसाइड नोट मिला, जिसमें उसने लिखा- मेरी जिंदगी के कुछ पल मेरी बेटी फातिका को बता देना। मोबाइल में पत्नी को भेजे गए कई संदेश और रोते हुए बनाया गया वीडियो भी मिला है, जिसमें वह ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना के आरोप लगाता दिख रहा है। पुलिस ने मृतक के भाई की रिपोर्ट पर पत्नी कशिश, सास तसलीम, साले बिलाल, शाहदाब उर्फ राहुल और जिसान के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुकेश मीणा चौथी बार प्रेस क्लब के अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर । पिंकसिटी प्रेस क्लब प्रबन्ध कार्यकारिणी 2026-27 के लिए मुकेश मीणा अध्यक्ष और राजकुमार शर्मा "जकड़ी" महासचिव निर्वाचित हुए है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिल शेखावत ने बताया कि अध्यक्ष पद पर मुकेश मीणा को 369, रोहित कुमार सोनी को 317, रूपेश टिंकर को 194 और अभय जोशी को 127 मत मिले है। महासचिव पद पर राजकुमार शर्मा जकड़ी को 430, रामेन्द्र सोलंकी को 392, परमेश्वर प्रसाद शर्मा को 112 एवं अभय सिंह को 42 मत मिले है।

उपाध्यक्ष के दो पदों पर डॉ. मोनिका शर्मा और पुष्पेन्द्र सिंह राजावत निर्वाचित घोषित किए गए है। इस पद पर डॉ. मोनिका शर्मा को 416 और पुष्पेंद्र सिंह राजावत को 399 मत मिले है। उन्होंने बताया कि कोषाध्यक्ष पद पर नमोनारायण अवस्थी ने 447 मत प्राप्त कर सफलता हासिल की है। इस पद पर अनिल त्रिवेदी को 365, और शालिनी श्रीवास्तव को 166 मत मिले है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी शेखावत ने बताया कि कार्यकारिणी के दस पदों पर अनिता शर्मा, मतीष पारीक, निखलेश शर्मा, छगन लाल शर्मा, विकास आर्य, ज्ञानेन्द्र मिश्रा, महंत संतोष कुमार शर्मा, मुकेश शर्मा, उमंग माथुर, धूलीलाल मीणा (डीसी) निर्वाचित घोषित किए गए है।

रिटायर्ड कांस्टेबलों का सम्मान किया

जयपुर । पुलिस मुख्यालय में मंगलवार को एक अलग ही नजारा देखने को मिला। जब दो कांस्टेबल अपनी पूरी सेवा एक ही पद पर समर्पित कर सेवानिवृत्त हुए तो स्वयं महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने संवेदनशीलता की नई मिसाल पेश करते हुए अवकाश के बावजूद उन्हें अपने कक्ष में आमंत्रित कर सम्मानित किया। पुलिस सेवा में समर्पण और निष्ठा का भावुक दृश्य देखने को मिला। जब जयपुर आयुक्तालय में तैनात नंदकिशोर मीणा कांस्टेबल और कैलाश चन्द कांस्टेबल की सेवानिवृत्ति पर डीजीपी ने स्मृति चिन्ह और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सार-समाचार

जयपुर सहित 11 शहरों में बारिश

जयपुर । राजस्थान में मंगलवार को जयपुर सहित करीब 11 शहरों में बारिश हुई । बारिश के साथ ओले गिरे। जोधपुर, अजमेर, चूरू, सीकर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ में ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान हुआ। इस समय गेहूं, सरसों और चने की फसलें कटाई के करीब है। वहीं श्रीगंगानगर में बिजली गिरने से मौसी समेत दो बच्चे झुलस गए। उनको बीकानेर के हायर सेंटर रेफर किया है। प्रदेश में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर अप्रैल के पहले सप्ताह में भी रहेगा। इससे पहले सोमवार (30 मार्च) को इस सिस्टम का सबसे अधिक प्रभाव रहा। कोटा, नागौर, डीडवाना-कुचामन में ओले गिरने से फसलों को नुकसान हुआ है। मौसम के इस बदलाव से दिन के तापमान में 6 डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई। श्रीगंगानगर में मंगलवार को मौसम बदला और बारिश-ओलावृष्टि हुई। वहीं, नागौर, डीडवाना-कुचामन जिलों में देर रात हुई बरसात और ओले गिरने से कटने के लिए तैयार फसल खराब हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि नागौर के धनारी कलां, ढेहरू, डेगाना के सांजू, चुई ओले गिरे हैं। वहीं, डीडवाना-कुचामन जिले के मकराना क्षेत्र में मनाना, गच्छीपुरा क्षेत्रों में ओले-बारिश से नुकसान हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि आगामी सप्ताह में बैक टू बैक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे। पिछले 24 घंटों में राज्य के कुछ भागों में आंधी-बारिश दर्ज की गई है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया मजदूर

जयपुर । मानसरोवर की पत्रकार कॉलोनी स्थित खरबास सर्कल के पास एक निर्माणाधीन चार मंजिला कॉम्प्लेक्स में काम कर रहे मजदूर के हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे के दौरान हुए जोरदार धमाके से आसपास का क्षेत्र दहल उठा और शहर के एक बड़े हिस्से की बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हो गई। जानकारी के अनुसार, बिहार के नालंदा निवासी मजदूर रामनाथ मंगलवार सुबह करीब 10:49 बजे चौथी मंजिल पर लिफ्ट के अटके हुए तार को खींच रहा था। इसी दौरान तार उछल कर ऊपर से गुजर रही 132 केवी सांगानेर-मानसरोवर हाईटेंशन लाइन के इंडक्शन जोन में आ गया। पलक झपकते ही तेज शॉर्ट सर्किट हुआ और मजदूर आग की लपटों में घिर गया। चश्मदीदों के अनुसार धमाका इतना तेज था कि ऐसा लगा जैसे एक साथ कई गैस सिलेंडर फट गए हो। आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग और मजदूर घबरा कर जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से झुलसे रामनाथ को साथी मजदूरों ने संभाला। जबकि आरोप है कि ठेकेदार मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि करीब 50 प्रतिशत से अधिक झुलसे मजदूर को पहले एसएमएस अस्पताल ले जाया गया, लेकिन कानूनी प्रक्रिया के डर से उसे वहां भर्ती नहीं कराया गया। बाद में उसे मानसरोवर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

क्रिकेट ग्राउंड में बीयर पार्टी पर छापा

जयपुर । भांकरोटा थाना पुलिस ने देर रात क्रिकेट ग्राउंड में चल रही बीयर पार्टी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब बेचते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मौके से विभिन्न ब्रांड की 140 बीयर कैन/बोतल जब्त की गई हैं। वहीं पार्टी में शामिल 17 लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। जयपुर पुलिस उपायुक्त पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि पुलिस आयुक्तालय जयपुर द्वारा अवैध शराब की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) के सुपरविजन और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस आयुक्त बगरू के नेतृत्व में भांकरोटा थाना पुलिस की टीम गठित की गई थी। पुलिस को सूचना मिली कि पाटीवालों की ढाणी स्थित क्रिकेट ग्राउंड के पास कुछ लोग देर रात मैच के दौरान बीयर पार्टी कर रहे हैं और अवैध रूप से शराब बेच रहे हैं। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो करीब दो दर्जन लोग हाथों में बीयर लेकर पार्टी करते मिले। पुलिस को देखकर कुछ लोग भागने लगे। मौके पर दो व्यक्ति डी-फ्रीज में बीयर बेचते मिले। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम नितेश कुमार मुंशी (34) निवासी चांदपोल बाजार और दिलीप केशवानी (48) निवासी मानसरोवर बताए। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 140 बीयर कैन/बोतल और दो डी-फ्रीज जब्त किए। दोनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 19/54 में मामला दर्ज किया गया है। बीयर पार्टी में शामिल 17 व्यक्तियों को पुलिस ने धारा 126/170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया। मौके पर खड़े वाहनों के कागजात नहीं मिलने पर 9 वाहनों को जब्त किया गया। इसके अलावा आरोपियों के कब्जे से 14 मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

डॉक्टर्स लीग की ट्रॉफी का अनावरण

जयपुर। मेडिकोज़ वेलफेयर सोसायटी जयपुर की ओर से डीपीटीएल सीजन 6 व डीपीपीएल प्रथम सीजन प्रतियोगिता 1 से पाँच 5 तक जयपुर के जय क्लब में आयोजित की जाएगी। लीग पैट्रन डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि प्रतियोगिता की ट्रॉफी व टी शर्ट का अनावरण एसआरके हॉस्पिटल जयपुर के निदेशक डॉ. राकेश शर्मा ने किया। लीग ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. जयंत सेन व ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. अनिल यादव ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन चिकित्सा शिक्षा आयुक्त नरेश गोयल करेंगे। लीग के चीफ कॉर्डिनेटर डॉ. हरीश भारद्वाज व डॉ. हनुमान खोजा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में राजस्थान व अन्य राज्यों से 400 खिलाड़ी तथा 40 टीमें भाग लेंगी।

वरिष्ठ नागरिकों की ट्रेन रवाना

जयपुर (कासं)। देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025-26 के तहत मंगलवार को जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से रामेश्वरम-मदुरई के लिए विशेष ट्रेन को देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उन्होंने बताया कि बजट घोषणा-2025-26 की यह अंतिम ट्रेन थी। इसमें जयपुर, कोटा व भरतपुर संभाग के कुल 990 वरिष्ठजन रामेश्वरम-मदुरई के लिए रवाना हुए हैं। दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से 400 यात्री, जबकि सवाईमाधोपुर से 120 व कोटा रेलवे स्टेशन से 470 यात्री सवार हुए हैं। यह ट्रेन दो अप्रेल को रामेश्वरम पहुंचेगी। ट्रेन का ठहराव रामेश्वरम में एक दिन का होगा। यहां पर सभी श्रद्धालुओं को हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण चार धाम में से एक व देश के मुख्य रामनाथ स्वामी मंदिर व ज्योर्तिलिंग व मणी दर्शन करवाए जाएंगे।

जे.डी.ए. में पदोन्नत हुए अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं मिली नई पोस्टिंग

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण में पदोन्नत हुए एडिशनल चीफ इंजीनियर्स (अतिरिक्त मुख्य अभियंता) को उनके नए पदभार के साथ पोस्टिंग दी गई है। इनके कार्यभार में भी बदलाव किया गया है। पदोन्नत होने के बाद जेडीए में 11 एडिशनल चीफ इंजीनियर्स हो गए हैं।

आदेश के अनुसार मोहन लाल मीणा को जोन 21 व 22, राजीव आवास योजना (बीएसयूपी-अफोर्डेबल), इंजीनियरिंग शाखाओं से समन्वय, एपेक्स एलीवेटेड प्रोजेक्ट, तकनीकी सहायक निदेशक इंजीनियरिंग प्रथम का जिम्मा सौंपा गया है। हरीशंकर मीणा को जोन 15 व 16 लोकायुक्त, एमपी, एमएलए फंड, रिंग रोड उत्तर का चार्ज दिया गया है।

संजय पूनिया को जोन 11 व 12, एमएस-पीडब्लूसी, बिजली, सिविल लाइन आरओबी की जिम्मेदारी दी गई है। राम प्रसाद रैगर को जोन 10 व 13 विधानसभा ओफसी यूटिलिटी, गुणवत्ता प्रकोष्ठ, तकनीकी सहायक डायरेक्टर थर्ड का जिम्मा सौंपा गया है। इसके साथ ही नए पदोन्नत अतिरिक्त मुख्य अभियंता मोहित चौधरी को जोन ए-बी, ट्रेफिक कंट्रोल बोर्ड, रिद्धी-सिद्धी एलीवेटेड रोड का काम सौंपा गया है। विवेक शर्मा को जोन 17, 18, 19 पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप, मुख्यालय, पीएमआईएस, सोडाला प्रोजेक्ट फाइनालिजेशन की जिम्मेदारी दी गई है। राजेन्द्र शर्मा को जोन 9 व 14, सालिगरामपुरा आरओबी, इंडूनी फाटक प्रोजेक्ट का चार्ज दिया गया है।

योगेश स्वरूप माथुर को जोन 7 पीआरएन, सीएमआईएस, बजट घोषणा, जनसुनवाई केन्द्र सांगानेर व द्रव्यवती प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी दी गई है। महेश गोयल को जोन सी-8, सांगानेर एलीवेटेड रोड, तकनीकी सहायक डायरेक्टर इंजीनियरिंग थर्ड का काम सौंपा गया है। संजय व्यास को जोन 25 व उद्यान तथा विनोद कृष्णया जोन 23-24 पीएचई क्वालिटी कंट्रोल का काम दिया गया है।

रिटायर्ड बैंक कर्मचारी की मौत

जयपुर। मुहाना की पत्रकार कॉलोनी में मंगलवार सुबह पडौसी से हुए विवाद में एक रिटायर्ड बैंक कर्मचारी की मौत हो गई। संकरी गली में टैम्पो ट्रैवलर लाने को लेकर हुए झगड़े में धक्का-मुक्की के दौरान बुजुर्ग सड़क पर गिर गए, जिससे उनकी जान चली गई।

थानाधिकारी मदन लाल कडवासरा के अनुसार पटेल मार्ग निवासी विजेंद्र सिंह (68) परिवार सहित रहते थे। उनके पडौस में ट्रैवल एजेंसी संचालक छोटे लाल सैनी का घर है। मंगलवार सुबह करीब 8 बजे छोटे लाल ने टैम्पो ट्रैवलर मंगवाया, जिसे उज्जैन भेजना था। गली संकरी होने के कारण विजेंद्र सिंह और उनके बेटे ने वाहन को अंदर लाने का विरोध किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई, जो जल्द ही झगड़े में बदल गई। आरोप है कि विवाद के दौरान पडौसी और टेंपो ट्रैवलर चालक ने विजेंद्र सिंह को धक्का दे दिया, जिससे वे सड़क पर गिर पड़े और बेहोश हो गए। घटना के बाद पडौसी छोटे लाल और उसकी पत्नी रेखा फरार हो गए।

यूनेस्को हैरिटेज सिटी संरक्षण पर मुख्य सचिव सख्त

अधिकारियों के साथ परकोटे में पैदल घूमकर विरासत स्थलों की वास्तविक स्थिति जांची

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । यूनेस्को विश्व हैरिटेज सिटी जयपुर के संवर्धन, संरक्षण एवं सौन्दर्यकरण को लेकर मुख्य सचिव वी. निवास ने मंगलवार को परकोटे क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संकरी गलियों में पैदल भ्रमण कर विरासत स्थलों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने नाटाणियों की हवेली, खजाने वालों का रास्ता, जैमिनी बिल्डिंग, दिगम्बर जैन मंदिर, राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट, हैरिटेज वॉक-वे तथा मणिहारों का रास्ता सहित विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का निरीक्षण किया। नाटाणियों की हवेली में संचालित कोतवाली थाने का निरीक्षण करते हुए उन्होंने वर्षों पुराने अभिलेखों को देखा तथा जर्जर भवन के संरक्षण के लिए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए।

खजाने वालों के रास्ते पर स्थित हवेलियों एवं जैमिनी बिल्डिंग का निरीक्षण कर मुख्य सचिव ने उनकी ऐतिहासिक महत्ता की जानकारी ली और संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। इसके बाद उन्होंने दिगम्बर जैन मंदिर, राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट एवं हैरिटेज वॉक-वे का भी निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने कहा कि जयपुर हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है और इसकी पहचान बनाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने परकोटे के संरक्षण एवं यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज सिटी का दर्जा बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासों पर जोर दिया।

मुख्य सचिव वी. निवास ने मंगलवार को जयपुर परकोटे क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया।

- अनाधिकृत केबल हटाने, हैरिटेज क्षेत्र में खराब लाइटों एवं फसाड लाइटिंग को दुरुस्त करने, स्पेशल एरिया हैरिटेज प्लान शीघ्र तैयार करने तथा हैरिटेज सेल को अधिक सक्रिय बनाकर काम करने के निर्देश दिए

निरीक्षण के बाद मुख्य सचिव ने नगर निगम मुख्यालय स्थित ई.सी. मीटिंग हॉल में अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में हैरिटेज सेल द्वारा प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अब तक किए गए कार्यों एवं चल रही योजनाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने जोन उपायुक्तों से कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली।

बैठक में मुख्य सचिव ने अनाधिकृत केबल हटाने, हैरिटेज क्षेत्र में खराब पड़ी लाइटों एवं फसाड लाइटिंग को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पेशल एरिया हैरिटेज प्लान शीघ्र तैयार करने तथा हैरिटेज सेल को अधिक सक्रिय, उत्तरदायी एवं परिणाममुखी बनाकर कार्य करने पर जोर दिया।

इस दौरान शासन सचिव रवि जैन, संभागीय आयुक्त वी. सरवण कुमार, नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी, उपायुक्त (स्वास्थ्य) मृणाल कुमार, अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रेन के आगे कूदा प्रेमी युगल, मौत

जयपुर। राजधानी के बस्सी थाना इलाके में मंगलवार सुबह एक प्रेमी युगल के सुसाइड का सनसनीखेज मामला सामने आया है। रीको एरिया में धोबियों का फाटक के पास एक युवक और युवती ने ट्रेन के आगे छलांग लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस को रेलवे ट्रैक पर शवों के कई टुकड़े बिखरे मिले, जिन्हें बड़ी मुश्किल से एकत्र कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया।

थानाधिकारी (बस्सी) धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि घटना स्थल के पास ही एक बाइक खड़ी मिली थी, जिसमें चाबी लगी हुई थी। पुलिस ने बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर जांच शुरू की, जिससे मृतकों की पहचान हो सकी। मृतकों में 19 वर्षीय युवती जामडोली की निवासी थी, जबकि 26 वर्षीय युवक बस्सी क्षेत्र का रहने वाला था। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों सोमवार देर शाम अपने-अपने घरों से निकले थे। युवती के लापता होने पर परिजनों ने सोमवार रात को ही जामडोली थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। मंगलवार सुबह करीब 7:30 बजे पुलिस को ट्रैक पर शव होने की सूचना मिली। पुलिस की प्राथमिक जांच में मामला प्रेम-प्रसंग का माना जा रहा है।

Spanish Civil War Ends as Franco Claims Victory

On April 1, 1939, General Francisco Franco officially declared victory, bringing an end to the Spanish Civil War, a brutal conflict that had lasted nearly three years. The war, fought between the Nationalist forces led by Franco and the Republican government, resulted in massive destruction and the loss of hundreds of thousands of lives. With the Nationalist triumph, Spain came under Franco's authoritarian rule, marking the beginning of a dictatorship that would last until his death in 1975. The end of the war also reshaped Spain's political landscape and left deep social and economic scars on the country for decades.

#ANCIENT HARMONY

The Hymn to Nikkal

3,000-Year-Old Syrian Hymn Matches Rig Veda Melodies Across Continents

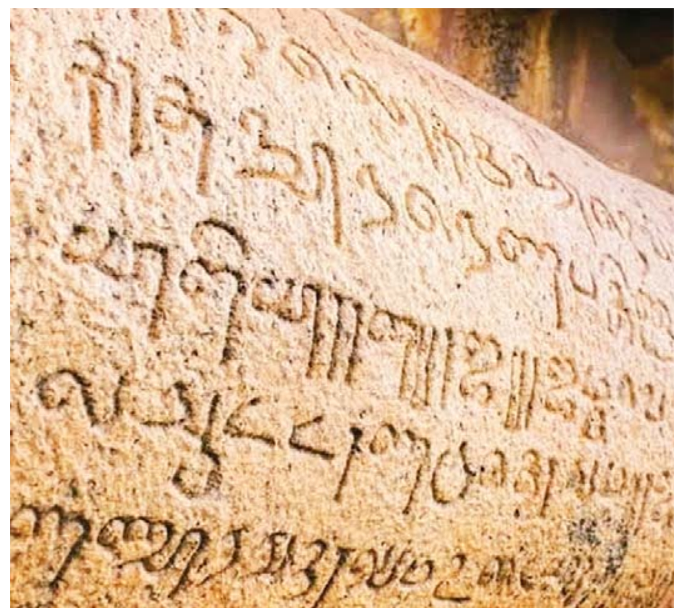

In a revelation that's shaking the foundations of musicology and ancient history, archaeologists and researchers have discovered a profound and unexpected connection between two of the world's oldest known musical traditions, those of ancient Syria and the Indian subcontinent.

A 3,000-year-old clay tablet unearthed from the ancient city of Ugarit (in modern-day Syria) holds what is considered the world's oldest notated song, the Hymn to Nikkal, a devotional piece dedicated to the goddess of orchards. This artifact, long studied for its significance in early musical notation, is now at the heart of a startling musical parallel: it shares rhythm and melodic structure with the Rig Veda, one of the oldest and most revered sacred texts of ancient India.

According to Archaeology Magazine, this discovery stems from a groundbreaking computational study conducted by Dr. Dan C. Baciu of the University of California, Santa Barbara. Using sophisticated analytical software, Dr. Baciu and his team examined the rhythmic patterns in verses of the Rig Veda and compared them to the cadences of the Ugaritic hymn. The results were nothing short of astonishing.

A Rhythmic Revelation

The study revealed that nearly 20% of Rig Vedic verses end with rhythmic cadences that perfectly match those found in the Hymn to Nikkal. Statistically, the chance of such a precise alignment occurring randomly is less than one in a million, an anomaly that defies mere coincidence. The findings point to a potential musical dialogue across civilizations, suggesting a shared or transmitted musical heritage.

Even more compelling is the discovery that melodic similarities also exist between the two traditions. The Hymn to Nikkal concludes with a cadence of alternating long and short notes, a structure mirroring the familiar rhythmic patterns of Vedic chants still used in Hindu liturgical practices. While melodic matches between the two bodies of music occur less frequently, around 3%, this rate is still vastly higher than would be expected from randomized comparisons, reinforcing the theory of an intentional or culturally transmitted musical link.

A Shared Musical Legacy?

These findings prompt a re-evaluation of how ancient civilizations may have interacted, not only through trade or conquest but through the intangible thread of music. Scholars now hypothesize that the Mitanni kingdom, a powerful empire that stretched across parts of present-day Syria and Iraq during the Bronze Age, may have acted as a cultural and musical bridge between the Mediterranean and the Indian subcontinent.

Interestingly, the Mitanni were known to have had close contact with Indo-Aryan people, and even their royal treaties and inscriptions contain Indo-Aryan deities such as Indra, Mitra, and Varuna, names familiar from the Rig Veda itself. This linguistic and religious overlap may extend now to musical traditions, offering fresh insight into the interconnectedness of early civilizations.

Music: The Oldest Universal Language

This unexpected resonance between two ancient musical worlds suggests that music may have been one of humanity's first shared global expressions. Before the age of written history, before borders divided cultures, music might have served as a common language, linking diverse people through song, rhythm, and sacred sound.

As Dr. Baciu's research continues, it opens new doors to understanding how culture, spirituality, and art were exchanged across vast distances in the ancient world. The Hymn to Nikkal and the Rig Veda, separated by geography yet united in cadence, offer a haunting reminder: the rhythms of the past may still echo across time, waiting for us to hear them anew.

Reliving Kargil And The Boys We Lost

Captain Manoj Kumar Pandey was Number 5 Platoon Commander. Under heavy enemy fire, he quickly manoeuvred his Platoon to an advantageous position and ordered one Section of his Platoon to clear enemy positions on the right, while he cleared four hostile positions on the left. He attacked the first enemy position fearlessly and killed two enemy personnel. Successively, he charged at the second position and captured it by killing two more enemy personnel. While clearing the third position, Captain Manoj Kumar Pandey was hit in the shoulder and legs by enemy fire. Undaunted and unconcerned about his serious wounds, he led the assault on the fourth position, rallying his men and destroying it with a grenade. During this attack, he got a fatal medium machine gun burst on his forehead. It is this singular daredevil act of the officer, which provided the critical firm base for the Battalion to finally capture Khalubar.

Mushkoh Valley is situated at an elevation of around 16,000 feet in Drass– the second coldest inhabited place in the world.

Param Vir Chakra Awardees

● Anusha Mishra

The Kargil War of 1999 lasted for a span of approximately two months in which the tri-services emerged victorious on 26 July 1999. However, as it is often said that the 'wars come at a cost,' the Kargil war also cost us a number of lives of our gallant Indian soldiers. This was the war in which India lost the largest number of its young officers and soldiers.

The gallantry of Indian Soldiers stood out. A total of three-hundreds gallantry awards were awarded to the soldiers who fought in the Kargil War, out of which there were four Param Vir Chakras, nine Maha Vir Chakras and fifty-five Vir Chakras.

It has been twenty-five years since the War, and since then, the Param Vir Chakra awardees Captain Vikram Batra, Captain Manoj Kumar Pandey, Subedar Major Yogendra Singh Yadav and Subedar Major Sanjay Kumar have become household names for the display of unparallel gallantry during the Kargil War of 1999. This article brings to you the story of their gallant actions and sacrifice which kept the Indian borders safe and secure during the war.

Captain Manoj Kumar Pandey 1/11 GORKHA RIFLES

In the Batalik Sector, the LoC cuts across the Indus River between Batalik and Marol. There are four ridgelines, Jubar, Kukarthang, Khalubar and Point 5203, Churubar Po Southwards along Chorbat La watershed. These vary in heights from 15,000 feet to 16,800 feet. Troops of 5 Northern Light Infantry (Pakistan) had intruded 8-10 Kilometres in the unheld area, lying to the West of Chorbat La. Here, 70 Infantry Brigade, under Brigadier Devinder Singh, had arrived just in time to ensure that the enemy did not extend the intrusion to dominate the Leh-Batalik-Kargil Road.

On 09 May, 12 JAK LI was inducted into the Sector to recapture Point 5203. On 20 June, 12 JAK LI, along with a Company of 5 PARA and two Companies of Ladakh Scouts, recaptured Point 5203. Following the recapture of Point 5203 in the Batalik Sector, the next objective was Khalubar. 1/11 GORKHA RIFLES was deployed to recapture Khalubar Top on 02 July 1999. With just a handful of soldiers, 1/11 GORKHA RIFLES captured the Khalubar Top.

Captain Manoj Kumar Pandey was Number 5 Platoon Commander. His Platoon's mission was to eliminate the interfering enemy positions in order to keep his Battalion from being daylighted and being in a vulnerable position during its advance to Khalubar Ridge. As his Platoon reached close to its objective on the night of 02/03 July 1999, it came under heavy persistent enemy fire from the surrounding heights. Under heavy enemy fire, Captain Manoj Kumar Pandey quickly manoeuvred his Platoon to an advantageous position and ordered one Section of his Platoon to clear enemy positions on the right, while he cleared four hostile positions on the left. He attacked the first enemy position fearlessly and killed two enemy personnel.

Successively, he charged at the second position and captured it by killing two more enemy personnel. While clearing the third position, Captain Manoj Kumar Pandey was hit in the shoulder and legs by enemy fire. Undaunted and unconcerned about his serious wounds, he led the assault on the fourth position, rallying his men and destroying it with a grenade. During this attack, he got a fatal medium machine gun burst on his forehead. It is this singular daredevil act of the officer, which provided the critical firm base for the Battalion to finally capture Khalubar.

He displayed most conspicuous bravery, indomitable courage, exemplary personal valour, outstanding leadership and devotion to duty of an exceptionally high order and received country's highest gallantry award Param Vir Chakra posthumously. An entry from his personal diary vividly reflects the undaunting spirit of the immortal hero.

#SALAAM

Subedar Major (Honorary Capt.) Yogendra Singh Yadav (Then Grenadier), 18 GRENADIERS

Tololing, a desolate mountain, stands imposingly at 16000 feet near the town of Drass. One of Pakistan's primary objectives during the Kargil War was to obstruct India's access to the Srinagar-Kargil-Leh highway. To achieve this, maintaining control over Tololing held great significance for the Pakistan Army. Pakistani forces, sitting on dominating heights, commanded an unobstructed view of every inch of the track. Following the capture of Tololing, the focus shifted to Tiger Hill. Among the many battles that took place between Indian troops and the enemy, the battle for the recapture of the Tiger Hill can be considered as the most difficult one.

Tiger Hill gains importance from the fact that it towers (16,500 feet), above all, the other mountains in its vicinity of Drass village. Brigadier MPS Bajwa received orders to relocate the 192 Mountain Brigade to Drass. Assigned to his command were 8 SIKH, 18 GRENADIERS, 13 JAK RIF, and 2 NAGA. A multi-directional attack plan was devised, encompassing three strategic approaches. On 03 July, the soldiers of 18 GRENADIERS embarked on their mission. Due to bad weather and extreme conditions, the progress was very slow.

18 GRENADIERS, which had already lost two valiant officers, Lieutenant Colonel R Viswanathan and Major Rajesh Singh Adhikari during Tololing Operations, was given the near impossible task of capturing the Tiger Hill on the night of 03/04 July 1999. 8 SIKH, which was occupying dominating heights around the South-Eastern and Northern part of Tiger Hill, was tasked to provide the firm base. At 1900 hours, the multi-direction attacks began in freezing rain, commencing with a nearly 12-hour vertical climb from Southern and North-Eastern approach using fixed ropes. Lieutenant Balwan Singh led the Ghatak Platoon of 18 GRENADIERS from the dangerous North Eastern approach. Grenadier Yogendra Singh Yadav was the lead Ghatak. He had eagerly volunteered to lead the attack. To reach the objective, his team had to fix the ropes on the cliff face for his Platoon to climb. As his leading team climbed to reach enemy position, heavy fire from the enemy fatally wounded his Team Commander and two teammates and almost stalled the advance. Grenadier Yogendra was also severely wounded, but knowing the gravity of the situation, he continued to climb towards the enemy positions. He crawled towards the enemy position but sustained multiple bullet injuries.

Unmindful of his injuries and hail of enemy bullets, he continued pushing towards the enemy position and lobbed grenades inside enemy bunker and fired with his weapon, killing four enemy soldiers in close combat and thus silenced the automatic weapon fire. During the charge to clear the enemy bunkers, he again sustained multiple bullet injuries but refused to be evacuated even in critical condition. This heroic deed of Grenadier Yogendra Singh Yadav motivated his Platoon to capture Tiger Hill Top, and thus, the vital objective was achieved. This decisive victory sealed the fate of Pakistan's Kargil misadventure.

Grenadier Yogendra Singh Yadav was honoured with the Param Vir Chakra for his extraordinary gallant act. He is the youngest recipient of this coveted award till date. He retired from army on 31 December, 2021 in the rank of Honorary Captain. 18 GRENADIERS won unit citation for the Battle of 'Tiger Hill.'

Subedar Major Sanjay Kumar (Then Rifleman),13 JAMMU & KASHMIR RIFLES

During the War, the Mashkoh Valley Sub-Sector was among one of the prime targets of the Pakistani intruders. Even prior to the Kargil War of 1999, Pakistan had attempted to infiltrate mercenary militants into this Sector. It was a vital Sub-Sector since Point 4875 overlooking the NH 1A was located here and a strong hold in this Sub-Sector would have provided the enemy the advantage of keeping a track on the movement of the Indian Army. The Sector was under 79 Mountain Brigade commanded by Brigadier RK Kakkar and the significant battles of Mashkoh Valley were the Battles of Point 4875 (Gun Hill), Pimple Complex, Twin Bump and the fight to secure the LoC at Zulu Spur.

This first success came on 06 July 1999 when 2 NAGA successfully captured Twin Bump. Subsequently, on the icy heights of Mashkoh Valley, Rifleman Sanjay Kumar and popularly remembered as the 'Shershah of Kargil,' Captain Vikarm Batra, displayed unmatched gallantry and 13 JAK RIF captured one of the most impregnable points, Pt 4875 on 07 July 1999.

The capture of Tololing changed the dynamics of Kargil War. The next objectives were Point 5140 and Point 4875 as these features provided dominant viewpoints to the National Highway 1 Alpha. This task was entrusted to the 13 JAK RIF. The main features of Point 4875 include Whale Back, Flat Top and Shivling. Lieutenant Colonel YK Joshi, the Commanding Officer of 13 JAK RIF, gave the order for the attack on 03 July 1999. The attack was launched on 04 July 1999, with Major SV Bhaskar leading the A Company from the Eastern slopes of Point 4875 and Major Gurpreet Singh assaulting from the Western slopes of South Spur, with a view to capture Flat Top. Major Gurpreet Singh took a bold decision by deciding to launch a simultaneous assault at Flat Top with a Platoon and Point 4875 with the rest of the C Company. Rifleman Sanjay Kumar and Rifleman Shyam Singh were the leading scouts of the attacking column at Flat Top.

On 04 July 1999, Rifleman Sanjay Kumar was one of the leading Scouts tasked to capture Flat Top of Point 4875 in Mushkoh Valley. The enemy challenged the progress of the column by firing from one of the sangars. With complete disregard for his personal safety, Rifleman Kumar displayed conspicuous courage as he charged at the enemy. In the subsequent physical combat, he fought the enemy and killed three of the enemy soldiers. He sustained grave injuries but did not yield, and attacked the second sangar. The attack came as a surprise to the enemy and they fled leaving behind one universal machine gun (UMG). He picked up the UMG and shot at the fleeing enemy soldiers. Although, he was profusely bleeding, he denied being evacuated and continued to charge at the enemy. His gallant action and fortitude motivated his fellow mates, and despite the difficulties of fighting in treacherous terrain, our troops were successful in seizing the area Flat Top from the enemy.

A story of sheer bravery and utmost devotion to duty, Rifleman Sanjay Kumar displayed the highest degree of valour in the presence of the enemy, that has inspired many. For his conspicuous courage and fearless spirit in the face of the enemy, he was awarded the Param Vir Chakra.

CAPTAIN VIKRAM BATRA 13 JAMMU & KASHMIR RIFLES

Among the numerous acts of valour during the war, one that stood out and gained immense popularity among the masses was the supreme sacrifice of Captain Vikram Batra, a young valiant officer of 13 JAK RIF, whose sacrifice numbed the eyes of the whole country.

In continuation to the operations in Mashkoh Valley, Lieutenant Colonel Yogesh Kumar Joshi had tasked B and D Company, under Captain SS Jamwal and Captain Vikram Batra, for capturing Point 5140 on 20 June 1999. Under Captain Vikram Batra, the D Company reached close to the objective despite the treacherous terrain. He, along with his Company, moved from the East while maintaining absolute silence achieving complete surprise. Captain Batra reorganised his column and displayed exemplary leadership as he fought the enemy from the forefront. The officer's action motivated his men to physically attack the enemy positions. In an act of formidable courage, Captain Batra pounced onto the enemy and killed four intruders in the physical combat. It was after the success at Point 5140 that Captain Batra delivered his iconic success signal 'Yeh Dil Mange More.'

After Point 5140 was captured, 13 JAK RIF was tasked to capture Point 4875. On 07 July 1999, he and his Company were tasked to clear enemy defences from a narrow feature with sharp cuttings on both the sides leading up to Point 4875 and Area Ledge. Captain Batra led the assault from the front and engaged with the enemy in a physical fight. He killed five enemy soldiers at point blank range and he himself sustained serious injuries. Despite his injuries, he moved towards the next enemy sangar and threw grenades to clear the enemy position. His dauntless determination inspired his men to clear the enemy from a dominating position. Later, he succumbed to his injuries. His fearless determination and leadership encouraged his company men to avenge his death and finally capture Point 4875.

Captain Batra's inspiring leadership, dedication to duty and steadfast love for his country continue to be an inspiration to the young generation. He attended the call of duty with absolute disregard of his personal safety. He was awarded the Param Vir Chakra posthumously.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

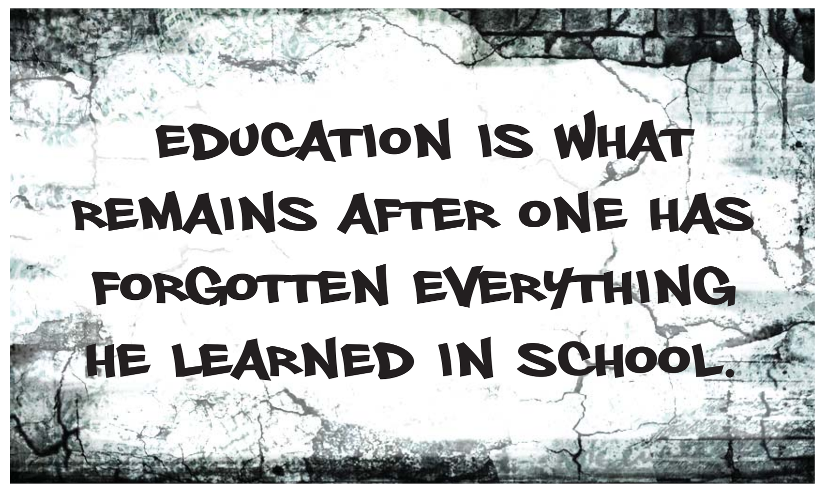

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

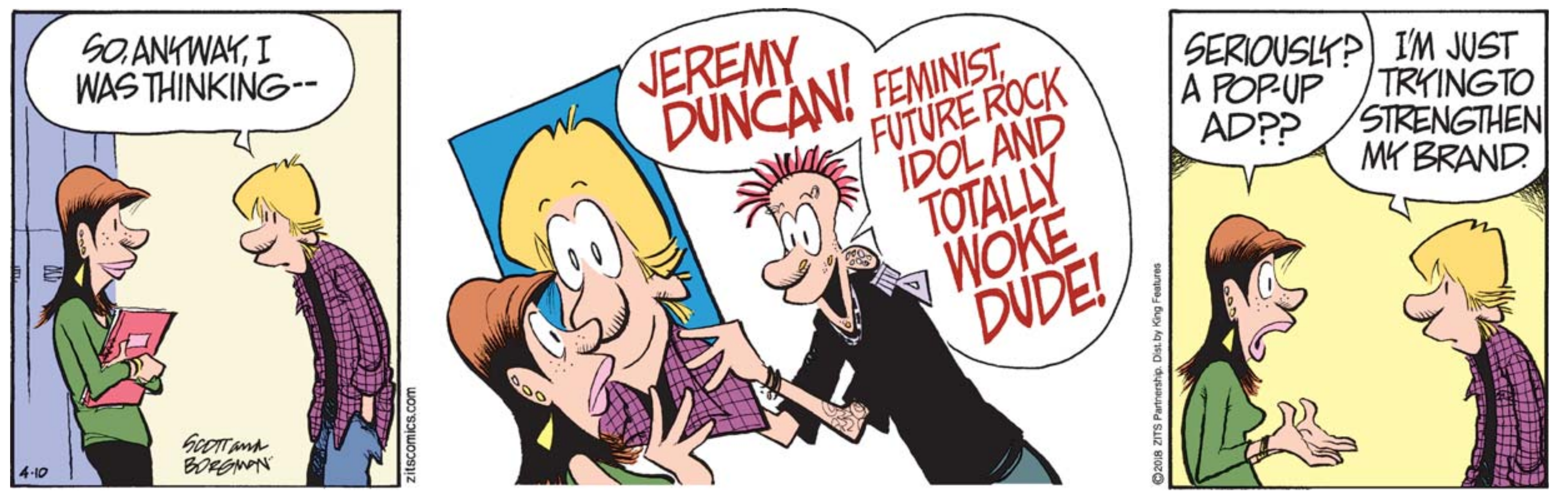

12वीं के विज्ञान, कला और वरिष्ठ उपाध्याय के परिणामों में छात्राओं ने बाजी मारी

उच्च माध्यमिक विज्ञान वर्ग की परीक्षा का परिणाम 97.52 प्रतिशत रहा

अजमेर/उदयपुर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा सीनियर सेकेण्डरी कला, वाणिज्य एवं विज्ञान तथा वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा 2026 का परिणाम मंगलवार को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा उदयपुर से ऑनलाइन माध्यम से जारी किया गया। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने उदयपुर कलैक्ट्रेट परिसर स्थित डीओआईटी सभागार से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर से वर्चुअली जुड़ते हुए परीक्षा परिणामों की घोषणा की। कक्षा 12 के सभी संकायों तथा वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा का समेकित परीक्षा परिणाम 96.45 प्रतिशत रहा। इसके साथ ही आजादी के बाद पहली बार ऐसा अवसर रहा जब माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परिणाम मार्च माह में जारी हुए।

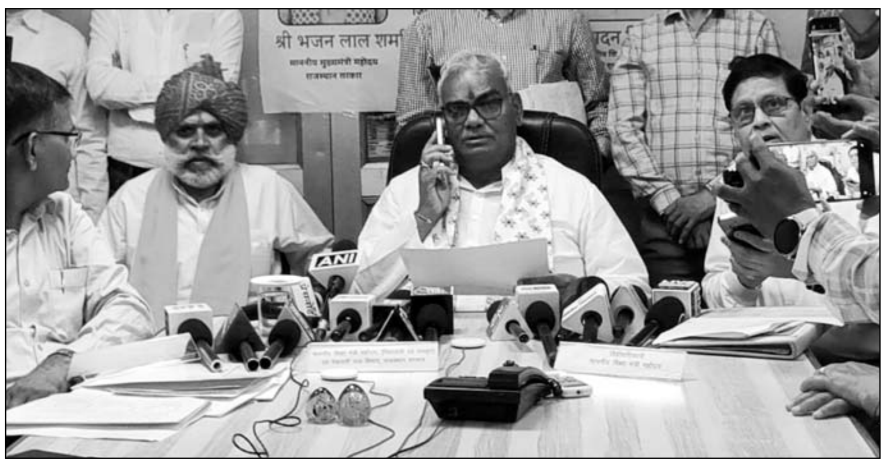

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने उदयपुर से 12वीं के परीक्षा परिणाम जारी किए।

शिक्षा मंत्री दिलावर मंगलवार सुबह ट्रेन से उदयपुर पहुंचे थे। सर्किट हाउस में कुछ देर रूकने के बाद 9.35 बजे कलैक्ट्रेट स्थित सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के वीडियो कांफ्रेन्सिंग सभागार में पहुंचे। यहां जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। दिलावर वीसी के माध्यम से अजमेर स्थित माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कार्यालय के मुख्यालय से जुड़े। प्रातः दस बजे शिक्षा मंत्री दिलावर के निर्देशन में कम्प्यूटर का बटन दबाकर परीक्षा परिणाम जारी किया। इस दौरान उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, सलूम्बर विधायक शांतादेवी सहित अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोर्ड प्रशासक एवं संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ तथा बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ भी बोर्ड कार्यालय से वर्चुअली जुड़े।

शिक्षा मंत्री दिलावर ने बताया कि उच्च माध्यमिक विज्ञान वर्ग की परीक्षा में कुल 28068 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए थे, जिसमें से 285299 परीक्षार्थी परीक्षा में प्रविष्ट हुए। उच्च माध्यमिक विज्ञान वर्ग की परीक्षा का परिणाम 97.52 प्रतिशत रहा। इसमें छात्रों का उत्तीर्णता प्रतिशत 97.02 तथा छात्राओं का उत्तीर्णता प्रतिशत 98.34 रहा। विज्ञान वर्ग में 178051 छात्रों में से 146644 छात्र और 107248 छात्राओं में से 98636 छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है। वाणिज्य वर्ग की परीक्षा में 30798 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें से 30580 परीक्षार्थी परीक्षा में प्रविष्ट हुए वाणिज्य वर्ग का परिणाम 93.64 प्रतिशत रहा। इसमें छात्रों का उत्तीर्णता प्रतिशत 94.04 तथा छात्राओं का उत्तीर्णता प्रतिशत 92.82 रहा। वाणिज्य वर्ग में 20666 छात्रों में से 13976 छात्र और 9914 छात्राओं में से 8096 छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई हैं। इसी प्रकार कला वर्ग की परीक्षा में कुल 591023 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए थे, इसमें से 583201 परीक्षार्थी परीक्षा में प्रविष्ट हुए। कला वर्ग का परिणाम 97.54 प्रतिशत रहा। इसमें से छात्रों का उत्तीर्णता प्रतिशत 96.68 तथा छात्राओं का उत्तीर्णता प्रतिशत 98.29 रहा। वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा में कुल 4114 परीक्षार्थी पंजीकृत है जिसमें से 4067 परीक्षार्थी परीक्षा में प्रविष्ट हुए। वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा का परिणाम 97.20 प्रतिशत रहा। छात्रों का उत्तीर्णता प्रतिशत 96.46 तथा छात्राओं का उत्तीर्णता प्रतिशत 97.77 रहा। वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा में 1781 छात्रों में से 832 छात्र और 2286 छात्राओं में से 1328 छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है।

मंत्री दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में इस बार से 1 अप्रैल से सत्रारंभ करने की योजना बनाई थी, जिसे तय समयानुसार पूर्ण कर रहे हैं। इस बार से सत्र 1 अप्रैल से किया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों हेतु कार्यदिवसों की संख्या में वृद्धि होगी। गत सत्र में कार्यदिवसों की संख्या 235 थी जो अब बढ़ कर 244 हो जाएगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि पिछली बार से गणित विषय की री-चेकिंग व्यवस्था प्रारंभ की थी, इससे पूर्व केवल री-टोटलिंग की व्यवस्था थी। इस बार से दो अन्य विषयों विज्ञान व अंग्रेजी में भी री-चेकिंग व्यवस्था प्रारंभ कर दी है। दिलावर ने कहा कि आगामी सत्र से विद्यार्थियों को वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा देने का अवसर प्रदान किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों का मानसिक तनाव कम होगा और सुधार का मौका मिलेगा। इसके अलावा हर बच्चे तक किताबें समय पर पहुंचना सुनिश्चित किया गया है।

सीकर में मिट्टी की सुरंग ढहने से तीन दोस्तों की मौत

खेलने के लिए बनाई गई थी मिट्टी की सुरंग

सीकर, (निसं)। सीकर में खेलने के लिए बनाई गई मिट्टी की सुरंग ढहने से तीन दोस्तों की मौत हो गई। वहीं, चौथे दोस्त की जान बच गई, जिसके चिल्लाने पर लोगों को घटना बारे में पता चला। हादसा नेछवा थाना इलाके में सोमवार को गनेड़ी गांव में हुआ।

पुलिस के मुताबिक होलश मेघवाल (10) पुत्र नानूराम मेघवाल, गौतम सैनी (14) पुत्र रतनलाल सैनी, दीपेश नायक (12) पुत्र भंवरलाल नायक और कृष्ण खेत में मिट्टी के 3 से 4 फीट ऊंचे टीले के नीचे बनाई सुरंग में खेल रहे थे। कृष्ण सुरंग बाहर की ओर था। बाकी तीनों दोस्त अंदर चले गए। इस दौरान अचानक मिट्टी ढह गई। होलश, गौतम और दीपक मिट्टी के नीचे दब गए। कृष्ण के भी पैर मिट्टी में दबे थे। फिर भी उसने मिट्टी में दबे अपने दोस्तों को निकालने की कोशिश की। बात नहीं बनी तो चिल्लाने लगा, ऐसे में गांव के लोग वहां पर आ गए।

सूचना पर नेछवा पुलिस भी मौके पर पहुंची। मिट्टी हटाकर तीनों को निकाला गया। तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। होलाश के पिता नानूराम की 1 साल पहले मौत हो चुकी है। परिवार की आर्थिक स्थिति भी ज्यादा ठीक नहीं है। दीपेश के पिता ने भी करीब डेढ़ से 2 साल पहले सुसाइड कर लिया था। दीपेश और होलाश सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। नेछवा पुलिस का कहना है कि खेलने के दौरान यह हादसा हुआ। तीनों के शव का पोस्टमॉर्टम के बाद घरवालों को सौंप दिए।

जोधपुर में अवैध रिफिलिंग पर कार्रवाई

जोधपुर, (कासं)। महामंदिर के इमरतिया बेरा क्षेत्र में अवैध रूप से व्यवसायिक और घरेलू गैस की टंकियों का भंडारण और रिफिलिंग करने की सूचना पर रसद विभाग के निरीक्षक ने दबिश देकर आरोपी के खिलाफ ईसी एक्ट में केस दर्ज कराया है।

महामंदिर पुलिस ने बताया कि प्रवर्तन निरीक्षक (पी) राजकरण बारहठ ने इमरिता बेरा महामंदिर क्षेत्र में घरेलू और व्यवसायिक गैस सिलेण्डरों की अवैध रूप से भंडारण करने की सूचना पर दबिश देकर मौके से रिफिलिंग के उपकरण और घरेलू तथा व्यवसायिक सिलेण्डर जब्त किए हैं।

कैलादेवी मेले का समापन आज

करौली, (निसं)। कैलादेवी जी का चैत्र नवरात्रा मेला जैसे-जैसे समापन की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे ही मां कैलादेवी के दर्शनों के लिए श्रद्धा का सैलाब उमड़ रहा है। मेले के शुभारंभ के 16वें दिन मंगलवार को करीब तीन लाख श्रद्धालुओं ने मां कैलादेवी के दर्शन लाभ लेकर मनौती मांगी, जिनकी संख्या मेले के 16 दिन तक करीब 40 लाख श्रद्धालु दर्शन लाभ ले चुके हैं।

■ अब तक 40 लाख श्रद्धालु दर्शन करने के लिये पहुंचे

कैलादेवी जी का चैत्र नवरात्रा लख्खी मेला 16 मार्च से शुरू हुआ है, जिसका समापन 1 अप्रैल पूर्णिमा के अवसर पर समापन होगा लेकिन श्रद्धा के उमड़ते सैलाब को देखते हुए कैलादेवी मंदिर ट्रस्ट के सोल ट्रस्टी कृष्ण चंद्रपाल ने केला देवी मंदिर ट्रस्ट के अधिकारियों को मेले की पूर्णिमा समापन के बाद 5 दिन तक और व्यवस्थाएं सुचारू रूप से जारी रखने के निर्देश दिए। कैला देवी मंदिर ट्रस्ट के विशेष अधिकारी किशनपाल सिंह, वरिष्ठ अधिकारी विवेक द्विवेदी, लीगल एडवाइजर कंट्रोल रूम प्रभारी संतोष सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कैलादेवीजी के चैत्र नवरात्रा मेले का वैसे तो आज बुधवार को पूर्णिमा के अवसर पर समापन होना है लेकिन श्रद्धालुओं की मां के प्रति आस्था को देखते हुए लगातार मां के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि मेले के समापन की पूर्व संध्या तक करीब 40 लाख श्रद्धालु दर्शन लाभ ले चुके हैं।

अवैध शराब के साथ छह गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर अवैध रूप से शराब रखने और बेचने वालों की धरपकड़ करते हुए आधा दर्जन लोगों को पकड़ा।

बोरानाड़ा थाने के एएसआई हरसहाय ने बोरानाडा से नारनाडी सर्विस रोड पर अवैध रूप से शराब बेच रहे भींयाराम को गिरफ्तार कर बेचने को रखे 48 पव्वे देशी शराब के जब्त किये। लूणी थाने के एएसआई ओमसिंह ने धुंधाड़ा में अवैध रूप से शराब बेच रहे सांवलदान को गिरफ्तार कर बेचने को रखी 30 पव्वे देशी शराब के जब्त किए। वहीं करवड़ थाने के हैड कांस्टेबल मोहनलाल ने गंगाणी गांव में अवैध रूप से शराब बेच रहे मुकेश को गिरफ्तार कर बेचने को रखे 29 पव्वे देशी शराब के जब्त किए। वहीं मंडोर थाने के एएसआई जगदीशचन्द्र ने 8 मील मंडोर क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बेच रहे अल्ताफ को गिरफ्तार किया। विवेक विहार थाने के हैड कांस्टेबल मुरारीलाल ने एम सेक्टर विवेक विहार क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बेच रहे बलविन्दर सिंह को गिरफ्तार किया।

फर्जी दुल्हन बनकर ठगने वाले गिरोह को यूपी से पकड़ा

चौमूं पुलिस ने पति-पत्नी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया

जयपुर। चौमूं पुलिस ने शादी का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पति-पत्नी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी उत्तर प्रदेश के मथुरा से पकड़े गए हैं और पिछले चार माह से फरार चल रहे थे। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) के निर्देश पर सहायक पुलिस आयुक्त उषा यादव और थानाधिकारी हरबेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

■ आरोपियों से पूछताछ जारी, अन्य वारदातों के खुलासे की संभावना जताई है

थानाधिकारी हरबेंद्र सिंह ने बताया कि परिवादी सुरेश जाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने परिचितों के माध्यम से शादी का प्रस्ताव देकर विश्वास जीता। भरतपुर और मथुरा में लड़की दिखाकर जल्दबाजी में शादी तय की गई और अलग-अलग बहानों से करीब 5 लाख रुपए ठग लिए गए।

आरोपियों ने पीड़ित से दुल्हन के कपड़े, जेवर और अन्य सामान भी दिलवाया। होटल में शादी की रस्म पूरी करने के बाद सामाजिक दबाव बनाकर अतिरिक्त रकम भी वसूली गई। बाद में महिला दुल्हन गहने पहनकर वॉशरूम जाने का बहाना बनाकर फरार हो गई।जांच में सामने आया कि दुल्हन और उसका साथी पहले से ही पति-पत्नी हैं और यह गिरोह पूर्व में भी इसी तरह की वारदातें कर चुका है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मथुरा में दबिश देकर आरोपी टीटू सिंह (28) निवासी पचावर महावन, राधा (35) पत्नी टीटू सिंह और देवेन्द्र सिंह (52) निवासी डीग, भरतपुर को गिरफ्तार किया। आरोपियों से पूछताछ जारी है और अन्य वारदातों के खुलासे की संभावना जताई जा रही है। कार्रवाई में उपनिरीक्षक अशोक कुमार, हैड कांस्टेबल जितेंद्र, कांस्टेबल मूलचंद, राकेश और महिला कांस्टेबल सुमन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सायबर ठगी की शिकायत दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के केरू क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति के साथ में गत साल दिसम्बर में 13.28 लाख का फ्रॉड हो गया। उसने ऑनलाइन शिकायत दी थी। बाद में पता लगा कि उसके द्वारा ऑनलाइन एक स्कीम में पैसा लगाया गया था। सायबर फ्रॉड के शिकार की ऑनलाइन शिकायत पर एटीएस जयपुर की तरफ से संबंधित थाना राजीव गांधी नगर में रिपोर्ट भेजी गई। इस पर पुलिस ने जीरो नंबर की एफआईआर पर अब जांच आरंभ की है। थानाधिकारी रविंद्रपाल सिंह ने बताया कि केरू निवासी झूमरराम चौधरी के साथ गत साल दिसम्बर को यह फ्रॉड हुआ था। उसने किसी स्कीम के झांसे में आकर ऑनलाइन रकम को जमा करवाया था।

स्मैक तस्करी का भंडाफोड़, घर से स्मैक और नकदी बरामद

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन एंटी वेनम' के तहत रेनवाल थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्करी के नेटवर्क पर बड़ी चोट की है। पुलिस ने एक घर पर दबिश देकर 6.86 ग्राम अवैध स्मैक और 6 लाख 42 हजार रुपए बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि जयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के निर्देश पर 15 से 31 मार्च तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 30 मार्च को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रजनीश पूनियां और वृत्ताधिकारी शिवरतन गोदारा के सुपरविजन में रेनवाल थानाधिकारी नरेश कंवर के नेतृत्व में टीम गठित कर कार्रवाई की गई। टीम ने झालरा निवासी राधेश्याम उर्फ राजू मीणा के घर पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान आरोपी घर पर नहीं मिला, लेकिन उसकी पत्नी संतोष देवी उर्फ कविता मौजूद थी। उसकी मौजूदगी में तलाशी लेने पर एक कमरे में डबल बेड के बॉक्स से नीले रंग की प्लास्टिक थैली बरामद हुई। थैली की जांच में एक पारदर्शी पाउच में मटमैले रंग का पाउडर मिला, जो जांच में स्मैक पाया गया। इसका वजन 6.86 ग्राम निकला। साथ ही उसी थैली से 6,42,100 रुपए नकद भी बरामद हुए, जिसे प्रारंभिक तौर पर स्मैक की बिक्री से जुड़ा माना जा रहा है। पूछताछ में आरोपी की पत्नी ने बताया कि यह सामान उसका पति लाता था और उसे इसकी जानकारी नहीं थी। पुलिस ने स्मैक और नकदी को जब्त कर आरोपी राधेश्याम उर्फ राजू मीणा के खिलाफ एनडीपीएस में मामला दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी फरार है और उसकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

प्रदेश में ग्रीन मोबिलिटी को "पीएम ई-ड्राइव योजना" नई ऊंचाई देगी : ऊर्जा मंत्री

कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने "प्रधानमंत्री ई-ड्राइव" योजना के तहत प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए केन्द्र सरकार द्वारा 81.12 करोड़ रुपये की स्वीकृति दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन विकसित राजस्थान के संकल्प को सिद्ध करने की दिशा में यह एक क्रांतिकारी कदम है। इस बजट से राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा प्रदेश के 262 चिहिंत स्थानों पर 591 पब्लिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। जिससे राज्य में क्लीन एनर्जी के प्रति आमजन का भरोसा बढ़ेगा।

■ 'जयपुर में 112, अजमेर में 49 और उदयपुर में 39 चार्जिंग स्टेशनों के साथ-साथ प्रदेश के मुख्य राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर 34 स्टेशन स्थापित किए जाएंगे'

ऊर्जा मंत्री नागर ने विशेष रूप से कोटा संभाग के संदर्भ में हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि औद्योगिक और शैक्षणिक हब के रूप में अपनी पहचान रखने वाले कोटा में 28 नए चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कोटा को भविष्य के स्मार्ट और प्रदूषण मुक्त शहर के रूप में विकसित करना हमारी प्राथमिकता है। इन स्टेशनों की स्थापना से शहर के भीतर इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर चालकों को सुलभ चार्जिंग की सुविधा मिलेगी। जिससे स्थानीय परिवहन सुगम होगा और कोचिंग विद्यार्थियों और पर्यटकों को भी पर्यावरण अनुकूल यातायात के विकल्प मिलेंगे। योजना की जानकारी देते हुए ऊर्जा मंत्री ने बताया कि यह विस्तार केवल शहरों तक सीमित नहीं है। जयपुर में 112, अजमेर में 49 और उदयपुर में 39 चार्जिंग स्टेशनों के साथ-साथ प्रदेश के मुख्य राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर 34 स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। मंत्री नागर ने स्पष्ट किया कि इन स्टेशनों के लिए सरकारी विभागों की भूमि का उपयोग किया जाएगा। जिससे परियोजना का क्रियान्वयन त्वरित गति से हो सकेगा। राजमार्गों पर चार्जिंग नेटवर्क मजबूत होने से अंतरराज्यीय और लंबी दूरी की यात्रा करने वाले ईवी उपभोक्ताओं का बैटरी खत्म होने का डर समाप्त होगा। ऊर्जा मंत्री नागर ने कहा कि पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवॉल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम इस पूरी परियोजना की प्रभावी मॉनिटरिंग करेगा ताकि गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक तकनीक वाले चार्जिंग पॉइंट स्थापित हों। ऊर्जा मंत्री ने विश्वास जताया कि इस पहल से राजस्थान न केवल ग्रीन एनर्जी के उत्पादन में बल्कि हरित परिवहन के उपयोग में भी देश का अग्रणी राज्य बनेगा। जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और प्रदूषण मुक्त वातावरण मिल सकेगा।

निवाई में बरसात के साथ ओले गिरे

निवाई, (निसं)। मौसम का मिजाज मंगलवार को भी बदला-बदला सा रहा। सुबह से ही आकाश में बादल छाए रहे जिससे सूर्य व बादलों के बीच आंख मिचोली का खेल चलता रहा। दोपहर बाद अचानक तेज बारिश हुई। विगत दो दिनों से पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में भारी परिवर्तन चल रहा है। मंगलवार शाम को भी बारिश हुई। शहर के कुछ क्षेत्र में बरसात के साथ चने के आकार के ओले गिरे।

इसी प्रकार गांव पलेई में भी बेर के आकार के ओले गिरे है। बारिश से खेतों में काटकर रखी हुई फसलें गीली हो गई। इसकी वजह से किसानों को नुकसान हुआ है। मौसम के बदलाव व बारिश के होने से सामान्य तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। ठंडी हवा के चलने से गर्मी के मौसम में भी ठंड महसूस हो रही है। दिन के तापमान के साथ ही रात के तापमान में भी गिरावट चल रही है। मंगलवार को सुबह से शाम तक आकाश में बादल छाए रहे। दोपहर में हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी भी हुई। दोपहर बाद अचनाक तेज बारिश हुई। किसान दशरथसिंह पलेई, रामजीलाल करीरिया, तुलसीराम चौधरी, गिर्राज खटाणा, सीताराम माहुर व नाथूलाल कसाना सहित अन्य किसानों ने बताया कि बेमौसम बरसात से सिवाय नुकसान के कुछ नहीं है। कटी हुई फसलों के गीले हो जाने से दाना कमजोर होने की संभावना हो गई है। जिससे भाव भी कम मिलेंगे।

खेत पर बने मकान में लगी आग : रामगंजमंडी उपखंड क्षेत्र के पीपाखेड़ी गांव में खेत पर बने एक मकान में अचानक आग लग गई।

जानकारी के अनुसार आग बिजली की स्प्रिंग (तार) में खराबी के कारण लगी बताई जा रही है। आग लगने से खेत में रखा चारा और पाइप जलकर पूरी तरह खाक हो गए। इस घटना में करीब 20 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। ग्रामीणों की मदद से किसी तरह आग पर काबू पाया गया।

स्मैक सहित दो जनों को पकड़ा, बाइक जब्त

छबड़ा, (निसं)। पुलिस ने मादक पदार्थ स्मैक के खिलाफ कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 21.55 ग्राम स्मैक व मोटरसाइकिल को जब्त किया।

■ आरोपियों के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया

सीआई राजेश खटाना के अनुसार विशेष अभियान ऑपरेशन नशा विनाश के तहत की जा नाकाबंदी के तहत जाब्ता कडैयावन कच्चा रास्ता छबड़ा कवाई मुख्य रोड खोपर गांव पहुंचा। यहां आने-जाने वाले वाहनों को चैक कर रहे थे कि एक बाइक छबड़ा की तरफ से आ रही थी, जिस पर दो व्यक्ति बैठे थे। जिन्हें रोकना चाहा लेकिन उक्त बाइक चालक ने पुलिस वाहन व जाब्ते को देखकर अपने बाइक को तेज गति से कडैयावन कच्चे रास्ते की तरफ ले जाने लगा, जिस पर संदेह होने पर पीछा कर डिटेन किया तो चालक से नाम पता पूछा तो बाइक चालक ने घबराई हुई स्थिति में अपना नाम राकेश मीणा (26) पुत्र मूलचन्द निवासी वार्ड नम्बर दो छीपाबड़ौद व पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम व पता भगवान सिंह मीणा पुत्र मूलचन्द निवासी कडैया थाना हरनावदाशाहजी का होना बताया। जिनसे कारण पूछा तो कोई संतोषप्रद जबाब नहीं दिया। डिटेनशुदा भगवानसिंह मीणा की तलाशी लेने पर जैब में अवैध मादक पदार्थ स्मैक मिली। आरोपी के कब्जे से मिली 21.55 स्मैक व एक बाइक को जप्त किया जाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। स्मैक के क्रय-विक्रय के बारे में पूछा तो बताया कि यह स्मैक सुरेन्द्र मीणा निवासी प्रेमपुरिया छीपाबडौद से खरीदना बताया तथा रामचरण प्रजापति निवासी खोपर को बेचान करने की बात कही। इस पर आरोपियों के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है।

मोर पर श्वानों का हमला

निवाई, (निसं)। मंगलवार की सुबह रास्ते में विचरण कर रहे राष्ट्रीय पक्षी मोर पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। मोर की चीख पुकार सुनकर भागीरथ सैनी, धर्मराज कजोटिया व सोहन माली ने कुत्तों से मोर को बचा लिया।

पड़ौसी के कूलर में आये करंट से मासूम की दर्दनाक मौत

खेलते-खेलते पड़ौसी के घर के गेट पर पहुंचा था बालक

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बनाड़ स्थित खोखरियां, सांसियों की ढाणी में दस साल के मासूम की करंट लगने से मौत हो गई। वह खेलते हुए पड़ौसी के घर के गेट पर पहुंचा और वहां लगे कूलर की चपेट में आने से करंट लग गया। घटना के समय बारिश भी हो रखी थी। बच्चें की मां ने पड़ौसी परिवार को नामजद कर केस दर्ज कराया है।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि खोखरियां, सांसियों की ढाणी में रहने वाला दस वर्षीय रेहान पुत्र पवन सांसी सोमवार की सुबह खेलते हुए पड़ौसी के मकान तक आ गया, जहां गेट पर एक कूलर लगा हुआ था। इस दौरान वह कूलर के नजदीक आ गया और उसे करंट लग गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। मृतक रेहान की मां सुमन ने अपने पड़ौसी सोनाराम आदि के खिलाफ केस दर्ज कराया है। गेट पर कूलर लगाने से हादसे में उसके बच्चे की जान गई है। बनाड़ पुलिस ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन को सुपुर्द किया गया है। इसमें अठिाम जांच की जा रही है। वक्त घटना क्षेत्र में बारिश भी हो रखी थी।

कोटा : जेकेलॉन अस्पताल परिसर में वाहन पार्किं शुल्क को लेकर विवाद

मरीज के परिजन व स्टैण्ड कर्मचारियों के बीच झगड़ा हो गया था

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना क्षेत्र स्थित जेकेलॉन अस्पताल परिसर में संचालित वाहन स्टेंड पर मरीज के परिजन व स्टैण्ड संचालक कर्मचारी के बीच पर्ची शुल्क काटने को लेकर विवाद का मामला सामने आया है, इसमें मरीज के साथ आए परिजनों और पार्किंग स्टाफ के बीच झगड़ा हो गया। पार्किंग शुल्क को लेकर शुरू हुए इस झगड़े में हाथापाई तक नौबत आ गई। झगड़े के दौरान पत्थरबाजी का भी मामला सामने आ रहा है। पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ है। मामले की सूचना मिलते ही अस्पताल के उप अधीक्षक भी मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना पुलिस को दी गई, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची।

■ विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट की नौबत आ गई, झगड़े में दोनों तरफ के लोगों को चोट आई है

जानकारी के अनुसार बूंदी जिले से एक कार में कुछ जने मरीज को लेकर अस्पताल आए थे और जब वह कार को लेकर निकलने लगे तो वाहन स्टैण्ड पर कार्यरत कर्मचारी ने उनको पार्किंग शुल्क कटवाने के लिए कहा था, जिसको लेकर विवाद हो गया और विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट की नौबत आ गई। झगड़े में दोनों तरफ के लोगों को चोट आई।

जेकेलॉन अस्पताल उप अधीक्षक डॉ. अमित जोशी ने बताया कि जेकेलॉन अस्पताल स्टैण्ड पर हंगामे की सूचना मिलने पर मौके पर गये। अस्पताल उप अधीक्षक ने बताया कि कुछ जने कार से आये थे और पार्किंग शुल्क को लेकर दोनों तरफ से झगड़ा हो गया, जिसमें मरीज के परिजनों को भी चोट आई और स्टैण्ड पर कार्यरत कर्मचारियों को भी चोट आई है। मौके पर पहुंचकर इसकी सूचना पुलिस को दी गई। उप अधीक्षक ने कहा कि पुलिस जांच के बाद हमारी कमेटी बनाई जाएगी, अगर पार्किंग कर्मियों की गलती हुई तो कठोर कार्यवाही की जायेगी।

नयापुरा थाने के सब इंस्पेक्ट दीपेन्द्र शर्मा ने बताया कि जेकेलॉन अस्पताल में वाहन पार्किंग शुल्क को लेकर मरीज के परिजनों व स्टैण्ड पर कार्यरत कर्मचारी के बीच विवाद हो गया था। दोनों तरफ से लोगों ने एक दूसरे के साथ मारपीट की शिकायत दी है, दोनों तरफ से शिकायत लेकर मामला दर्ज किया गया है, सीसीटीवी फुटैज के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

खाईवाली करते दो गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के एयरपोर्ट पुलिस थाना क्षेत्र शिकारगढ़ में रात के समय एक दुकान में गुब्बा खेलने की सूचना पर पहुंची पुलिस को विरोध झेलना पड़ा। गुब्बेड़ी ने एक पुलिसकर्मी की कलाई को दांतों से काट लिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। मौके से दो जनों को गिरफ्तार किए जाने के साथ गुब्बा की पर्चियां और खाली व लिखित डायरियां आदि जब्त की गई। आरोपी संगठित गिरोह बनाकर गुब्बा खाईवाली कर लोगों को नुकसान पहुंचा रहे थे। एक का दस गुना पर गुब्बा खेला जा रहा था।

एयरपोर्ट थाना पुलिस ने बताया कि 30 मार्च की रात हैड कांस्टेबल रामखिलाड़ी, कांस्टेबल अजय एवं वाहन चालक कांस्टेबल राकेश आदि शिकारगढ़ में कन्हैया नगर, एसबीआई बैंक के पास एक दुकान में गुब्बा खेलने की जानकारी पर वहां पहुंचे। तब पुलिस को देखकर दो तीन लोग फरार हो गए। फरार हुए व्यक्तियों की पहचान दिलीप, मोहन एवं संजय प्रजापत के रूप में की गई। फिर पुलिस ने मौके से सुभाष विश्रोई एवं सोहनलाल को पकड़ा। घटना के समय एसबीआई बैंक के पास स्थित जगदम्बा वाइंस शॉप के पास वाली दुकान के अन्दर लाइट जलती नजर आई तथा दुकान का शटर बाहर से नीचे किया था। उसके किसी प्रकार का लॉक नहीं लगा था।

संक्षिप्त

आम सभा आयोजित

निवाई। जिला सहकारी कर्मचारी संगठन की आम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से शिवचरण शर्मा को आगामी तीन वर्षों के कार्यकाल के लिए दूसरी बार जिलाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष शिवचरण शर्मा ने नवीन जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए जिला सदस्य के रूप में टोंक शाखा से बृजमोहन गुर्जर व मुश्ताक खान, निवाई शाखा से भैरूलाल खंगार, शिवराज माली व कमल मीणा, उनियारा शाखा से बद्रीलाल गुर्जर, हंसराज गुर्जर व द्वारकाप्रसाद गोस्वामी को शामिल किया है। इसी प्रकार पीपलू शाखा से राजेश यादव व शंकर लाल शर्मा, मालपुरा शाखा से भंवरलाल जाट, सुनिल कुमार शर्मा व रामजीलाल साहू, टोडारायसिंह शाखा से मुकेश जाट व मदनलाल धाकड़, देवली शाखा से महावीर सैनी व भरत कुमार वैष्णव तथा दूनी शाखा से शंकरलाल गुर्जर एवं ओमप्रकाश नागर को मनोनीत किया है। जिनको पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। बैठक में संगठन के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करने के साथ ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई।

जांगिड़ ब्राह्मण महासभा की बैठक 4 को

निवाई। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा की तहसील सभा निवाई की साधारण सभा 4 अप्रेल को श्री विश्वकर्मा मंदिर में तहसील अध्यक्ष कन्हैयालाल जांगिड़ सिरस की अध्यक्षता में आयोजित होगी। कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश चैनपुरा ने बताया कि बैठक में विगत 3 वर्ष के कार्यकाल का आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत कर नवनियुक्त पदाधिकारियों को कार्यभार संभलवाया जाएगा। साथ ही सामाजिक गतिविधियों पर विचार विमर्श किया जाएगा।

केडी बैरवा महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष मनोनीत

मनोहरपुर। अंबेडकरवादी सामाजिक कार्यकर्ता केडी बैरवा को राजस्थान प्रदेश राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद राजस्थान की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष मनोनीत किया गया राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण मगरिया की सहमति से राजस्थान प्रदेश राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद के अध्यक्ष जगदीश मीणा ने जयपुर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता केडी बैरवा को भीम की धरती राजस्थान की संगठन की महिला प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है इस नियुक्ति पर राजस्थान के समस्त दलित पिछड़े एवं अंबेडकरवादी समाज ने जगदीश मीणा प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण मागरिया का आभार व्यक्त किया है एवं केडी बैरवा महिला प्रदेश अध्यक्ष को बधाइयां दी है यह जानकारी देते हुए प्रदेश महामंत्री देवीलाल बैरवा ने बताया कि नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केडी बैरवा एक माह में प्रदेश की कार्यकारिणी एवं जिला अध्यक्षों का मनोनयन करके प्रदेश को रिपोर्ट करेंगी।

अवैध खनन रोकने के लिए खोदी खाईयां

टोंक। शहर के पास स्थित बक्का बंधा वनखंड क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे अवैध खनन पर वन विभाग ने कार्यवाही करते हुए एक दर्जन से अधिक रास्तों को खाइयां खोदकर बंद कर दिया, कार्यवाही में जेसीबी मशीन की मदद से खनन और परिवहन के रास्ते रोक दिए गए हैं। वन विभाग ने बताया कि पक्का बंधा वनखंड क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन की शिकायतें मिल रही थीं, इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की है। इस दौरान टीम ने जेसीबी की मदद से करीब एक दर्जन अवैध रास्तों को खाइयां खोदकर बंद कर दिया, जिससे खनन सामग्री के परिवहन पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके। अभियान के दौरान सहायक वन संरक्षक अनुराग महर्षि भी मौके पर मौजूद रहे। और पूरी कार्रवाई की निगरानी की। इस अभियान में बीसलपुर कंजर्वेशन रिजर्व और टोंक रेंज का वन स्टाफ भी शामिल रहा, जिसने संयुक्त रूप से कार्रवाई को अंजाम दिया।

नम्बर मिलाइए
9587884433

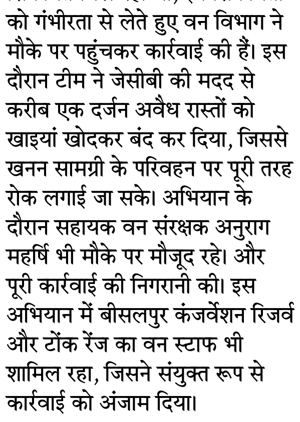

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'सपनों को पूरा करने के लिए लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना होता है'

किशनगढ़ बास। मेवात के 25 गांवों में बालिका शिक्षा पर 20 साल से निरन्तर काम कर रही एमिड संस्था की करीब 30 लीडर बालिकाओं ने अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक जया सिंह के साथ संवाद कर सपनों को साझा किया। इस मौके पर पुलिस अधिकारी ने बालिकाओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए मोटिवेशन किया और कहा जो सपना देखा है उसको लक्ष्य बनाकर पूरा करोगे तो जरूर सफलता मिलेगी।

संस्था की डिप्टी डायरेक्टर आशा नारंग ने बताया कि पुलिस अधिकारी जया सिंह से मुलाकात के लिए 25 गांवों से पहुंची लीडर बालिकाओं ने खुद का परिचय देते हुए मेवात में शिक्षा पर काम कर रही संस्था के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सबने अपने अपने सपनों को साझा किया। आगे बढ़ने में आ रही कठिनाई व चुनौतियों का सामना कर जीवन में कैसे आगे बढ़कर सपनों को पूरा किया जाएं इस पर अधिकारी से सुझाव मांगे।

बालिका नुसरत मिर्जापुर ने पुलिस अधिकारी को बताया कि मैने दसवी तक पढाई की है मे शादीशुदा हू मेरे एक बच्चा भी है, मै एमिड से पिछले काफी दिनो से जुडी हुई हु एमिड संस्थान हमारी काफी मदद करती है बालिकाओ को छात्रवृती दिलाती है ,ड्राप आऊट बालिकाओ को शिक्षा की मुख्यधारा से जोडती है , हमको जीवन कोशल के सत्र देती है जिससे हमको काफी मदद मिलती है।

ऐसे ही सनोबर ने बताया कि एमिड की वजह से मुझे छात्रवृत्ती मिली जिससे मुझे पढाई मे मदद मिली है। सानिया बाघोडा ने बताया मेरे मा बाप मुझे पढा नही रहे थे।

आज मैं संस्था की वजह से एल एल बी कर रही हू । मेरा सपना है की मैं एक दिन बडी वकिल बनू ओर गरीबो की सेवा करू। एमिड संस्था की ओर से ऐसे प्रयास समय समय पर अधिकारियों से अनुभव साझा कराने के लिए किए जाते हैं जिससे बालिकाओं को आगे बढ़ाने में मदद मिल सके।

इस दौरान एमिड संस्थान के सचिव नूर मोहम्मद ने अतिरिक्त पुलिस अधिकक को बताया कि हमारी संस्थान सन 2005 से मेवात क्षेत्र मे बालिका शिक्षा को लगातार बढावा देने का काम कर रही है।

गांव गांव मे हमने लीडर बालिका बना रखी है जो बालिका शिक्षा से जोडने मे मदद करती है। संस्थान की तरफ से किशोरीयो को उनके जीवन मे आने वाली चुनौतियो से निपटने हेतु उनको जीवन कोशल के सत्र दिया जाता है। जिससे मेवात में शिक्षा के प्रति जागरूकता आई है। इस मोके पर समुदाय समन्वयक जुमर खान , पी सी जगत , एम आई कोडिनेटर शहनाज, हारून मोजूद रहे।

एडीशनल एसपी जया सिंह से मुलाकात कर अनुभव साझा करने पहुंची मेवात की बालिकाएं।

- मेवात में 20 साल से शिक्षा पर काम कर रही एमिड संस्था की 25 गांवों की 30 बालिकाओं ने एडीशनल एसपी जया सिंह से मुलाकात कर अनुभव साझा किया

लालसोट के होनहारों ने 12वीं रिजल्ट में नया इतिहास रचा

लालसोट। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा कक्षा 12वीं के आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस तीनों संकायों का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने परिणाम जारी किया। इस वर्ष परिणामों में पिछले साल की तुलना में हल्की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे शिक्षा जगत में चर्चा तेज हो गई है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो आर्ट्स संकाय का परिणाम 97.54 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष 97.78 प्रतिशत था। कॉमर्स का परिणाम 98.50 दर्ज हुआ, जबकि गत वर्ष यह 99.07 प्रतिशत था। वहीं साइंस संकाय का परिणाम 97.52 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष 98.43 प्रतिशत था। इस वर्ष 12वीं की परीक्षाएं 11 मार्च को समाप्त हुई थीं, जिनमें कुल 9,10,009 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। खास बात यह रही कि बोर्ड के इतिहास में पहली बार मार्च माह में ही परिणाम घोषित कर दिया गया। गिरावट के बीच लालसोट के छात्रों का जलवा

जहां एक ओर पूरे प्रदेश में परिणामों में गिरावट देखने को मिली, वहीं लालसोट क्षेत्र के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्यामपुरा कलां के छात्र अमित कुमार मीणा ने 99.20 प्रतिशत अंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। वहीं विज्ञान संकाय में इशीता शर्मा, पुत्री संदीप शर्मा (निवासी लालसोट) ने 98.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार उपलब्धि हासिल की।

नेहा मीणा ने 95 प्रतिशत, दीपाली शर्मा (ककराला) ने 94 प्रतिशत और तनीषा सैन (लालपुरा) ने 93.20 प्रतिशत अंक हासिल कर यह साबित कर दिया कि बेटियां हर क्षेत्र में आगे है। परिणामों में हल्की गिरावट जरूर दर्ज हुई है।

कला व वाणिज्य में छात्राएं अव्वल

फुलेरा। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा उच्च माध्यमिक परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। परिणामों में फुलेरा क्षेत्र के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। साइंस संकाय के छात्र चिंटू जांगिड़ ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की।

कोटपूतली-बहरोड़ में जयपुर रेंज आईजी का आकस्मिक दौरा

कोटपूतली। जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश जिला कोटपूतली-बहरोड़ के आकस्मिक दौरे पर रहे। इस मौके पर उनका जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी सतवीर सिंह ने पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान आईजी राहुल प्रकाश द्वारा जिले के पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर ऑपरेशन एन्टी वेनम पर अधिक से अधिक कार्यवाही करने हेतु दिशा-निर्देश दिये गये। साथ ही "एक काम-बच्चों के नाम" के ध्येय को ध्यान में रखते हुये अवैध मादक पदार्थो के विरूद्ध कार्यवाही जारी रखने के निर्देश दिये। वहीं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों को लेन में चलाने हेतु प्रभावी कार्यवाही करने व पुलिस वाहनों पर लेन ड्राईव का स्टीगर/एलईडी फ्लैक्स लाईट लगाकर वाहन चालकों/आमजन को जागरूक करने हेतु निर्देशित किया गया। नवीन आपराधिक कानून की प्रभावी क्रियान्विति के संबंध में निर्देश दिये गये। जिले में अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था के संबंध में विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान संपन्न

निवाई। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश व जिला संगठन के निर्देशानुसार भाजपा डांगरथल मण्डल के तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत मंडल अध्यक्ष केदार दोहण के नेतृत्व प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य वक्ता भाजपा जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, जिला सोशल मीडिया प्रभारी गणेश सैनी, मंडल अध्यक्ष केदार दोहण, डांगरथल मंडल प्रभारी रतनदीप गुर्जर, वक्ता सूरज्ञान गुर्जर व महिला मोर्चा अध्यक्ष कैलाशी देवी गुर्जर सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। मुख्य वक्ता जिला महामंत्री विष्णु शर्मा ने कहा कि भाजपा देश की सबसे बडी पार्टी है। इसकी मजबूत बनाने में युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं है बल्कि एक जीवंत विचार है। जिला सोशल मीडिया प्रभारी गणेश सैनी ने कहा कि भाजपा की मंशा है कि सरकारी योजनाओं का प्रत्येक व्यक्ति को लाभ मिले।

उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ता में एकजुट हो। अध्यक्ष केदार दोहन ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ होता है। जिसको संगठन में सम्मान मिलना चाहिए। प्रशिक्षण में मंडल महामंत्री रामकरण गुर्जर, शक्ति केंद्र संयोजक भरतसिंह राजावत, गजानन्द खटीक, मंडल उपाध्यक्ष कालूराम लुनिया, रमेशसिंह कोठारी, मंडल मीडिया प्रभारी रामप्रसाद आकोडिया, राकेश हनोतिया, श्योजीराम आकोडिया, लालाराम नेकाडी, श्रवण जोधपुरिया व राधामोहन जांगिड़ सहित कई पदाधिकारियों ने बूथ प्रबंधन एवं बूथ स्तरीय कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत चर्चा की और संगठन की मजबूती पर जोर दिया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर में चर्चा करते हुए भाजपा के कार्यकर्ता।

- भाजपा देश की सबसे बडी पार्टी- विष्णु शर्मा

मंदिर से आज निकाली जाएगी झांकी

किशनगढ़ बास। तुम रक्षक काहू को डर ना, आपन तेज सम्हारो आपै, तीनों लोक हांक ते कांपे जैसे जयघोषों के बीच संकटमोचन हनुमान जी महाराज के जन्मोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं, लेकिन इस बार आयोजन से पहले गैस सिलेंडर की किल्लत ने हनुमान भक्तों की चिंता बढ़ा दी है।

बताया जा रहा है कि 2 अप्रैल को आयोजित होने वाले भंडारे के लिए आयोजकों को लाख प्रयासों के बावजूद गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। एजेंसी संचालकों ने प्रशासनिक सख्ती का हवाला देते हुए हाथ खड़े कर दिए हैं। ऐसे में आयोजक असमंजस में हैं कि भंडारे की व्यवस्था कैसे की जाए। विडंबना यह है कि जिस प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत घर-घर गैस पहुंचाकर लकड़ी के धुएं से मुक्ति दिलाने की पहल की गई थी, आज उसी के दौर में सिलेंडर न मिलने से हनुमान भक्तों को प्रसाद के लिए फिर से लकड़ी की भट्टियों का सहारा लेना पड़ रहा है। आयोजकों का कहना है कि भंडारे में हजारों लोगों के लिए भोजन तैयार किया जाता है, जिसके लिए बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर की आवश्यकता होती है।

विधिक शिविर में छात्रों को साइबर अपराध की जानकारी दी

टोंक। निवाई में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश दिनेश कुमार के सानिध्य में एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर का उद्देश्य छात्रों को उनके अधिकारों, कर्तव्यों और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना था। शिविर के दौरान, छात्रों को फिशिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, पहचान की चोरी, साइबर स्टॉकिंग और डिजिटल अरेस्ट सहित साइबर अपराध के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें इन अपराधों से बचाव के उपाय भी बताए गए। सार्वजनिक वाई-फाई से बचना और व्यक्तिगत जानकारी साझा न करना शामिल था। प्रतिरक्षा अधिवक्ता बुधराम चौधरी ने छात्रों को राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी या साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज कराने और साइबर सेल को वेबसाइट पर रिपोर्ट करने के लिए प्रेरित किया।

- छात्रों को फिशिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, साइबर स्टॉकिंग और डिजिटल अरेस्ट सहित साइबर अपराध के के बारे में जानकारी दी

सेशन न्यायाधीश के सानिध्य में शिविर का आयोजन किया।

सौम्या ने 12वीं कला वर्ग में हासिल 97 प्रतिशत किए

कोटपूतली। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा मंगलवार को जारी किए गए 12वीं कला वर्ग के परीक्षा परिणाम में कोटपूतली की प्रतिभावान छात्रा सौम्या शुक्ला ने अपनी उत्कृष्ट उपलब्धि से शहर, परिवार और विद्यालय का मान बढ़ा दिया है। सौम्या शहर के गोविंद विहार कॉलोनी निवासी पत्रकार बालकृष्ण शुक्ला और बिंदु शुक्ला की पुत्री हैं। सौम्या ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार का नाम रोशन किया, बल्कि जिले की मेधावी छात्राओं में भी अपना स्थान पक्का किया। सौम्या ने वर्ष 2024 में दसवीं में भी लगभग 96 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। शिव सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा सौम्या ने बताया कि उसने यह उपलब्धि पूरी तरह शिक्षकों के मार्गदर्शन, खुद के अनुशासन, नियमित अध्ययन और आत्मविश्वास के परिणाम है। विशेष बात यह है कि सौम्या ने यह सफलता बिना किसी कोचिंग या ट्यूशन के हासिल की। सामान्य दिनों में वह रोज 3 से 4 घंटे पढ़ाई करती थी, जबकि परीक्षा के दिनों में अध्ययन समय बढ़कर 6 से 8 घंटे तक हो जाता था। सौम्या के पिता बालकृष्ण शुक्ला पेशे से पत्रकार हैं और माता बिंदु शुक्ला गृहणी। सफलता की राह में गुरुजनों के मार्गदर्शन के साथ-साथ ताऊजी स्वतंत्र पत्रकार आनंद पंडित, दादी सावित्री देवी, छोटी बहन रिया शुक्ला और भाई प्रियांशु शुक्ला का भी उसे भरपूर सहयोग और उत्साहवर्धन मिला। आगे भविष्य की योजनाओं को लेकर सौम्या ने बताया कि वह आने वाले समय में सिविल सर्विसेज की तैयारी करेगी और प्रशासनिक सेवा में अपना योगदान देना चाहती है।

इधर, परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय में खुशी का माहौल देखने को मिला। स्कूल के निदेशक बद्रीप्रसाद शर्मा, कार्यकारी निदेशक हृदेश शर्मा, डॉ.घनेश गौड़ तथा अन्य शिक्षकों ने सौम्या शुक्ला का गर्मजोशी से स्वागत कर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी। सौम्या की इस सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि लगन, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आराजी खाता नं. **5/133, 111/50, 6/134, 113/51, 12, 153/31, 112/72** जिनके खसरा नं. **125, 165/1, 165/2, 167, 168, 70, 113, 75, 124, 169, 103, 491 ग्राम श्रीरामपुरा पंचायत हल्का पटवारी लाखना तहसील सांगानेर जिला जयपुर** विवादित कृषि भूमि है जिसके बाबत् मुकदमा मेरे अभिभाष्य **श्री राधेश्याम शर्मा वगैराह बनाम अन्य** के मध्य माननीय राजस्व अपील अधिकारी, जयपुर के यहां लम्बित है। उपरोक्त खसरा नम्बरान को **श्री लल्लू नारायण, संजय कुमार एवं श्रीमती गैंदी देवी** बेचान करना चाहते हैं। चूंकि, मुकदमा अभी चल रहा है जिससे बेचान करना कानूनन अवैध है। अत: कोई भी व्यक्ति या संस्था किसी प्रकार की क्रय, हस्तान्तरण, रहन आदि की कार्यवाही नहीं करें। सूचित रहे।

भवदीय
सीताराम खाण्डल, एडवोकेट
मो. 9414719041

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकार कम्पनी मै.आधार हाऊसिंग फाई.लि. शाखा अलवर के समक्ष श्री विशन सिंह शेखावत पुत्र हितेन्द्र सिंह शेखावत, निवासी 5/81, काला कुंआ, हाऊसिंग बोर्ड अलवर द्वारा एक सम्पत्ति जो कि मकान नं. 5/42, साउथ वेस्ट ब्लॉक काला कुंआ, हाऊसिंग बोर्ड अलवर में स्थित है को रहन रखकर ऋण हेतु आवेदन किया है।

वणित बंधक रहने हेतु सम्पत्ति को आवंटन पत्र, कब्जा पत्र जो कि राजस्थान आवासय मंडल अलवर द्वारा पदम चंद भाटिया को प्रदान किये गए थे इसके पश्चात संपत्ति की कन्वेस डीड दिनांक 31/03/2025 को रा.आ.मंडल द्वारा पदम चंद भाटिया को पंजीकृत करवाई गई जिसका पंजीयन क्रमांक 2005000225 पर चस्पा है इसके इस क्रम में संपत्ति की परपीचुल लीज भी पंजीकृत करवाई गई जो कि पंजीयन क्रमांक 2005000224 पर चस्पा है इसके पश्चात संपत्ति का बेचान पदम चंद भाटिया द्वारा विशन सिंह शेखावत को विक्रय पत्र पंजीयन सं. 202403069103034 के माध्यम से बेचान किया गया।

इसके पश्चात रा.आ.मंडल अलवर द्वारा संपत्ति का नाम परिवर्तन 1188/776 दिनांक 26/09/2024 पत्र के माध्यम से विशन सिंह शेखावत को किया गया। उपरोक्त विवरण में आवंटन पर कब्जा पत्र कन्वेस डीड परपीच्युल लीज भी गुम हो गई है अतः किसी दीगर को खोये हुए दस्तावेजों के संबंध में एवं ऋण व्यवहार के संबंध में आपत्ति हो तो मुझे 7 दिवस में सूचित करें। मियाद गुजरने के बाद आपत्ति स्वीकार नहीं कि जाएगी।

विजय यादव, 3/545 काला कुंआ,
हाऊसिंग बोर्ड, अलवर (राज.)
मो.-9950838002 / 8233468592

नाम परिवर्तन

मैं, वैदिक (VAIDIK), निवासी 86/180, सेक्टर-8, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर (राजस्थान), स्वयं घोषित करता हूँ कि मैंने अपना नाम वैदिक (VAIDIK) से बदलकर वैदिक मलिक (VAIDIK MALIK) कर लिया है। भविष्य में सभी अभिलेखों में यही नाम मान्य होगा।

मैं, वैदांगी (VAIDANGI), निवासी 86/180, सेक्टर-8, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर (राजस्थान), स्वयं घोषित करती हूँ कि मैंने अपना नाम वैदांगी (VAIDANGI) से बदलकर वैदांगी मलिक (VAIDANGI MALIK) कर लिया है। भविष्य में सभी अभिलेखों में यही नाम मान्य होगा।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्लाट नम्बर ए 179 श्री दादू दयाल नगर ए, ग्राम कल्याणपुरा तहसील सांगानेर जिला जयपुर जिसका कुल एरिया 266.66 वर्गगज है का पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर मालिक जुगल किशोर शर्मा एचयूएफ कर्ता जुगल किशोर शर्मा था । जुगल किशोर शर्मा का निधन दिनांक 21.08.2012 को हो गया जिसका निधन होने के उपरान्त उक्त एचयूएफ का कर्ता भुवनेश किशोर शर्मा होना बताया गया है। जुगल किशोर शर्मा एचयूएफ के कॉपासनर्स में पुत्रगण बृजेश किशोर शर्मा, गोपेश किशोर शर्मा एवं पत्नी श्रीमती शान्ति देवी शर्मा एवं पुत्री कृष्णा शर्मा है इसके अलावा अन्य कोई कॉपासनर्स नही है तथा उक्त सभी ने भुवनेश किशोर शर्मा को जुगल किशोर शर्मा एचयूएफ का कर्ता बनाये जाने मे किसी प्रकार का कोई एतराज नही बताया है तथा सभी ने उक्त एचयूएफ की सम्पतियों को बेचान किये जाने के लिये भुवनेश किशोर शर्मा को अपना मुखत्यारआम नियुक्त किया है तथा अब जुगल किशोर शर्मा एचयूएफ जरिये कर्ता भुवनेश किशोर शर्मा ने उपरोक्त सम्पत्ति को बेचान किये जाने के लिये इकरार किया है तथा एचडीएफसी बैंक से लोन लिया जाना है यदि इसमें किसी भी व्यक्ति, वित्तीय संस्था अथवा बैंक आदि को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस के अन्दर अद्योहस्ताक्षरकर्ता के पास लिखित में मय सबूत सम्पर्क करे अन्यथा बाद गुजरने मियाद आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सतीश चन्द्र गुप्ता (एडवोकेट)
मो. 9414056003
87 प्रभात कॉलोनी, विजयबाड़ी पथ
नम्बर 07 सीकर रोड जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/2067
चूंकि प्रार्थी श्री BABU LAL SHARMA, LAMBA KI DHANI, DAHMI KALAN, JAIPUR, RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री राधा गोविन्द गौशाला समिति DAHMI KALAN, TEHSIL - SANGANER, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 27.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 05.06.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/2089
चूंकि प्रार्थी श्री RAJESH KUMAR BHARDWAJ, 32 A, PRATAP NAGAR, OLD RAMGARH MOD, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास स्नेह फाउंडेशन 32 A, PRATAP NAGAR, OLD RAMGARH MOD, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 30.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 08.06.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/2072
चूंकि प्रार्थी श्री ARUN KUMAR GANGWAL, B 34, SUBHASH NAGAR NEAR SHASTRI NAGAR JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास SAMUDAYIK KENDRA SUBHASH NAGAR PRABANDH SAMITI JAIPUR, SAMUDAYIK KENDRA SUBHASH NAGAR SHOPING CENTER JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 30.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 08.06.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

उड़ान टीम एवं जन सेवा समिति ने पावटा में 'परिंडा अभियान' का शुभारंभ किया

पावटा। गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने के उद्देश्य से उड़ान टीम एवं जन सेवा समिति द्वारा चलाए जा रहे 'परिंडा अभियान' का शुभारंभ महंत श्री मंगलदास महाराज ने किया।

इस अवसर पर भरतदास जी की बगीची में 11 परिंडे लगाकर अभियान की विधिवत शुरुआत की गई। उड़ान टीम के संयोजक व पूर्व पंचायत समिति सदस्य भाई हरिद्वारीलाल स्वामी ने बताया कि टीम द्वारा हर वर्ष गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए जाते हैं।

इस बार भी क्षेत्र में भीषण गर्मी को देखते हुए 501 परिंडे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही टीम के कार्यकर्ताओं को इन परिंडों में नियमित रूप से पानी भरने व उनकी देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

महंत मंगलदास जी महाराज ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि बेजुबान जीवों की सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि वे इस तरह के सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें, ताकि कोई भी पक्षी प्यास के कारण अपनी जान न गंवाए। कार्यक्रम के दौरान भागीरथ, बंसी पंच, रामकरण मासी, भोले शंकर शर्मा, राजू शर्मा सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने उड़ान टीम के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए टीम का आभार व्यक्त किया।

उड़ान टीम ने बताया कि यह अभियान पूरे गर्मी के मौसम में लगातार जारी रहेगा और अधिक से अधिक स्थानों पर परिंडे लगाकर पक्षियों को राहत पहुंचाई जाएगी।

'परिंडा अभियान' का शुभारंभ महंत श्री मंगलदास महाराज ने किया।

- 501 परिंडे लगाने का लक्ष्य

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज.)

क्रमांक 6924 | दिनांक: 30.03.2026

आपत्ती आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण एव हितधारको को सूचित किया जाता है कि निम्न आवेदनकान द्वारा 69एकेअन्तर्गतअपने भूखण्ड का नियमन कर पट्टा चाहने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया, जिनके आवेदन पत्र परिषद में प्रक्रियाधीन हैं।

अत: कोई भी व्यक्ति/संस्था/ हितधारक उक्त पत्रावलियों/दस्तावेजों का अवलोकन करना चाहे अथवा कोई आपत्ति प्रस्तुत करना चाहे तथा किसी भी आवेदक की पत्रावली के सम्बन्ध में कोई जानकारी चाहते हो, वह अन्दर अवधि 07 योम/ दिवस लिखित रूप में अपनी आपत्ति/उज्र इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता हैं वाद गुजरने म्याद कोई आपत्ति स्वीकार/ समाहित नही की जावेगी तथा पट्टा जारी करने की कार्यवाही अमल में लायी जावोगी।

क्र.स.	नाम आवेदक	पिता/पति का नाम	पता	वर्गगज
1.	श्री अरूण कुमार सोनी श्री योगेश कुमार	श्री रामबक्स सोनी श्री लक्ष्मीचंद	मैग्जीन तिराहा, करौली	491.22
2.	श्री अरूण कुमार सोनी श्री योगेश कुमार	श्री रामबक्स सोनी श्री लक्ष्मीचंद	मैग्जीन तिराहा, करौली	324.96
3.	श्री वीरेन्द्र कुमार हरिजन	श्री कन्हैया	मधुवन विहार कॉलोन के पास	131.15

आयुक्त
नगरपरिषद, करौली

संक्षिप्त

अभय ने 12वीं में 94.20 प्रतिशत अंक प्राप्त किये

शाहपुरा । राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 12वीं विज्ञान वर्ग परीक्षा 2026 के घोषित परिणाम में शाहपुरा के प्रतिभाशाली छात्र अभय सैनी पुत्र विजयपाल सैनी ने 94.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मालियों की ढाणी, वार्ड नम्बर 6 शाहपुरा निवासी अभय सैनी ने कुल 500 में से 471 अंक हासिल कर प्रथम श्रेणी में शानदार सफलता प्राप्त की है। अभय सैनी जनता बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय, न्यू कॉलोनी शाहपुरा के छात्र है। इनके पिता विजयपाल सैनी पत्रकार एवं माता सुमन देवी देवी, ताऊ संतोष कुमार सैनी ने बेटे की इस उपलब्धि पर खुशी जताई और इसे मेहनत व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम बताया। परिवार और विद्यालय में खुशी का माहौल है। परिजनों, मित्रों और क्षेत्रवासियों ने अभय सैनी को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दो दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव की तैयारियां पूर्ण

बौंली- बामनवास। क्षेत्र में 2 अप्रैल गुरुवार को आयोजित हनुमान जन्मोत्सव को लेकर सभी बालाजी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने अपनी तैयारियां पूर्ण करली है।बौंली नगर की शक्तिपीठ रामबाड़ी बालाजी पर आयोजित होने वाले बालाजी जन्मोत्सव कार्यक्रम के तहत 1 अप्रैल आज बुधवार से अखंड रामायण का पाठ प्रारंभ किया जा रहा है, इसके बाद संध्या के समय विभिन्न कलाकारों द्वारा,बालाजी की आकर्षक फूल बंगला झांकी सजाई जाएगी, गुरुवार प्रात 8 बजे से महिलाओं द्वारा भक्ति मय संकीर्तन किया जाएगा10 बजे से महिला-पुरुषों द्वारा सामूहिक सुंदर कांड का पठन एवं दोपहर12 बजे महा आरती के बाद फल आहार एवं सायं5 बजे से सामूहिक प्रसादी वितरण की जाएगी।

अमित जिला समिति के सदस्य बने

किशनगढ़बस। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की जयपुर पीठ के सचिव हरिओम अत्री ने राजस्थान मे नवगठित आठ जिलों में नवीन जिला विधिक सेवा प्राधिकरणो की मॉनिटरी एवं परामर्शदात्री समिति का चयन किया है। नवगठित आठ जिलों में एक खैरथल तिजारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समिति में जिला सचिव, जिला एवं सेशन न्यायाधीश के साथ समिति में सेवानिवृत न्यायिक अधिकारी या अधिवक्ता जो 15 वर्ष या अधिक समय से विधि व्यवसाय कर रहा उसमें खैरथल तिजारा जिले की किशनगढ़ बास अभिभाषक संघ के सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अमित गौड़ का चयन कर नियुक्ति की गई है। वरिष्ठ एडवोकेट अमित गौड़ का जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समिति में चयन किए जाने पर अधिवक्ताओं ने खुशी जाहिर की है। एडवोकेट अमित गौड़ किशनगढ़ बास अभिभाषक संघ के अध्यक्ष भी रहे हैं।

'शिक्षा से ही शिक्षित समाज का निर्माण'

निवाई। संत प्रकाशदास महाराज के सानिध्य में दादूदयाल गौशाला में नाथ समाज के नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री सूरजकरण योगी पहाडिय़ा व प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश योगी धानुगांव का नाथ समाज द्वारा साफा व माला पहनाकर स्वागत सत्कार किया। प्रदेश महामंत्री सूरजकरण योगी ने कहा कि समाज के विकास के लिए भामाशाह व युवाओं को आगे आने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को उच्च स्तरीय शिक्षा से जोडें। शिक्षा से ही शिक्षित समाज का निर्माण होगा। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर योगी, समाज सेवी शंभू नाथ मुहाना, चौथमल योगी पीपलू, बद्रीनाथ दहलोद, चिरंजीलाल योगी सिरोही व अध्यापक कमल योगी गड्डा आनन्दपुरा सहित शीतला माता सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के सभी सदस्य मौजूद थे।

मानवी ने 94.20 प्रतिशत अंक प्राप्त किये

दूदू । माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर के द्वारा जारी 12वीं कक्षा के परिणाम में मानवी कुमावत ने 94 पॉइंट 20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने क्षेत्र एवं परिजनों का नाम रोशन किया कुमावत ने बताया कि बिना कोचिंग के घर पर रहकर पढ़ाई की तथा शिक्षकों से समय-समय पर उचित मार्गदर्शन प्राप्त किया के बाद सफलता मिली।

सुनहरे भविष्य के लिए पढ़ाई के साथ बच्चों को मिले व्यवहारिक ज्ञान : दिया कुमारी

सांभरझील। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि बच्चों का बचपन पढ़ाई के बोझ तले नहीं दबना चाहिए बल्कि उन्मुक्त वातावरण में रहकर ही उनको पढ़ाई के साथ व्यवहारिक ज्ञान भी मिले तभी हम राजस्थान के सुनहरे भविष्य की कल्पना को पूर्ण रूपेण साकार कर सकते हैं।

दिया कुमारी ने कहा कि बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं बल्कि जीवन जीने के व्यावहारिक तौर तरीकों को भी समझाना होगा जो राजस्थान की संस्कृति को जिंदा रखने में अहम भूमिका अदा करते हैं। बचपन से ही उन्हें खेलने कूदने की आजादी मिले और शारीरिक स्वस्थता के साथ वे अपने बौद्धिक स्तर का भी विकास कर सकें ऐसी सोच के साथ हमें आगे बढ़ना होगा। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सांभर की पीएम श्री राजकीय दरबार उच्च माध्यमिक विद्यालय में

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी 'आंगनबाड़ी चलो अभियान' के तहत प्रवेशोत्सव व विदाई समारोह में शामिल हुई।

आंगनबाड़ी चलो अभियान कार्यक्रम के तहत समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रदेश में दिए गए अपने योगदान के लिए जमकर सराहना की तथा उन्हें इस महत्वपूर्ण योगदान में और बढ़ोतरी करने हेतु आव्हान किया।

दिया कुमारी ने कहा कि अब आंगनवाड़ी में आने वाली बच्चों को बस्तो का बोझ नहीं उठाना होगा वे अपने बस्ते आंगनबाड़ी केंद्र में ही रख कर आएंगे, हम नहीं चाहते हैं कि इनका बचपन बस्तों के बोझ तले दब जाए और

- उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बच्चों को खिलौने व टोफियां दी तथा एक बच्चे के जन्मदिन पर केक काटकर उसको आशीर्वाद दिया

मानसिक रूप से टूट जाए। इनको खेल-कूद के साथ इस प्रकार से पढ़ाई कराई जाए जिससे वे यहां से मजबूत स्तंभ के रूप में निकले। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बच्चों को खिलौने और टोफियां दी तथा एक बच्चे के जन्मदिन पर केक काटकर उसको आशीर्वाद दिया। आंगनबाड़ी चलो अभियान के तहत प्रवेशोत्सव व विदाई समारोह के कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने भी अपने विचार व्यक्त कर बच्चों की ओर से प्रस्तुत विभिन्न कार्यक्रमों की सराहना की। समारोह में उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल, विद्यालय के टीकमचंद मालाकार सहित अनेक ने अपनी बात रखी। इससे पहले स्थानीय स्कूल ड्रम, राजस्थानी वेशभूषा में सजी बालिकाओं द्वारा तिलक लगाकर और एनसीसी कैडेट की सलामी से अतिथियों का स्वागत किया गया। नागरिक विकास समिति के माध्यम से स्कूल में देवेंद्र व धर्मेंद्र शर्मा द्वारा शीतला माता मंदिर निर्माण, ओपन जिम निर्माण की घोषणा के साथ 10 आंगनबाड़ी गोद लिया। कार्यक्रम की आयोजक महिला बाल विकास अधिकारी सपना मौर्य रही। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी ऋषिराज कपिल, ईओ छगनलाल यादव सहित समस्त विद्यालय स्टाफ, छात्र छात्राएं, आगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही।

श्रीराम जन्मोत्सव को लेकर हुई भजन संध्या

सिरस। केशवराय मन्दिर में श्रीराम जन्मोत्सव को लेकर एकादशी पर वार्षिक भजन संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें देर रात तक श्रद्धालुओं ने भजनामृत का आनन्द लिया। गायक देवानंद राव उज्जैन ने गाइये गणपति जग वन्दन भजन के साथ भजन संध्या का शुभारंभ किया।

इसके बाद उन्होंने राम जन्म सुन आई, कौशल्या माता दे दो बधाई भजन की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को साथ-साथ गाने व नाचे पर विवश कर दिया। गायक राकेश अजान ने मिल जाओ राम तरस रही अखियां, जन्मे चारों भैया, अवध में बाजे बधाइयां सहित कई भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। श्रीराम जन्मोत्सव की वार्षिक भजन संध्या में गांव पराना, मौजा, खेड़ा, श्योसिंहपुरा, नटवाड़ा, बहड़, बस्सी, भेरूगंज व मेहताबपुरा सहित कई गांव के लोगों ने भाग लिया।

पंचायतराज चुनावों में ईडब्लूएस आरक्षण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

निवाई। उपखंड अधिकारी कार्यालय में दशरथ सिंह पलेई के नेतृत्व में पंचायतराज चुनाव में ईडब्लूएस के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर एसडीएम के प्रतिनिधि को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपा है। दशरथ सिंह पलेई ने बताया कि श्री प्रताप फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने एसडीएम प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपकर बताया कि पंचायतराज चुनावो में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के संबंध में भारत के संविधान के 73 वें संशोधन के अनुसार राजस्थान में पंचायती राज अधिनियम में एससी, एसटी व ओबीसी वर्ग को पंचायतराज चुनाव में आरक्षण की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा संविधान के 103 वे संशोधन के

उपखंड अधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपते हुए कार्यकर्ता।

माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सरकारी नौकरियां एवं शैक्षिणक संस्थानों में 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से पंचायतीराज चुनाव में ईडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण मांग की है। ज्ञापन देने वालों में गोविंदसिंह चौहान, एडवोकेट नारायणसिंह राजावत, सीताराम शर्मा, रामावतार शर्मा, जसवीर सिंह, कानसिंह राजावत, नरेंद्र शर्मा, राकेश शर्मा व लक्ष्मीचंद शर्मा सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

कर्नल बैसला की पुण्यतिथि पर जुटा गुर्जर समाज

भरतपुर । गुर्जर समाज के प्रमुख नेता रहे कर्नल किरोड़ी सिंह बैसला की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर आज बयाना उपखंड के कारवारी पीलूपुरा गांव स्थित शहीद स्थल पर बड़ी संख्या में समाज के लोग एकत्रित हुए। श्रद्धांजलि सभा के साथ-साथ समाज के लोगों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। इस दौरान रीट 2018 भर्ती में 372 पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर शहीद स्थल पर टेंट लगाकर धरना प्रदर्शन भी शुरू किया गया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से जल्द नियुक्ति देने की मांग दोहराई और चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा। मौके की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। शहीद स्थल पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है, साथ ही 10 से अधिक पुलिस सेवा के आरपीएस अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

कर्नल बैंसला की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा में लाइब्रेरी का शुभारंभ

निवाई। शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में प्रेरणास्त्रोत रहे कर्नल किरोडीसिंह बैंसला की चतुर्थ पुण्यतिथि के पर वीर गुर्जर छात्रावास में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत तहसीलदार एवं श्री देवनारायण मंदिर ट्रस्ट जोधपुरिया के अध्यक्ष नरेश गुर्जर एवं छात्रावास समिति के अध्यक्ष रामभजन गुर्जर द्वारा कर्नल बैंसला के चित्र पर

- कार्यक्रम की शुरुआत देवनारायण मंदिर ट्रस्ट जोधपुरिया के अध्यक्ष नरेश गुर्जर ने कर्नल बैंसला के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया

पुष्पांजलि अर्पित करके किया। श्री देवनारायण मंदिर ट्रस्ट जोधपुरिया के अध्यक्ष नरेश गुर्जर ने कर्नल किरोडीसिंह बैंसला के जीवन को संघर्षों, अनुशासन व समाज के प्रति समर्पण को याद करते हुए उन्हें एक युगपुरुष बताया। इस दौरान नरेश गुर्जर

कर्नल किरोडीसिंह बैंसला को पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि देते हुए कार्यकर्ता।

द्वारा छात्रावास में एयर कंडीशनर लाइब्रेरी का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला लाइब्रेरी के रूप में नामकरण कर लाइब्रेरी के शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी से छात्रावास के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी व स्वाध्याय के लिए एक बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि कर्नल बैंसला का सपना था कि समाज का हर युवा शिक्षित व आत्मनिर्भर बने। यह लाइब्रेरी उसी सपने को साकार करने की दिशा में एक बडा कदम है। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर कर्नल साहब को भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके बताए गए शिक्षा व सामाजिक सुधारों के आदर्शों को निरंतर आगे बढाने के लिए संकल्प लिया।

इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री रतनदीप गुर्जर, दयाराम भड़ाना, सुरेश ड़ोई, गिर्राज बोकण, कैप्टन सीताराम चौहान, देवालाल उमरवाल, रामकिशन बहादुरपुरा सहित कई लोग मौजूद थे।

शहर की सम्पूर्ण सर्कुलर रोड को सिक्स लेन बनाने की मांग

भरतपुर । समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने भरतपुर शहर के समग्र, संतुलित एवं दीर्घकालीन विकास को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री को विस्तृत पत्र लिखकर शहर की वर्तमान यातायात व्यवस्था, भविष्य में बढ़ते ट्रैफिक दबाव, व्यापारिक गतिविधियों तथा सामाजिक संरचना को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए आग्रह किया है कि भरतपुर शहर के सम्पूर्ण सर्कुलर रोड को सिक्स लेन में विकसित किया जाए, जिससे पूरे शहर में एक समानता (एकरूपता) बनी रहे और विकास कार्य चरणबद्ध एवं संतुलित तरीके से आगे बढ़ सके। गुप्ता ने अपने पत्र में लिखा है कि वर्तमान में भरतपुर शहर में काली की बगीची से आर.बी.एम. हॉस्पिटल तक तथा हीरादास से कुम्हेर गेट तक फ्लाईओवर निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त आर.बी.एम. हॉस्पिटल से चांदपोल गेट तक की सड़क को सिक्स लेन में परिवर्तित करने का कार्य भी जारी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का असमान और खंड-खंड में किया जा रहा विकास शहर की दीर्घकालीन आवश्यकताओं को पूर्ण करने में सक्षम नहीं होगा। भविष्य में पुनः बड़े स्तर पर संशोधन की आवश्यकता उत्पन्न हो सकती है। पत्र में कहा है पूरे सर्कुलर रोड को एक साथ सिक्स लेन में विकसित किया जाता है, तो यह शहर के लिए एक स्थायी एवं प्रभावी समाधान सिद्ध होगा। इससे शहर के सभी प्रमुख क्षेत्रों के बीच यातायात का दबाव समान रूप से वितरित होगा, जाम की समस्या में कमी आएगी तथा आवागमन तेज, सुरक्षित और सुगम हो सकेगा। इसके साथ ही यह कदम भरतपुर शहर को एक आधुनिक एवं सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान करेगा, जिससे शहर की पहचान भी सुदृढ़ होगी।

गुप्ता ने पत्र में फ्लाईओवर निर्माण से उत्पन्न होने वाली संभावित समस्याओं पर भी गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि फ्लाईओवर के नीचे अक्सर अनुपयोगी स्थान बन जाता है, जहां समय के साथ आवारा पशुओं का जमावड़ा होने लगता है। यह न केवल यातायात के लिए खतरा बनता है, बल्कि दुर्घटनाओं की संभावना को भी बढ़ाता है। इसके अतिरिक्त, रात्रि के समय ऐसे स्थान असामाजिक तत्वों के लिए गतिविधियों का केंद्र बन सकते हैं, इसके साथ ही उन्होंने भरतपुर-डीग मार्ग पर स्थित कंजोली लाइन फ्लाईओवर तथा भरतपुर-मथुरा मार्ग पर बने रारह ओवरब्रिज की वर्तमान स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की।

'पीएम राहत योजना प्रत्येक नागरिक के लिए जीवन रक्षक सुरक्षा कवच'

भरतपुर। जिला कलक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में वर्चुअल माध्यम से सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक

- बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

जिला कलक्टर ने एनएचएआई अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही से पूर्व संबंधित उपखंड

कलक्टर कमर चौधरी ने वर्चुअल माध्यम से सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक ली।

अधिकारी, तहसीलदार एवं पुलिस प्रशासन को कम से कम सात दिन पूर्व सूचित किया जाए, ताकि आवश्यक पुलिस जाब्ता समय पर उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही में समझाइश के साथ प्रबुद्ध जनों का सहयोग लेने तथा ड्रोन के माध्यम से वीडियोग्राफी कराने के निर्देश दिए, जिससे अतिक्रमित क्षेत्रों का सटीक आकलन किया जा सके। साथ ही अतिक्रमणकर्ताओं को पूर्व सूचना देते हुए नोटिस जारी करने एवं संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर प्रकरणों का निस्तारण करने की बात कही।

बैठक में प्रधानमंत्री राहत योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल पात्र व्यक्तियों को दुर्घटना की तिथि से सात दिनों तक प्रति पीड़ित 1.50 लाख रुपये तक कैशलेस उपचार सुविधा उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई। जिला कलक्टर ने कहा कि दुर्घटना के बाद समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए सीएमएचओ को अस्पतालों में पोस्टर, बैनर एवं पम्पलेट के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें जिससे इस दौरान एनएचएआई अधिकारी द्वारा आगामी तीन दिनों में सारस चौराहा से लगभग 200 मीटर दूरी पर नया कट खोलने की जानकारी दी गई। जिला कलक्टर ने सारस चौराहा से आगरा गेट की ओर मीडियन कट पर ट्रैफिक लाइट संचालन हेतु बीडीए आयुक्त को अवगत कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर बनाए गए बस स्टॉप पर रोडवेज एवं निजी बसों द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही सवारी चढ़ाने-उतारने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही बस स्टॉप पर साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर करने तथा घना गेट पर प्लास्टिक बैरियर को व्यवस्थित रूप से लगाने के निर्देश दिए।

उप कारागृह बहरोड़ का निरीक्षण

कोटपूतली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डिम्पल जन्डेल द्वारा मंगलवार को उप कारागृह बहरोड़ का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान बहरोड़ उप कारागृह में कुल 69 बंदी निरूद्ध पाये गये। सचिव द्वारा बंदीयों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं के बारे में अवलोकन करते हुये विस्तार से जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान उप कारागृह में बंदीयों हेतु खाना तैयार किया जा रहा था, खाने की गुणवता अच्छी पाई गई। बंदीयों द्वारा भी उपलब्ध खाने को अच्छा बताया गया।

निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा स्थापित लीगल ऐड क्लिनिक की गतिविधियों एवं संधारित रजिस्टर की जांच की गई। इसके अतिरिक्त ऐसे बंदीयों की जानकारी ली गई जिसे 01 वर्ष से अधिक समय कारावास में हो चुका है एवं जिनके प्रकरण कोटपूतली-बहरोड़ न्याय क्षेत्र में स्थित न्यायालयों में विचाराधीन है। साथ ही ऐसे बंदीयों से भी जानकारी ली गई जिनके कोई निजी अधिवक्ता नहीं हो।

सार-समाचार

डॉ. धोलीवाल 'राजस्थान समरसता गौरव अवॉर्ड' से सम्मानित

कोटपूतली। राजस्थान स्थापना दिवस पर राजधानी जयपुर स्थित रोटरी क्लब में आयोजित राष्ट्रीय समरसता सांस्कृतिक समन्वय समारोह में स्थानीय राजपूताना पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एच.एन. धोलीवाल को शिक्षा, समाज सेवा एवं राष्ट्र हित में नैतिक मूल्यों की स्थापना हेतु किये गये योगदान के लिये मुख्य अतिथि सिक्किम के पूर्व राज्यपाल व न्यायमूर्ति एस. एन. भार्गव, कार्यक्रम अध्यक्ष राज्यमंत्री व राजस्थान अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार नायक, विशिष्ठ अतिथि प्रसिद्ध कानूनविद् एवं इंटरनेशनल रोमा कल्चर यूनिवर्सिटी नई दिल्ली के कुलपति डॉ. एच.सी. गणेशिया एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह द्वारा प्रतिष्ठित "राजस्थान समरसता गौरव अवॉर्ड" से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच एवं राष्ट्रीय समता मंच के संयुक्त तत्वाधान में 25 राष्ट्रों के राष्ट्र ध्वजों की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में डॉ. एच.एन. धोलीवाल ने भारत की एकता संम्प्रभुता व सांस्कृतिक समन्वय की सराहना करते हुये विष्व बन्धुत्व व अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों की प्रगाढ़ता को आत्मसात् करने की बात कही। उन्होंने राजस्थान के वीर शौर्य को नमन करते हुये वीर सपूतों की गौरवशाली गाथाओं पर प्रकाश डाला। डॉ. धोलीवाल को प्रतिष्ठित राजस्थान समरसता गौरव अवार्ड मिलने पर उनके शुभचिन्तकों, मित्रों व प्रबुद्धजनों ने हर्ष व्यक्त कर बधाई दी।

मंजू सैनी भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता पद पर मनोनीत

मनोहरपूर। भाजपा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार भाजपा महिला मोर्चा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौर ने प्रदेश पदाधिकारीयों की घोषणा करी। जिसमें शाहपुर नगर परिषद क्षेत्र से मंजू सैनी को भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता के पद पर मनोनीत किया गया। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि मंजू सैनी पूर्व में सरपंच, पंचायत समिति शाहपुरा में प्रधान, जिला परिषद सदस्य, जिला आयोजना समिति सदस्य, भाजपा जयपुर देहात जिला उपाध्यक्ष , जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा, प्रदेश किसान मोर्चा मंत्री, प्रदेश किसान महिला मोर्चा मंत्री के पद पर भी मनोनीत हो चुकी है तथा पार्टी के प्रति पूर्ण निष्ठा, समर्पण, लगन, मेहनत के फलस्वरूप आज भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में अपनी विशेष पहचान बनाये हुए हैं। सूचना मिलने पर भाजपा पूर्व जिला मंत्री एवं पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष व ग्राम पंचायत खोरी जीएसएस अध्यक्ष रवीश खटाणा, बीएसएनल सलाहकार संतोष माधाणी, नगर परिषद सभापति बी ड़ी सैनी, भाजपा शाहपुरा शहर मंडल अध्यक्ष मालीराम सैनी, कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर राज जोशी, ओबीसी मोर्चा जिला प्रवक्ता ओमप्रकाश भडाणा, महामंत्री राजेश पलसानियां, उपाध्यक्ष राकेश दाधीच, पार्षद कानाराम योगी, पार्षद इंद्राज पलसानियां, पार्षद पी भगेरिया, बिरदीचन्द गुर्जर, हीरा लाल गुर्जर, रामनारायण गुर्जर सहित भाजपा कार्यकर्ताओं, स्थानीय लोगों एवं शुभचिंतकों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाइयां प्रेषित की।

बैठक संपन्न

पावटा। अक्षय तृतीया भगवान परशुराम का प्रकट उत्सव 19 अप्रैल को भव्य रुप से मनाये जाने के लिए आदर्श रामलीला मैदान पावटा में ब्राह्मण समाज की बैठक संपन्न हुई। ब्राह्मण महासभा नगर पावटा प्रचार मंत्री मोहन गौड ने बताया कि बैठक में पावटा नगर ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष सुरेश शर्मा के नेतृत्व में भगवान परशुराम के प्रकटोत्सव को भव्यता के साथ मनाये जाने के लिए विस्तार से चर्चा करते हुए पीले चावल बांटने, सर्व समाज के लोगो से संपर्क करने का विचार करने, कार्यक्रम को लेकर प्रशासन को अवगत करवाने, आगामी 19 अप्रैल को भगवान परशुराम के प्रकट उत्सव पर शाम 4 बजे से आदर्श रामलीला मैदान पावटा से एक भव्य शोभायात्रा प्रारंभ होगी ज्यों नगर के मुख्य बाजारो व मार्गो से होते हुए वापस आदर्श रामलीला मैदान पावटा पहुंचकर महाआरती के साथ संपन्न होगी। बैठक में कहा गया कि इस बार आयोजन भव्य और दिव्य से रूप से आयोजित किया जाएगा। इसके लिए रूरेखा तय कर जिम्मेदारी दी गई। बताया गया कि आयोजन के लिए अंतिम बैठक 10 अप्रैल 2026 दिन शुक्रवार को संपन्न होगी। जिसमें कार्यक्रम को लेकर अंतिम रूप प्रदान किया जाएगा। बैठक में पावटा नगर ब्राह्मण महासभा संरक्षक सुरेश शास्त्री, अध्यक्ष सुरेश शर्मा, उपाध्यक्ष गिरिराज बोहरा, दीपक पटेल, महामंत्री विष्णु पटेल, कोषाध्यक्ष ललित शर्मा, प्रचार मंत्री मोहन गौड, आदर्श रामलीला मंडल अध्यक्ष योगेश शर्मा, विष्णु शर्मा, शंकर पाकोजरा, मोहित शर्मा, हिमांशु शर्मा सहित विप्र बंधु मौजूद रहे।

किसान की 10 क्विंटल सौंफ तबाह, दो बीघा खेत बना बर्बादी का मैदान

लालसोट। ग्राम पंचायत डिगो में काले रोग ने एक किसान की सालभर की मेहनत को पलभर में तबाह कर दिया। किसान अमित सैनी की दो बीघा उपजाऊ जमीन में लहलहाती सौंफ की फसल अचानक रोग की चपेट में आ गई, जिससे करीब 10 क्विंटल उत्पादन पूरी तरह बर्बाद हो गया। किसान के अनुसार फसल पूरी तरह तैयार थी और अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन काले रोग ने तेजी से फसल को अपनी चपेट में ले लिया। हरी-भरी फसल देखते ही देखते काली पड़ गई और दाने खराब हो गए। इस भारी नुकसान से किसान को आर्थिक रूप से गहरा झटका लगा है। बढ़ती लागत के बीच फसल बर्बाद होने से किसान के सामने संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित किसान ने प्रशासन से तत्काल सर्वे कर मुआवजा देने की मांग की है। स्थानीय किसानों में भी इस बीमारी को लेकर डर का माहौल है। उन्होंने कृषि विभाग से तुरंत प्रभावी कार्रवाई और रोग नियंत्रण के उपाय लागू करने की मांग की है, ताकि अन्य किसानों की फसल को बचाया जा सके।

मुस्कान ने 12वीं कक्षा में 98.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किये

शाहपुरा । उदावाला की मुस्कान वर्मा ने 12वीं कक्षा (कला वर्ग) में 98.40 प्राप्त कर गांव का नाम रोशन किया। छोटी बहन खुशबू वर्मा ने 10वीं कक्षा में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। पिता बोदूराम वर्मा एक निजी महाविद्यालय व विद्यालय में अध्यापन कराते है। माता मीना देवी एक गृहणी है। मुस्कान वर्मा ने मनोहरपुर के डीपीएस विद्यालय में अध्ययन किया है। मुस्कान ने अपनी सफलता का श्रेय पापा बोदूराम वर्मा, माता मीना देवी, बड़े पापा लीलाराम वर्मा, मामा मुकेश कुमार गिरदावर व विद्यालय के समस्त गुरूजनों को दिया है। मुस्कान वर्मा भविष्य में सिविल सेवा में जाना चाहती है। मुस्कान को बधाई देने हेतु महेश जडवाल (समाज सेवक), अर्जुन मोहनपुरिया (पूर्व सरपंच, मनोहरपुर), मामा मुकेश कुमार गिरदावर व ग्रामीण मौजूद थे।

राहुल ने 12 वीं में 95.4प्रतिशत अंक किये

चौमूं / कालाडेरा। चौमूं उपखंड के ग्राम जयसिंहपुरा में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,जयसिंहपुरा के कक्षा 12वीं (सत्र 2026) का परीक्षा परिणाम अत्यंत उत्कृष्ट एवं गौरवपूर्ण रहा। विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम क्षेत्र में गौरवान्वित किया है। विद्यालय के मेधावी छात्र राहुल यादव ने 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि भारती यादव ने 93.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा अर्जुन वर्मा ने 84.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। इन विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है तथा क्षेत्रभर में प्रसन्नता व्यक्त की जा रही है। इस उत्कृष्ट परिणाम पर विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं समस्त शिक्षकगणों ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए इसे उनकी कठिन मेहनत, अनुशासन, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सतत सहयोग का परिणाम बताया। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, क्षेत्र एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

जो 4 मेहमान होटल आए थे वे लंबे समय से उनके दोस्त और फैमिली मेंबर हैं। शाहीन शाह अफरीदी ने ही उनसे रिक्वेस्ट किया था कि उनके दोस्तों को अंदर लाने में मदद करें।

– सिकंदर रजा

पाक खिलाड़ी, होटल की सुरक्षा के आरोप को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मोहम्मद शमी

टीम इंडिया से बाहर चल रहे मोहम्मद शमी ने अपने रिटायरमेंट को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने अपने संन्यास पर कहा कि, जब मैं थक जाऊंगा, मैं उस दिन खेल छोड़ दूंगा। लेकिन अभी मैं रिटायरमेंट के बारे में सोच भी नहीं रहा हूं, क्योंकि ऐसी सोच आपको पीछे खींचती है। अगर ये विचार आपके मन में आता है तो इसका मतलब है कि आप बोर हो गए हैं और मैंने ये पहले भी कहा है जिस दिन मैं सुबह उठूंगा और ये तय करूंगा कि मैं बोर हो गया हूं, उसी दिन मैं क्रिकेट छोड़ दूंगा। तो हां, जिस दिन मुझे आलस आएगा या मैं बोर हो जाउंगी, मैं क्रिकेट छोड़ दूंगा।

भारत ने अक्टूबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ 297/6 का स्कोर बनाया, जो टी-20 इतिहास में किसी भी फुल मेंबर टीम का सर्वोच्च स्कोर है।

जयपुर क्रिकेट एकेडमी ने सुराना एकेडमी को हराया, सिद्धि शर्मा ने चार विकेट लिये

जयपुर, 31 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा एल वी फार्मा द्वारा प्रायोजित महिला ए डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में जयपुर क्रिकेट एकेडमी ने सुराना एकेडमी को 8 विकेट से हराया। सुराना एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरजू विश्नोई के 15 रन, कृति उपाध्याय के 10 रन, भूमिका जांगिड़ के 14 रन, आकृति यादव के 12 रन से 29 ओवर में 94 रन बनाकर आउट हो गई। जयपुर क्रिकेट एकेडमी के लिए सिद्धि शर्मा ने 11 पर 4, प्रिया सामोता ने 22 पर 3, मैना सियोल व वेदिका सिंह ने एक - एक विकेट लिए। जवाबी पारी में जयपुर क्रिकेट एकेडमी ने शिवानी चौधरी के 32 रन, सीमा जाट के 42 रन नाबाद से 19.5 ओवर में 2 विकेट पर 95 रन बनाकर मैच जीत लिया। सुराना एकेडमी के लिए भूमिका जांगिड़ व आरजू विश्नोई ने एक - एक विकेट लिया।

स्टेट लेवल यूथ कंप अंडर-17 नैना एकेडमी ने केएमआर एकेडमी को हराया

जयपुर, 31 मार्च। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर -17 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए मैच में नैना एकेडमी ने के एम आर एकेडमी को 5 विकेट से हराया। नैना ग्राउंड पर के एम आर एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए माधव गोपाल के 40 रन, अमन चौधरी के 46 रन, जीतू के 48 रन, हर्ष पांडे के 19 रन, वीर के 14 रन व कृष्ण के 12 रनो से 35 ओवर में 8 विकेट 195 रन बनाए नैना एकेडमी के लिए आरव चौधरी ने 34 पर 2, आशीष शर्मा ने 38 पर 2, ऋषभ, आशीष प्रजापत व कल्पेश शर्मा ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में नैना एकेडमी की टीम को बारिश से बाधित मैच में वी जे डी नियम से 22 ओवर में 137 रनो का लक्ष्य मिला जो 19.5 ओवर में 5 विकेट पर प्राप्त कर लिया नैना एकेडमी के लिए मानव रोधा ने 38 रन, रोहित चार्नेल ने 38 रन, निश्चल शर्मा ने 16 रन व उर्मित सिंह ने नाबाद 15 रन बनाए। के एम आर एकेडमी के लिए कृष्णा, जीतू व अमन चौधरी ने एक - एक विकेट लिया।

पंच गौरव योजना के तहत चौगान स्टेडियम में हुआ कबड्डी शिविर का आयोजन

जयपुर, 31 मार्च। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर के चौगान स्टेडियम में पंच गौरव - एक जिला, एक खेल योजना के तहत कबड्डी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ट्रैक सूट एवं स्पोर्ट्स शूज प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह में यह भी उल्लेख किया गया कि चौगान स्टेडियम से अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कबड्डी खिलाड़ी निकलकर देश-प्रदेश का नाम रोशन कर चुके हैं। यह कबड्डी प्रशिक्षण शिविर 22 मार्च से 31 मार्च तक आयोजित किया गया, जिसमें खिलाड़ियों के लिए आवास, भोजन एवं प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई। शिविर में कुल 22 बालक एवं 22 बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। बालक वर्ग को कोच श्री फूलचंद गुर्जर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया, जबकि बालिका वर्ग में महिला कोच आशा चौधरी ने प्रशिक्षण प्रदान किया। जिला खेल अधिकारी मान सिंह निर्वाण ने बताया कि पंच गौरव - एक जिला, एक खेल राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक जिले में चयनित खेल को बढ़ावा देकर स्थानीय प्रतिभाओं को निखारना एवं उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराना है।

भारतीय वुशू टीम ने रचा इतिहास

जयपुर 31 मार्च। अंतर्राष्ट्रीय वुशु संघ के तत्वावधान में दिनांक 23 से 31 मार्च 2026 तक तिआनजिन, चीन में आयोजित 10वीं विश्व जूनियर वुशु प्रतियोगिता में भारतीय वुशु टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य पदकों सहित कुल 9 पदक जीतकर इतिहास रच दिया। हीरानंद कटारिया, उपाध्यक्ष, भारतीय वूशू संघ एवं सचिव, राजस्थान वूशू संघ, ने स्वर्ण पदक विजेताओं में थोंगाम उपेन्द्रो (45 किग्रा जूनियर बालक), नोंगमैथेम (52 किग्रा जूनियर बालक) तथा लोइतोंगबाम विक्टर (52 किग्रा यूथ बालक), रजत पदक मे युगराज (48 किग्रा यूथ), कोंथौजाम देविकरानी देवी (ताईची इवेंट), कांस्य पदक विजेताओं में गौतम मनकास (48 किग्रा जूनियर), अनु (48 किग्रा यूथ), राजकुमारी लांचेनबी चानू (चांगक्वान गर्ल्स) तथा कोंथौजाम देविकरानी देवी (ताईजिक्वान) को बधाई दी।

राजस्थान के कुशाग्र बीसीसीआई अंडर-19 हाई परफॉरमेंस कैंप हेतु बेंगलुरू जायेंगे

जयपुर 31 मार्च। बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले राजस्थान के युवा प्रतिभावान खिलाडी कुशाग्र ओझा को बीसीसीआई की आल इंडिया जूनियर चयन कमेटी ने बंगलुरु में बीसीसीआई द्वारा आयोजित होने वाले अंडर हाई परफॉरमेंस प्रशिक्षण शिविर हेतु चयनित किया गया है। कुशाग्र ओझा बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में आगामी दिनांक 11 मई से दिनांक 9 जून तक आयोजित होने वाले अंडर 19 हाई परफॉरमेंस कैम्प में भाग लेंगे।

पंजाब ने गुजरात को 3 विकेट से हराया

// डेब्यू मैच में कूपर कोनोली की फिफ्टी //

मुल्लापुर, 31 मार्च। आईपीएल 2026 के चौथे मुकाबले में न्यू चंडीगढ़ में खेले गए मैच में पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को 3 विकेट से हरा दिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए जीटी ने 20 ओवर में 163 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे पंजाब किंग्स ने कूपर कोनोली की दमदार पारी की मदद से 19.1 ओवर में हासिल कर लिया।

मुल्लापुर न्यू चंडीगढ़ के यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और साई सुदर्शन 11 गेंदों में 13 रन बनाकर मार्को यान्सेन का शिकार हो गए। इसके बाद शुभमन गिल और जोस बटलर ने परिस्थिति को संभालने की कोशिश की। हालांकि, युजवेंद्र चहल ने गिल को ज्यादा देर मैदान पर नहीं टिकने दिया और वे 27 गेंदों में 39 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। जोस बटलर को भी चहल ने ज्यादा देर नहीं टिकने दिया और वे भी 33 गेंदों में 38 रन बनाकर आउट हुए। बटलर से पहले ग्लेन फिलिप्स को विजय कुमार वैशाक ने पवलियन भेजा। वैशाक ने शानदार गेदंबाज करते हुए वाशिंगटन सुंदर और शाहरूख खान को क्रमशः 18 और 4 रनों के निजी स्कोर पर पवेलेयिन भेजा। पंजाब किंग्स की ओर से चहल ने दो, वैशक ने 3 और मार्को यान्सेन ने एक विकेट हासिल किया।

दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जांयट्स के बीच कांटे की टक्कर

लखनऊ, 31 मार्च। आईपीएल 2026 के पांचवें मुकाबले में बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स की भिड़ंत लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ होगी। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेला जाना है। लखनऊ और दिल्ली के बीच इस लीग में कांटे की टक्कर देखने को मिलती है।आईपीएल में अब तक इन दोनों टीमों के बीच कुल 7 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 4 मुकाबले दिल्ली ने जीते हैं, जबकि 3 मुकाबलों में लखनऊ को जीत मिली हुई है। आईपीएल 2025 में इन दोनों टीमों के बीच कुल 2 मुकाबले खेले गए थे और दोनों ही बार दिल्ली कैपिटल्स विजयी रही थी। दिल्ली अपने इस दबदबे को इस सीजन भी कायम रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

दिल्ली की टीम इस सीजन काफी संतुलित नजर आ रही है। टॉप ऑर्डर में टीम के पास केएल राहुल का अनुभव मौजूद है। राहुल का प्रदर्शन पिछले सीजन कमाल का रहा था और उन्होंने 13 मैचों में 149 के स्ट्राइक रेट से 539 रन बनाए थे। राहुल के जोड़ीदार के तौर पर पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है। अभिषेक पोरेल ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। पोरेल ने 13 मैचों में 146 के स्ट्राइक रेट से 301 रन बनाए थे। करुण नायर, ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर से भी इस सीजन टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मिलर के आने से टीम का मध्यक्रम और ज्यादा संतुलित दिख रहा है। समीर रिजवी और आशुतोष शर्मा फिनिशर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स का टॉप ऑर्डर काफी दमदार दिख रहा है। मिचेल मार्श और एडेन मार्करम से इस सीजन भी टीम को बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं, निकोलस पूरन अकेले दम पर किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं। हालांकि, कप्तान ऋषभ पंत की फॉर्म लखनऊ टीम के लिहाज से काफी अहम होगी। हालांकि, लखनऊ का मिडिल ऑर्डर कमजोर दिख रहा है।

बीसीसीआई के समर्थन में उतरे, पारम्परिक केंद्र ही नहीं हर जगह खेले जायें टेस्ट : गांगुली

नई दिल्ली, 31 मार्च। भारत के पूर्व कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली चाहते हैं कि ईडन गार्डंस पर ज्यादा से ज्यादा टेस्ट हों लेकिन उन्हें यह देखकर भी खुशी होती है कि पारंपरिक प्रारूप के मैच गुवाहाटी और रांची जैसे केंद्रों पर खेले जा रहे हैं। बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह भारतीय क्रिकेट टीम के 2026-27 के घरेलू सत्र का ऐलान करते हुए आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के टेस्ट कोलकाता और मुंबई जैसे पारंपरिक केंद्रों पर नहीं कराने का फैसला किया है। ये मैच 21 जनवरी से 25 फरवरी तक नागपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जायेंगे। गांगुली ने स्पोटर्सस्टार की किताब 'मिरेकल एट ईडन' के विमोचन से इतर कहा ,'' ईडन

गार्डंस पर बड़े टेस्ट मैच होते देखना हमेशा अच्छा लगता है। कैब के अध्यक्ष और पूर्व खिलाड़ी होने के नाते मैं चाहता हूं कि यहां टेस्ट मैच हो लेकिन हमने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट की मेजबानी की थी। इसके बाद टी20 विश्व कप के मैच हुए और अब आईपीएल के मैच भी यहां हो रहे हैं।'' उन्होंने कहा ,'' हम सभी चाहते हैं कि ईडन पर ज्यादा मैच हो लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि दूसरे मैदानों पर भी मैच होने चाहिये।'' गुवाहाटी नवंबर 2025 में ही टेस्ट केंद्र बना और वहां एक साल के भीतर दूसरा टेस्ट होने जा रहा हैं। वहीं अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर पिछले साल अक्टूबर में ही टेस्ट हुआ था। वानखेड़े स्टेडियम पर आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में खेला गया था। बीसीसीआई के कैलेंडर के अनुसार कोलकाता (तीन जनवरी , 2027) और मुंबई (नौ जनवरी, 2027) में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे होंगे जबकि दिल्ली में इस साल 13 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ वनडे खेला जायेगा। पहली बार इस मसले पर बोलते हुए बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने कहा ,'' पूरे भारत में अच्छे स्टेडियम है। चेन्नई , गुवाहाटी और रांची में टेस्ट होते देखकर अच्छा लगता है।वहां सुविधायें काफी अच्छी है।'' वहीं भारत के पूर्व स्पिनर वेंकटपति राजू ने कहा ,'' हमारे समय में कोलकाता, कानपुर, चेन्नई , दिल्ली और मुंबई में ही टेस्ट होते थे। उसका अपना आकर्षण था और मुझे लगता है कि फिर ऐसा ही होना चाहिये।'' गांगुली ने इस मौके पर यह भी कहा कि ईडन गार्डंस पर 2001 की टीम के मिलने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा ,'' हम ईडन पर यह समारोह करेंगे। इस महीने की शुरूआत में होना था लेकिन सचिन तेंदुलकर के बेटे की शादी के कारण देर हो गई।

मरियम नवाज को महारानी कहना पड़ा महंगा, नसीम शाह पर पीसीबी ने ठोका 2 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, 31 मार्च। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को तेज गेंदबाज नसीम शाह पर विवादित सोशल मीडिया पोस्ट के लिए दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये (72,000 डॉलर) का भारी जुर्माना लगाया लेकिन अब इस पोस्ट को हटा दिया गया है। इस पोस्ट में क्षेत्रीय संकट के दौरान पाकिस्तान सुपर लीग के उद्घाटन मैच में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की मौजूदगी की आलोचना की गई थी। 2026 पीएसएल के पहले मैच के दौरान किए गए इस पोस्ट में गद्दाफी स्टेडियम में मरियम को दिए गए 'महारानी' जैसे शाही स्वागत पर व्यंग्य किया गया था। मरियम पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी और मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की भतीजी हैं। मरियम के संदर्भ में नसीम ने पोस्ट किया था, ''उन्हें लॉर्ड्स की महारानी की तरह व्यवहार क्यों किया जा रहा है? '' यह घटना तब हुई जब पीसीबी ने खाड़ी युद्ध के मद्देनजर ईंधन बचाने और सरकारी खर्च में कटौती के उपायों का पालन करने के लिए लाहौर और कराची में पीएसएल मैचों में प्रशंसकों के आने पर प्रतिबंध लगा दिया था। पीसीबी ने घोषणा की कि उसकी अनुशासन समिति ने नसीम को अपने केंद्रीय अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने और सोशल मीडिया दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने का दोषी पाया है। मरियम के पीएसएल के उद्घाटन मैच में मुख्य अतिथि के तौर पर गद्दाफी स्टेडियम पहुंचने के तुरंत बाद नसीम को 27 मार्च को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। ट्वीट को तुरंत हटा दिया गया था और यह दावा किया गया था कि अकाउंट हैक हो गया था लेकिन पीसीबी ने इस स्पष्टीकरण को स्वीकार नहीं किया। बोर्ड ने कहा कि नसीम ने कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया था और अपने व्यवहार के लिए बिना शर्त माफी भी मांगी थी, लेकिन अनुशासन समिति ने उन्हें अनुशासनहीनता का दोषी पाया।

चेस कैंडिडेट्स में प्रज्ञानानंदा ने ड्रॉ खेला

नई दिल्ली, 31 मार्च। साइप्रस के पाफोस में चल रहे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने दूसर राउंड में चीन के वेई यी के खिलाफ ड्रॉ खेला। दूसरे राउंड में सभी मुकाबले ड्रॉ रहे। विमेंस में दिव्या देशमुख ने वैशाली रमेशबाबू से ड्रॉ खेला। दो राउंड के बाद फैबियानो कारुआना, आर प्रज्ञानानंदा और जावोखिर सिंदारोव 1.5 अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। पहले राउंड में जीत के बाद प्रज्ञानानंदा ने दूसरे दिन भी अच्छा खेल दिखाया और काले मोहरों से वेई यी पर दबाव बनाया। हालांकि वेई यी ने अंत में शानदार वापसी कर मुकाबला बराबरी पर खत्म किया। प्रज्ञानानंदा के पास अतिरिक्त प्यादा था, लेकिन सफेद मोहरों की मजबूत स्थिति के कारण 46 चाल में ड्रॉ हुआ।

अंडर-16 स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग अमरनाथ के शतक व तवीश शर्मा के ऑलराउंड खेल से जीती मोहन क्रिकेट अकादमी व तारीक क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 31 मार्च। चंबल स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित अंडर 16 स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग का दिन का पहला मुकाबला नेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया। जिसमें तारीक क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 44.2 ओवर में 261 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें तवीश शर्मा ने 93 रन व रयान खान ने नाबाद 39 रन व उदित ने 36 रनों की पारी खेली।

जय भारती क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में प्रियांशु माली ने 5 विकेट व सचिन मीणा ने तीन विकेट लीए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जय भारती क्रिकेट एकेडमी 36.2 ओवर में 187 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें प्रियांशु माली ने 48 रन व योजित सैनी ने 24 रनों का योगदान दिया। तारीक क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में मोहन सैनी ने तीन विकेट व विनय शर्मा, चेतन मीना, तवीश शर्मा ने दो-दो विकेट लिए। तारीक क्रिकेट अकादमी ने 74 रन से मुकाबला जीता। दिन का एक अन्य मैच नारायणा क्रिकेट ग्राउंड पर जयपुरिया क्रिकेट अकादमी व मोहन क्रिकेट अकादमी के मध्य खेला गया। जिसमें मोहन क्रिकेट अकादमी पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.5 ओवर में 234 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें अमरनाथ ने 134 रन व अली चौधरी ने 27 रनों की पारी खेली। जयपुरिया क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में दिव्यांश ने तीन विकेट और साहिल डुकिया व लक्ष्यराज पारीक ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जयपुरिया क्रिकेट अकादमी 41.1 ओवर में 109 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें रचित पटेल ने 31 रन व पुलकित ने 30 रनों का योगदान दिया। मोहन क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में नायफ राशिद ने तीन विकेट और मनीष हरितवाल व रवि कश्यप ने दो-दो विकेट लिए। मोहन क्रिकेट अकादमी ने 125 रन से मुकाबला जीता।

वैभव सूर्यवंशी ने दिग्गजों का तोड़ा रिकॉर्ड 300 की स्ट्राइक रेट वाले खास क्लब में की एंट्री

नई दिल्ली, 31 मार्च। आईपीएल 2026 के तीसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स के युवा 15 साल के ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ कमाल की पारी खेली और अर्धशतक लगाते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मुकाबले में राजस्थान को 8 विकेट से जीत मिली और वैभव ने 17 गेंदों पर 52 रन की पारी खेली।वैभव ने अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान 5 बेहतरीन छक्के और 4 चौके भी जड़े साथ ही साथ उनका स्ट्राइक रेट 305.88 का रहा।

वैभव ने अपनी इस पारी के दम पर दो बेहतरीन रिकॉर्ड अपने नाम किए जिसमें उन्होंने सुरेश रैना, रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे समेत 8 भारतीय बल्लेबाजों का रिकॉर्ड एक साथ तोड़ा साथ ही साथ इस लीग में 300 की स्ट्राइक रेट से 50 प्लस की पारी खेलने वाले बैटर्स की लिस्ट में भी एंट्री मारी।आईपीएल में ये दूसरा मौका था जबकि वैभव ने किसी मैच में पावरप्ले से अंदर ही 50 प्लस की पारी खेली।

इसके साथ ही उन्होंने एक साथ सनी सोहल, सुरेश रैना, अजिंक्य रहाणे, प्रभसिमरन सिंह, नितिश राणा, प्रियांश आर्या, करुण नायर और रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इन सभी भारतीय बल्लेबाजों ने इस लीग में पावरप्ले के अंदर एक-एक बार 50 प्लस की पारी खेलने का कमाल किया था। वैभव ने सीएसके के खिलाफ जो 52 रन की पारी खेली इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 305.88 का रहा। इसके बाद वो आईपीएल में 300 की ज्यादा की स्ट्राइक रेट के साथ 50 प्लस की पारी खेलने वाले ओवरऑल 10वें बल्लेबाज बने साथ ही साथ ऐसा करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी चौथे घरेलू मुकाबले में चानमारी एफसी से भिड़ने के लिए तैयार

जयपुर, 31 मार्च। राजस्थान यूनाइटेड एफसी इंडियन फुटबॉल लीग के अपने चौथे घरेलू मुकाबले में चानमारी एफसी का सामना करेगी। यह मैच 1 अप्रैल 2026 को विद्याधर नगर स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसकी शुरुआत शाम 4:00 बजे (आईएसटी) होगी। जैसे-जैसे सीजन एक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर रहा है, राजस्थान यूनाइटेड एफसी अपने घरेलू मैदान के लाभ का पूरा उपयोग करते हुए महत्वपूर्ण अंक हासिल करने का लक्ष्य रखेगी। केवल दो घरेलू मैच शेष रहने के कारण, यह मुकाबला टीम के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने और लीग तालिका में शीर्ष स्थान की ओर बढ़ने का एक अहम अवसर है।

मिजोरम के आइजोल से आने वाली चानमारी एफसी अपनी ऊर्जावान और

अनुशासित खेल शैली के लिए जानी जाती है और उनसे कड़ी टक्कर की उम्मीद है। राजस्थान यूनाइटेड एफसी संयम बनाए रखते हुए, खेल पर नियंत्रण स्थापित करने और महत्वपूर्ण मौकों का फायदा उठाने

का प्रयास करेगी। इस मैच में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी तथा क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रसाद महांकर उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक एवं संरक्षक रामप्रसाद भी मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही विशेष अतिथियों में कुसुम यादव, मेयर, जयपुर हेरिटेज नगर निगम, प्रमोद शर्मा, उद्योगपति एवं समाजसेवी, तथा अजय यादव, उपाध्यक्ष, भाजपा जयपुर शहर शामिल होंगे।

चौथे घरेलू मुकाबले से पहले चेयरमैन के.के. टाक ने कहा: अपने चौथे घरेलू मैच में प्रवेश करते हुए, हमारे लिए अपने समर्थकों के सामने उपलब्ध अवसरों का पूरा लाभ उठाना बेहद महत्वपूर्ण है। टीम ने कड़ी मेहनत की है और मुझे उनके प्रदर्शन पर पूरा विश्वास है। हम अपने प्रशंसकों, राजस्थान यूनाइटेड अल्ट्राज़ से उम्मीद करते हैं कि वे बड़ी संख्या में आकर इस महत्वपूर्ण समय में हमारा समर्थन करेंगे।

राजस्थान के लोकेंद्र सिंह, मान सिंह, अश्लेश पंवार व वीरभद्र सिंह भारतीय हैंडबॉल टीम में

ओपन सेंट्रल एशियन हैंडबॉल चैम्पियनशिप ताशकंद में

जयपुर, 31 मार्च। ताशकंद (उज़्बेकिस्तान) में 31 मार्च से 5 अप्रैल तक आयोजित हो रही पाँचवी ओपन सेंट्रल एशियन हैंडबॉल चैंपियनशिप मैं भाग लेने वाली भारतीय पुरुष टीम में राजस्थान के लोकेंद्र सिंह राठौड़, मान सिंह शेखावत, अश्लेश पंवार व वीरभद्र सिंह का चयन हुआ है। इस चैंपियनशिप में भाग लेने के लिये भारतीय पुरुष हैंडबॉल टीम मंगलवार सुबह ताशकंद पहुँच गई। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि भारतीय टीम में चयनित दौसा के लोकेंद्र सिंह राठौड़ लेफ्ट विंग की पोजीशन पर खेलते है, जयपुर मान सिंह शेखावत राइट बैक पर जबकि जयपुर के ही अश्लेश पंवार राइट विंग की पोजीशन पर, वहीं बांसवाड़ा के वीरभद्र सिंह सेंटर बैक पर खेलते है।

अब राजस्थान के 24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने सोमवार रात पोस्ट कर के इस उपलब्धि की औपचारिक घोषणा की

जयपुर, 31 मार्च। प्रदेश के 22 जिलों के बाद, अब दौसा एवं करौली जिले में भी कृषि उपभोक्ताओं को खेती के लिए दिन के दो ब्लॉक में बिजली सुलभ होने लगी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार रात अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर पोस्ट करके यह बड़ी घोषणा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली देने का महत्वाकांक्षी संकल्प लिया है। इस क्रम में वर्ष 2024-25 के परिवर्तित बजट में यह कार्य चरणबद्ध रूप से वर्ष 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। फिलहाल प्रदेश के 22 जिलों में कृषि उपभोक्ताओं को दिन के दो ब्लॉक में विद्युत आपूर्ति की जा रही है। अब जयपुर विद्युत वितरण निगम के दौसा एवं करौली जिले भी इससे जुड़ने जा रहे हैं।

फिलहाल जयपुर डिस्कॉम के 7 जिलों, धौलपुर, बूंदी, कोटा, झालावाड़, जयपुर, डीग एवं भरतपुर, के किसानों को सिंचाई के लिए दिन के दो ब्लॉक में बिजली उपलब्ध हो रही है।

इसी तरह अजमेर डिस्कॉम के 12 जिलों-अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, डीडवाना-कुचामन, उदयपुर, सलूम्बर, राजसमंद, बांसवाड़ा, झुन्झुनू, सीकर, चित्तौड़गढ़ एवं डूंगरपुर तथा जोधपुर डिस्कॉम के 3 जिलों, जालौर, सिरोही एवं पाली में भी कृषकों को दिन के दो ब्लॉक में बिजली की आपूर्ति की जा रही है।

विगत समय में जयपुर डिस्कॉम ने दौसा एवं करौली जिलों में विद्युत तंत्र को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया है। दौसा जिले में 33 केवी के 18 तथा करौली जिले में 33 केवी के 6 नए ग्रिड सब स्टेशन स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही, दौसा में 33 केवी के 47 सब स्टेशनों पर ट्रांसफार्मरों में 128.95 एमवीए की क्षमता वृद्धि की गई है। वहीं, करौली में 33 केवी के 15 सब स्टेशनों पर 49.45 एमवीए की क्षमता बढ़ाई गई है। दोनों जिलों में पीएम कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी में 32 मेगावाट क्षमता के 17 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इसका लाभ दौसा जिले में 52,460 तथा करौली जिले में 35,341 कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली आपूर्ति के रूप में मिलेगा तथा कड़ाके की सर्दी एवं बारिश में रात्रि के समय सिंचाई करने की मजबूरी नहीं रहेगी।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली देने का महत्वाकांक्षी संकल्प अपनी सरकार के पहले बजट में लिया था तथा वर्ष 2027 तक इस लक्ष्य को पूरा करने का समय निर्धारित किया था।
- सरकार का मानना है कि दिन में बिजली की आपूर्ति किसान को कड़ाके की सर्दी व बारिश में रात को सिंचाई कार्य करने की मजबूरी नहीं रहेगी तथा जंगली जानवरों का खतरा भी नहीं रहेगा।

आज से टोल पर नकद भुगतान बंद केवल डिजिटल पेमेंट होगा

नई दिल्ली, 31 मार्च। देशभर में सड़क इस्तेमाल करने वाले लोग एक अप्रैल से टोल चार्ज नकद नहीं दे पाएंगे, क्योंकि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) पूरी तरह से डिजिटल पेमेंट सिस्टम अपनाने जा रहा है। हाईवे यात्रा को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़े कदम के तौर पर एनएचएआई देशभर के टोल प्लाजा पर नकद भुगतान पर पूरी तरह से रोक लगा देगा।

एक अप्रैल से यात्रियों को टोल चार्ज सिर्फ फास्टैग या यूपीआई जैसे डिजिटल तरीकों से ही देना होगा। इस कदम का मकसद नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे पर टोल कलेक्शन को अधिक कुशल बनाना और ज्यादा पारदर्शिता लाना है।

- हाईवे यात्रा की आधुनिक बनाने के लिए एनएचएआई ने यह नया पारदर्शी कदम उठाया

अधिकारियों का मानना है कि पूरी तरह से डिजिटल सिस्टम से गाड़ियां टोल प्लाजा से अधिक तेजी से निकल पाएंगी, जिससे लंबी लाइनें नहीं लगेंगी और यात्रा का समय बचेगा। टोल बूथ पर तेजी से प्रोसेसिंग होने से ईंधन की खपत कम होने और प्रदूषण में भी कमी आने की संभावना है।

इस बदलाव से कुछ यात्रियों को परेशानी हो सकती है, खासकर उन लोगों को जो डिजिटल पेमेंट के लिए तैयार नहीं हैं।

जयपुर में गैस की कालाबाजारी पर एक्शन, 118 सिलैंडर व उपकरण जब्त

जिला रसद अधिकारी के तीन विशेष दलों ने शहर में सघन निरीक्षण व कार्यवाही की

- खो नागोरियान में नारायण सिटी, जेएनयू अस्पताल के पास, आगरा रोड, गौरव जनरल भंडार व बिंदायका में घरेलू व व्यवसायिक गैस सिलैंडर, रिफिलिंग मोटर आदि उपकरण पकड़े गये।

जयपुर, 31 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार तथा राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव एवं खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के निर्देशों की अनुपालना में, जयपुर शहर में घरेलू एवं व्यावसायिक एलपीजी गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता एवं निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अवैध रिफिलिंग, भण्डारण एवं कालाबाजारी के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया जा रहा है।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण द्वारा 03 विशेष प्रवर्तन दलों का गठन कर शहर में सघन निरीक्षण एवं कार्यवाही की गई। इन दलों में प्रवर्तन अधिकारियों एवं निरीक्षकों को शामिल करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ दबिश देकर अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया गया।

कार्यवाहियों के दौरान, कुल 118 घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर, 3 इलेक्ट्रॉनिक कांटे, 2 उपकरण , 3 रिफिलिंग मोटर, 1 रेगुलेटर एवं 1 पिकअप वाहन जब्त किए गए हैं। अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध संबंधित पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज करवाने की कार्यवाई हो रही हैं।

उल्लेखनीय है कि जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम द्वारा जयपुर शहर में कार्यवाही हेतु तीन विशेष प्रवर्तन दलों का गठन किया गया। दल "ए" में कविता शर्मा प्रवर्तन अधिकारी व सुनिता चौधरी प्रवर्तन निरीक्षक विशेष प्रवर्तन दल "बी" में पूजा शर्मा प्रवर्तन अधिकारी व विजयलक्ष्मी शर्मा प्रवर्तन निरीक्षक एवं विशेष प्रवर्तन दल "सी" में निर्मला चौधरी प्रवर्तन अधिकारी व प्रिया गंगवानी प्रवर्तन निरीक्षक द्वारा जांच की गई।

पुलिस थाना खो-नागोरियान क्षेत्र में नारायण सिटी, जेएनयू हॉस्पिटल के पास संयुक्त कार्रवाई के दौरान, अवैध रिफिलिंग की पुष्टि होने पर 74 घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर, 1 इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 3 रिफिलिंग मोटर तथा 1 पिकअप वाहन जब्त किया गया। इसी प्रकार, आगरा रोड स्थित गौरव बर्तन भंडार एवं जग्गा की ढाणी में दबिश के दौरान 22 गैस सिलेंडर एवं एक उपकरण जब्त किए गए। भांकरोटा क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान 8 गैस सिलेंडर, 1 कांटा एवं एक उपकरण जब्त किया गया, वहीं बिन्दायका क्षेत्र में की गई कार्रवाई में 14 गैस सिलेंडर, 1 कांटा तथा 1 रेगुलेटर रबर पाइप सहित जब्त किया गया।

उल्लेखनीय है कि जयपुर शहर में अवैध गैस रिफिलिंग एवं कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु जिला प्रशासन द्वारा संचालित 'ऑपरेशन प्रवर्तन - सतर्क नागरिक, सुरक्षित शहर' अभियान लगातार जारी है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गैस रिफिलिंग, भण्डारण अथवा कालाबाजारी से संबंधित सूचना तत्काल विभाग को दें, ताकि समय रहते कठोर कार्रवाई कर आमजन की सुविधा सुनिश्चित की जा सके।

ईरान 1 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के समय के अनुसार यह रात 10:30 बजे का समय होगा। ईरान ने कहा है कि हर हमले के बदले इन कंपनियों की यूनिट्स को तबाह किया जाएगा। इसके साथ ही कर्मचारियों को तुरंत अपने कार्यस्थलों से हटने की चेतावनी भी दी गई है। ईरान ने 15 बड़ी अमेरिकी कंपनियों की सूची जारी की है। इसमें माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, एपल, इंटेल, आईबीएम, टेस्ला और बोइंग जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा डेल, एचपी, सिस्को, ओरेकल और जेपी मॉर्गन जैसी कंपनियों के नाम भी सामने आए हैं। इससे साफ है कि ईरान अब सिर्फ सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहना चाहता।

बार-बार पश्चिम एशिया में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है, अब "नाटो की पुनर्समीक्षा की जरूरत है, क्योंकि कुछ सदस्य देशों ने स्पष्ट रूप से अपने एयरबेस का उपयोग करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है।"

इस बीच, ईरान ने सऊदी अरब में अमेरिकी सेना के एक कॉन्फ्रेंस स्थल के पास स्थित एक लक्ष्य पर बमबारी की, जहाँ लगभग 200 वरिष्ठ और मध्यम स्तर के अधिकारी पश्चिम एशिया में अपने अभियानों पर चर्चा कर रहे थे। बड़ी संख्या में अधिकारियों के हताहत होने की आशंका है, हालांकि अमेरिकी सेना की ओर से अभी तक इस हमले की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

ईरान ने दिन के दौरान, कुवैत के एक बड़े तेल टैंकर को भी निशाना बनाया, जिससे आग लग गई और वैश्विक बाजार के लिए तेल परिवहन बाधित हो गया। इन दोनों हमलों को एक बार फिर अत्यंत सटीक माना जा रहा है, जिससे बाहरी स्त्रोतों से खुफिया जानकारी मिलने की आशंका भी जताई जा रही है।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) के लगातार बंद रहने और तेल एवं ऊर्जा सुविधाओं पर बढ़ते हमलों ने तेल की वैश्विक कीमतों को और बढ़ा दिया है। नवीनतम तेल बाजार रिपोर्ट के अनुसार, ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत लगभग 110 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी हुई है।

अमेरिका में गैस की कीमतें बढ़कर 4 डॉलर प्रति गैलन तक पहुँच गई हैं, जो उपभोक्ताओं के लिए बड़ा झटका हैं और ट्रंप प्रशासन पर राजनीतिक दबाव भी बढ़ा रही हैं।

अमेरिकन रक्षा मुख्यालय पेंटागन में हुई एक ब्रीफिंग के दौरान, युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कड़े शब्दों में कहा कि अमेरिका को पूरी जानकारी है कि रूस और चीन कहाँ, क्या कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका इन चुनौतियों का सीधे सामना कर रहा है और अपनी रणनीति के अनुसार उनसे निपट रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका रूस और चीन की गतिविधियों पर करीबी नज़र रखे हुए है। ट्रंप ने ईरान के मुद्दे से निपटने में फ्रांस की गैर-सहयोगी भूमिका की भी आलोचना की।

अब अमेरिकी सैन्य नेतृत्व यह स्वीकार करने लगा है कि ईरान को कहीं और से सूचना मिल रही है, जिससे उसके हमले अधिक सटीक और प्रभावी हो रहे हैं। अमेरिका ईरान से बातचीत करने और समझौता करने की अपील कर रहा है, लेकिन ईरान की ओर से अभी तक कोई खास प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

सूरत के एक मकान में विस्फोट, पांच की मौत

सूरत, 31 मार्च। गुजरात के सूरत के लिंबायत क्षेत्र में मीठी खाड़ी के पास स्थित एक मकान में केमिकल में विस्फोट होने से भीषण आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है। बताया गया एक घर में साड़ियों का काम होता था, जिसके चलते वहां ज्वलनशील केमिकल रखा गया था।

- मकान में साड़ियों का काम होता था व ज्वलनशील केमिकल रखा था, जिसमें ब्लास्ट से आग लगी।

वकीलों को हटाना जेडीए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नवंबर 2025 को जेडीए ने प्रताप सिंह को बिना कारण बताए हटा दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा ने अदालत में 11 नवंबर 2025 को जोनल कमिश्नर द्वारा जारी रिपोर्ट पेश की, जिसमें याचिकाकर्ता समेत कुछ अन्य वकीलों के कार्य को संतुष्टिपूर्ण बताया था।

अदालत ने दूसरी याचिका, जिसे अपने फैसले में उद्धृत किया, वह राम सिंह द्वारा दायर की गई थी। उन्हें वर्ष 2021 में, यानी पिछली गहलोत सरकार के कार्यकाल में जेडीए से हटाया गया था। रामसिंह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन.माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता साहिल शर्मा पैरवी के लिए उपस्थित हुए थे। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता राम सिंह के पास वर्ष 2012 में जेडीए द्वारा जारी अनुभव प्रमाण पत्र हैं, जिसमें उनके कार्य को संतुष्टिपूर्ण बताया गया था। आर.एन.माथुर ने अदालत को बताया कि, उनके मुवक्किल राम सिंह को भी जेडीए प्रशासन ने हटाने का कोई कारण नहीं बताया, परंतु उन्हें तत्कालीन यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के आदेश पर हटाया गया था। राम सिंह को हटाने के तरीके से स्पष्ट होता है कि यह फैसला उन वकीलों को खुश करने के लिए था, जो तत्कालीन सरकार के करीबी थे और मंत्री की जान-पहचान के थे।

जेडीए की ओर से इस मामले में कहा गया कि सहायक अधिवक्ताओं की नियुक्ति अनुबंध के आधार पर की गई थी, यह जेडीए के कार्मिक नहीं थे। ऐसे में इन अधिवक्ताओं के पास कोई अधिकार नहीं है कि वे अपनी सेवाएं जारी रखने का अधिकार प्राप्त कर सकें। इस पर अदालत ने कहा कि अधिवक्ता न्यायिक प्रणाली में बहुत अहम भूमिका निभाते हैं, एक वकील को नौकर की भांति नहीं समझा जा सकता, उन्हें पद से हटाने अथवा लगाने के लिए एक ठोस वजह व कारण होना चाहिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जेडीए ने इन अधिवक्ताओं को हटाते समय ऐसा कोई कारण या वजह नहीं बताई, जिससे उनकी कार्यशैली पर असंतोष जाहिर हो। इस मामले में अब यह देखना है कि अधिवक्ताओं को हटाने का कोई कारण था या जेडीए अधिकारियों ने अपनी मनमानी की थी। अदालत ने आगे कहा कि जेडीए की खुद की गाइडलाइन कहती कि अगर जोनल कमिश्नर अधिवक्ता से असंतुष्ट है तो उसे हटा सकता है, परंतु जेडीए की ओर से इस संबंध में कोई दस्तावेज अथवा तथ्य प्रस्तुत नहीं किए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में 25 ईनामी नक्सलियों ने समर्पण किया

बीजापुर, 31 मार्च। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलवाद के खात्मे की तय समय सीमा के अंतिम दिन, आज मंगलवार को बस्तर आईजी सुन्दरराज पी., सीआरपीएफ के डीआईजी बी.एस. नेगी, बीजापुर के पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव सहित, कई वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष 25 इनामी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इन पर 1.47 करोड़ का इनाम घोषित था। इन नक्सलियों ने एलएमजी, एके-47, एसएलआर, इंसास सहित, कुल 93 घातक हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है। पहली बार नक्सलियों के पास से 2.90 करोड़ रुपये नकद और लगभग 7.2 किलोग्राम सोना बरामद किया गया है। बरामद सोने की कीमत करीब 11.16 करोड़ रुपये आंकी गई है। इनके पास मिले हथियारों में 4 एके-47 और 9 एसएलआर राइफलें जैसे आधुनिक हथियार भी शामिल हैं।

- इनके पास से 93 घातक हथियार, 7.2 किलो सोना, व 2.90 करोड़ रु. नकद बरामद हुए।

ईरान के इस्फहान शहर पर अमेरिका ने भारी हमला किया

तेहरान/कुवैत सिटी/ बेरूत/ बगदाद, 31 मार्च। अमेरिका और इज़रायल ने ईरान के ऐतिहासिक शहर इस्फहान पर जबरदस्त हमला किया है। इस शहर की आबादी लगभग 23 लाख है। यहां बदर मिलिट्री एयरबेस भी मौजूद है। जोरदार धमाकों और आग की लपटों से आज सुबह तक आसमान में दहशत रोशन रही। हिजबुल्लाह ने भी इज़रायली सेना पर हमलों का दावा किया है।

- यह शहर एतिहासिक पृष्टभूमि तथा औद्योगिक इकाइयों के कारण विख्यात है

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने इस्फहान में हमले के कई वीडियो तैयार किए हैं। इस्फहान ईरान का तीसरा सबसे बड़ा और सांस्कृतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण शहरों में से एक है। यह ईरान का प्रमुख औद्योगिक केंद्र है। यहां कपड़ा और इस्पात की मिलें हैं। यहां ईरान का महत्वपूर्ण परमाणु केंद्र (नतंज) और सैन्य मिसाइल बनाने के कारखाने भी हैं। इसके कारण यह अकसर चर्चा में रहता है। इस बीच हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने उत्तरी इजराइल की मिसगाव अम बस्ती में एक सैन्य चौकी को निशाना बनाया और दक्षिणी लेबनान के अल-क़ंतारा और तैबेह कस्बों के बीच सड़क पर मौजूद एक इजराइली मर्कवा टैंक पर गाइडेड मिसाइल से हमला किया। हमले में टैंक जल गया।

बीजू का अपमान "उडिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। राज्य के विधि मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि पार्टी सांसद द्वारा व्यक्त विचार "पूरी तरह उनके व्यक्तिगत विचार" हैं और सरकार के रुख को नहीं दर्शाते। उन्होंने कहा, "ऐसी टिप्पणियाँ बहुत ही अनुचित हैं और किसी भी परिस्थिति में अपेक्षित नहीं हैं। इनसे न केवल मुख्यमंत्री मांझी, बल्कि हम सभी को गहरी पीड़ा हुई है।"

इस मामले में राज्य भाजपा की रक्षात्मक स्थिति समझ में आती है, क्योंकि लोगों के मन में बीजू पटनायक के प्रति गहरा सम्मान है। बीजद नेता और पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, जो आमतौर पर संयमित भाषा के लिए जाने जाते हैं, ने असामान्य रूप से कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक स्वतंत्रता सेनानी और सम्मानित नेता के खिलाफ ऐसे "बेतुके और पूरी तरह झूठे" बयान देने वाले दुबे को मानसिक चिकित्सक से परामर्श लेने की जरुरत है।

भाजपा के भीतर भी प्रतिक्रियाएँ कम नहीं रहीं। पार्टी नेता और हाल ही में राज्यसभा के लिए निर्वाचित दिलीप रे ने 'एक्स' पर लिखा: "बीजू बाबू का जीवन साहस, त्याग, दूरदृष्टि और अडिग देशभक्ति का प्रमाण था। वे केवल ओडिशा के एक महान नेता ही नहीं थे, बल्कि उन दुर्लभ राष्ट्रिनर्माताओं में से एक थे, जिनके जीवन और कार्य ने भारत के राजनीतिक और रणनीतिक इतिहास पर अमिट छाप छोड़ी। उनके इस असाधारण योगदान को हल्की और सनसनीखेज राजनीतिक टिप्पणियों तक ले आना न केवल अनुचित है, बल्कि अत्यधिक असम्मानजनक भी है।"

बीजद ने सोमवार को राज्यसभा में वॉकआउट किया। एक दिन पहले, पार्टी के राज्यसभा सांसद सस्मित पात्रा ने सूचना प्रौद्योगिकी और संचार से सम्बंधित संसदीय स्थायी समिति की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया, जिसके अध्यक्ष दुबे हैं।

दुबे के ही पार्टी सहयोगी बैजयंत पांडा ने, बिना नाम लिए, कहा कि पटनायक की देशभक्ति पर सवाल उठाना "अकल्पनीय और पूरी तरह बेतुका एवं हास्यास्पद" है।

ओडिशा के जानकारों का कहना है कि दुबे की टिप्पणियाँ राज्य में "अंजैया क्षण" जैसी स्थिति पैदा कर सकती हैं। ज्ञातव्य है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री टी. एन. अंजैया का सार्वजनिक अपमान किया था। इसके बाद हुए विधानसभा चुनावों में, एन. टी. रामाराव की तेलुगु देशम पार्टी ने तेलुगु गौरव के मुद्दे पर भारी जीत हासिल की थी।

'केरल में हर साल दो गैस सिलेंडर मुफ्त देगी भाजपा'

तिरुवनंतपुरम, 31 मार्च। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केरल विधानसभा चुनाव को लेकर अपना घोषणा पत्र मंगलवार को जारी कर दिया। "यही बदलाव है, यही विकसित केरल है" थीम पर आधारित इस घोषणापत्र में राज्य के समग्र विकास का रोडमैप पेश किया गया है, जिसमें बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, सामाजिक कल्याण योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों पर विशेष जोर दिया गया है।

- भाजपा ने केरल विधानसभा चुनाव घोषणा पत्र में वादा किया

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने तिरुवनंतपुरम स्थित श्री मूलम क्लब में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा पत्र जारी किया। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर, टीवी-20 पार्टी के मुख्य समन्वयक साबू जैकब, बीडीजेएस के प्रदेश अध्यक्ष तुषार वेल्लापल्ली और तिरुवनंतपुरम के मेयर वीवी राजेश सहित, अन्य प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

भाजपा ने घोषणापत्र में आम जनता, खासकर गरीब और मध्यम वर्ग को ध्यान में रखते हुए कई कल्याणकारी घोषणाएं प्रस्तुत की हैं। इनमें गरीब परिवारों को हर साल दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, प्रत्येक घर को हर महीने 20,000 लीटर मुफ्त पेयजल, सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति माह करना प्रमुख हैं। इन योजनाओं के जरिए पार्टी ने सीधे तौर पर आम मतदाताओं को साधने की कोशिश की है।

'अमेरिका व्यर्थ ही ऐसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निशाना वॉशिंगटन को बनाया है। उनका यह दावा, कि संयुक्त राज्य अमेरिका ऐसे युद्ध का समर्थन कर रहा है, "जिसे वह जीत नहीं सकता", अमेरिकी विदेश नीति की रणनीतिक सुसंगतता पर उनके गहरे संदेह को दर्शाता है। वे ईराक से लेकर अफगानिस्तान तक, एक पैटर्न देखते हैं, अत्यधिक विस्तार (ओवररीच) का, जहाँ विशाल संसाधन खर्च किए जाते हैं, लेकिन स्थायी राजनीतिक परिणाम नहीं मिलते। उनके अनुसार, पश्चिम एशिया में भी यही तर्क लागू हो रहा है: बिना विश्वसनीय अंतिम रणनीति के लगातार बढ़ता हुआ युद्ध।

उनकी टिप्पणियों का अधिक विवादास्पद, और राजनीतिक रूप से विस्फोटक हिस्सा उस कथित घटना से जुड़ा है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बीच एक उच्चस्तरीय कूटनीतिक बातचीत में एलन मस्क की मौजूदगी का दावा किया गया। हालांकि भारत के विदेश मंत्रालय ने इसे आधिकारिक तौर पर खारिज किया है, पर सैक्स इस प्रकरण, चाहे वास्तविक हो या अनुमानित, का उपयोग अमेरिका में संवैधानिक व्यवस्था के पतन के बड़े मुद्दे को रेखांकित करने के लिए करते हैं।

यहाँ उनकी आलोचना विदेश नीति से हटकर राजनीतिक अर्थव्यवस्था की ओर मुड़ जाती है। सैक्स का तर्क है कि राज्य संचालन के मामलों में तकनीकी अरबपतियों का बढ़ता प्रभाव सार्वजनिक सत्ता और निजी शक्ति के बीच की रेखाओं को धुंधला कर रहा है। जब अपार आर्थिक ताकत रखने वाले, निर्वाचित न हुए व्यक्ति औपचारिक या अनौपचारिक रूप से कूटनीतिक प्रक्रियाओं में शामिल दिखाई देते हैं, तो यह जवाबदेही और लोकतांत्रिक वैधता के मूलभूत प्रश्न उठाता है। उनका कथन कि, "सरकार को खरीद लिया गया है" जानबूझकर बोला गया भड़काऊ कथन है, साथ ही यह एक व्यापक बहस को दर्शाता है कि केन्द्रित संपत्ति अब नीतिगत परिणामों को इस तरह प्रभावित कर रही है, जो संस्थागत नियंत्रण और संतुलन को दरकिनार कर देता है।

समग्र रूप से, सैक्स की टिप्पणियाँ एक ऐसी विश्वदृष्टि को दर्शाती हैं, जिसमें आज के संघर्ष अलग-थलग घटनाएँ नहीं, बल्कि गहरे संरचनात्मक संकटों के लक्षण हैं, शासन, वैश्विक व्यवस्था और आर्थिक असमानता के संकट। इस दृष्टिकोण में, पश्चिम एशिया का संघर्ष क्षेत्रीय या वैचारिक विवादों से अधिक तेजी से बदलती दुनिया को संभालने में बड़ी शक्तियों की विफलता को उजागर करता है।

भारत के पर्यवेक्षकों के लिए, सैक्स की टिप्पणियाँ दोहरे अर्थ रखती हैं। एक ओर, वे आपस में जुड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था में दूरस्थ संघर्षों में उलझने के जोखिम को रेखांकित करती हैं। दूसरी ओर, वे शक्ति के बदलते स्वरूप को उजागर करती हैं तो जहाँ राज्य, बाज़ार और तकनीकी अभिजात वर्ग तेजी से अप्रत्याशित तरीकों से एक-दूसरे से जुड़ रहे हैं।

चाहे कोई उनके निष्कर्षों से सहमत हो या नहीं, लेकिन सैक्स एक असहज प्रश्न को सामने रख रहे हैं: ऐसी दुनिया में, जहाँ युद्धों के स्पष्ट विजेता नहीं होते और शासन स्वयं विवादित प्रतीत होता है कि आखिरकार सत्ता किसके हाथ में है?

नालंदा : शीतला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसपी भारत सोनी के अनुसार, अत्यधिक गर्मी और भारी भीड़ इस हादसे की मुख्य वजह रही। उन्होंने बताया कि ठंडे पानी में स्नान के बाद जब महिलाएं मंदिर परिसर में प्रवेश कर रही थीं, तभी दम घुटने और पानी की कमी के कारण कई महिलाएं बेहोश होकर गिरने लगीं। इससे अफरा-तफरी मच गई और भीड़ बेकाबू हो गई, जिसके चलते यह दुखद घटना घटी।

इस बीच केंद्र और राज्य सरकार ने पीड़ितों के परिवारों को अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम राहत कोष (पीएमएनआरएफ)से मृतकों के परिवारों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है, जबकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मृतकों के आश्रितों को आपदा प्रबंधन विभाग से 04-04 लाख रुपये एवं मुख्यमंत्री राहत कोष से (सीएमडीआरएफ) 02-02 लाख रुपये (कुल 06 लाख रुपये) अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है।

पूर्व टेनिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुए इसे ऐतिहासिक पल बताया। उन्होंने कहा कि अब अंतर्राष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी भाजपा के मंच से देश की सेवा करेंगे। रिजिजू ने कहा कि देशभर में लिएंडर पेस का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री सुकांता मजूमदार ने टेनिस स्टार के भाजपा में शामिल होने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि लिएंडर पेस 19वीं सदी के प्रसिद्ध बंगाली कवि और नाटककार माइकल मधुसूदन दत्त के प्रत्यक्ष वंशज हैं।

पाँच साल के अंतराल के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वर्ष 2024 और 2025 में ब्रिक्स और एससीओ शिखर सम्मेलनों के इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठकों के बाद संबंधों में सामान्यीकरण की प्रक्रिया शुरू हुई थी।

शंघाई स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के आउन्सलेट जनरल प्रतीक माथुर ने मंगलवार को प्रतिनिधिमंडल और पूर्वी चीन की प्रमुख कंपनियों तथा वित्तीय संस्थानों के बीच एक बिज़नेस राउंड टेबल बैठक की मेजबानी की, जिसका उद्देश्य भारतीय व्यवसायों के साथ सहयोग के अवसर तलाशना था।

प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए माथुर ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है और यहाँ विश्व की सबसे युवा आबादी में से एक है, जो अंतरराष्ट्रीय साझेदारी और निवेश के लिए अपार अवसर प्रदान करती है।

अपने संबोधन में माथुर ने भारत में उभरते क्षेत्रों, जैसे नई और नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), कनेक्टिविटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास, तथा सूचना प्रौद्योगिकी, में बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र वैश्विक कंपनियों के साथ सतत विकास हेतु सहयोग के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पीएचडीसीसीआई प्रतिनिधिमंडल की इस यात्रा का उद्देश्य विशेष रूप से शंघाई, जो चीन का वाणिज्यिक केन्द्र है, और तेजी से विकसित हो रहे झेजियांग तथा जियांग्सू प्रांतों में भारतीय व्यवसाय और उद्योग जगत के बीच मजबूत संबंध स्थापित करना है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि औद्योगिक चर्चाओं के अलावा, इस यात्रा का ध्यान प्रौद्योगिकी साझेदारी को बढ़ावा देने और बिज़नेस-टू-बिज़नेस (बी2बी) बैठकों को प्रोत्साहित करने पर भी केन्द्रित है। इन पहलों का उद्देश्य भारत की घरेलू क्षमताओं और नवाचार को सुदृढ़ करना है, साथ ही 2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य को आगे बढ़ाना भी है।

विज्ञप्ति के अनुसार, इस राउंड टेबल में चीनी पक्ष से भी उच्चस्तरीय भागीदारी देखने को मिली, जिसमें एचएसबीसी और वूशी टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन जैसी प्रमुख कंपनियाँ और वित्तीय संस्थान शामिल थे। उनकी भागीदारी में उभरते उद्योगों और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों के साथ सहयोग बढ़ाने की काफी रुचि दिखाई दी।

चर्चाओं के वैश्विक दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए यूरोपीय व्यापारिक समूहों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया और प्रस्तावित "इंडिया-यूरोपयन यूनियन फ्री ट्रेड एग्रीमेन्ट" से उत्पन्न हो रहे अवसरों पर अपने विचार साझा किए।

प्रतिभागियों ने लचीली और टिकाऊ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण के महत्व पर जोर दिया, जिसमें भारतीय व्यवसायों और निवेश की केन्द्रीय भूमिका हो सकती है।

प्रतिनिधिमंडल की यात्रा से संबंधित एक पुस्तिका के अनुसार, इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी साझेदारी की संभावनाओं की खोज करना, स्वच्छ ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ना, और चीन के आरई (नवीकरणीय ऊर्जा) तथा ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) क्षेत्रों में नवाचार का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करना है।

प्रैस विज्ञप्ति में कहा गया, प्रतिनिधिमंडल के उद्देश्यों में व्यापार, निवेश और साझेदारी के अवसरों की पहचान करना, बी2बी सहयोग को बढ़ावा देना, नवाचार और औद्योगिक पार्कों का दौरा करना, चीन की स्वच्छ गतिशीलता और बैटरी नवाचारों से सीखना, तथा नवीकरणीय ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखलाओं का अध्ययन करना शामिल है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908